{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 27 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 273
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,100.47
निफ्टी - 24,056.00
सोना - 1,49,449
चांदी - 2,35,000
डॉलर - 94.38

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

आईपीएस महेश दीक्षित बने भारत के नए आईबी प्रमुख

नई दिल्ली। भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी महेश दीक्षित को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी इस नियुक्ति को मंजूरी दी है। आंध्र प्रदेश कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी दीक्षित, निवर्तमान आईबी निदेशक तपन कुमार डेका का स्थान लेंगे। उन्हें खुफिया नेटवर्क के मामलों में एक विशेषज्ञ और आतंकवाद के खिलाफ कई मिशनों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारी के रूप में जाना जाता है। देश में बढ़ती अंदरूनी सुरक्षा की चुनौतियों को देखते हुए उनकी इस पोस्टिंग को काफी अहम माना जा रहा है। सुरक्षा से जुड़े एक्सपर्ट्स का कहना है कि उनके तजुर्बे और लीडरशिप से इंटेलिजेंस मजबूत होगी, साथ ही नेशनल सिक्योरिटी से जुड़े मामलों में बेहतर तालमेल बनाने में मदद मिलेगी।

आयरलैंड ने पहली बार वर्ल्ड चैंपियन भारत को हराया

बेलफास्ट। मौजूदा टी-20 वर्ल्ड चैंपियन भारत को दुनिया में 12वें नंबर की टीम आयरलैंड ने हरा दिया है। बेलफास्ट में शुक्रवार को हुए दो मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में भारत पर 34 रन से जीत हासिल की। मार्च में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय टीम इस फॉर्मेट में अपना पहला मैच खेल रही थी। यह आयरलैंड के खिलाफ भारत की अब तक की पहली हार भी है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 182 रन बनाए। लॉरकन टकर ने 50 रन की पारी खेली। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन ही बना सकी। ओपनर अभिषेक शर्मा ने सबसे ज्यादा 20 बॉल पर 50 रन बनाए। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में डेब्यू करने का मौका नहीं मिला।

अब भीम ऐप से खुलेगा एनपीएस खाता

नई दिल्ली। देश में पेंशन व्यवस्था को ज्यादा डिजिटल, सरल और आम लोगों की पहुंच में लाने के लिए सरकार और संबंधित संस्थाएं नए कदम उठा रही हैं। आने वाले समय में लोग भीम ऐप के जरिए नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में आसानी से खाता खोल सकेंगे। इसके साथ ही कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) की राशि को एनपीएस में स्थानांतरित करने की संभावना पर भी विचार किया जा रहा है। इन बदलावों से नौकरीपेशा कर्मचारियों के अलावा गिग वर्कर्स, छोटे कारोबारी और असंगठित क्षेत्र के कामगारों को भी रिटायरमेंट प्लानिंग के बेहतर विकल्प मिल सकते हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी- चंपत के ड्राइवर टिन्नू समेत सभी आरोपियों को भेजा गया जेल

चंपत राय ने दिया इस्तीफा, अनिल मिश्रा की छुट्टी

लखनऊ। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी मंदिर की व्यवस्था से बाहर कर दिया गया है। चंपत के पास पूरे मंदिर की जिम्मेदारी थी। राय के बाद ट्रस्टी अनिल और गोपाल राव की मंदिर व्यवस्था में बड़ी भूमिका थी। एक हफ्ते पहले सीएम योगी अयोध्या दौरे पर गए थे। उस वक्त चंपत को उनके दौरे से दूर रखा गया था, तभी से यह सुगबुगाहट थी कि उन्हें हटाया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अब ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा। चढ़ावा चोरी मामले में गुरुवार देर शाम ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं। इसके बाद देर रात रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार को मेडिकल के बाद सभी 8 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। सीजेएम कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन के लिए जेल भेज दिया है।

सूत्रों के अनुसार, यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख और एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के बाद सामने आया है। इससे पहले इसी मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की शिकायत पर पहली एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में आठ लोगों को नामजद किया गया है, जबकि कई अन्य अज्ञात लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसआईटी फिलहाल कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही है। जांच एजेंसी आरोपियों के बैंक खातों, संपत्तियों, मोबाइल रिकॉर्ड और कथित लेन-देन की पड़ताल में जुटी है। सूत्रों का कहना है कि एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में कुछ कड़ी सिफारिशें की गई थीं, जिसके बाद जांच की रफ्तार और तेज हुई। इसी क्रम में चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफों को भी जांच से जोड़कर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इस मामले में पारदर्शी और निष्पक्ष जांच के संकेत दे चुके हैं। सरकार का कहना है कि यदि जांच में किसी भी स्तर पर अनियमितता या जिम्मेदारी तय होती है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस पूरे मामले में कई सवालों के जवाब अभी आने बाकी हैं। क्या एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट में और बड़े खुलासे होंगे? क्या जांच का दायरा और बढ़ेगा? और क्या ट्रस्ट की कार्यप्रणाली में कोई बदलाव देखने को मिलेगा? इन सभी सवालों के जवाब आने वाले दिनों में जांच के साथ सामने आएंगे।

चढ़ावे से जुड़े मामले में 8 लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ है केस

राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित गड़बड़ी की जांच के बीच गुरुवार को बड़ा कदम उठाया गया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी कृष्ण मोहन की शिकायत पर राम जन्मभूमि थाने में आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ। एफआईआर में राम शंकर यादव उर्फ टीनू, अनुकल्प मिश्र, लवकुश मिश्रा, करुणेश पांडेय, अविनाश शुक्ला, मनीष यादव, रमाशंकर मिश्रा और सुभाष चंद्र श्रीवास्तव को नामजद किया गया है। इनके खिलाफ गबन, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज है। सूत्रों के अनुसार, एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) को सौंपे जाने के बाद यह कार्रवाई हुई। पुलिस ने अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश की जा रही है।

ट्रस्ट से जुड़े कृष्ण मोहन ने दर्ज कराई है मामले की शिकायत

इस पूरे मामले की शिकायत कृष्ण मोहन ने दर्ज कराई, जो सितंबर 2025 में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का सदस्य बनाया गया था। फरवरी 2025 में ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल के निधन के बाद उनकी जगह कृष्ण मोहन का चयन किया गया। हरदोई के रहने वाले कृष्ण मोहन ने 1970 के दशक में लखनऊ विश्वविद्यालय से एमएससी की पढ़ाई की थी। इसके बाद उन्होंने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में करीब छह वर्ष तक काम किया और फिर भारतीय वन सेवा में चयनित होकर महाराष्ट्र कैडर में सेवाएं दीं। साल 2012 में रिटायर होने के बाद वह सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे।

पहले विश्व हिंदू परिषद, फिर ट्रस्ट से जुड़े थे चंपत राय

चंपत राय विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेता रहे हैं। उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा दिया है। राम मंदिर आंदोलन के शुरुआती दौर से लेकर मंदिर निर्माण और उसके संचालन तक उनकी भूमिका मानी जाती रही है। ट्रस्ट के प्रशासनिक कामकाज, वित्तीय प्रबंधन, भूमि संबंधी मामलों और मंदिर की दैनिक व्यवस्थाओं की निगरानी की जिम्मेदारी उनके पास थी। सूत्रों के मुताबिक, जांच में यह भी सामने आया है कि मंदिर संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय और सूचनाएं उनके स्तर तक पहुंचती थीं। वहीं, उनके करीबी और ड्राइवर रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था के साथ-साथ चढ़ावे और दान से जुड़ी व्यवस्थाओं को संभालते थे।

लंबे समय से संघ से जुड़े रहे अनिल मिश्रा

डॉ. अनिल मिश्रा अयोध्या के सीनियर डॉक्टर हैं और लंबे समय से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं। वह श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टियों में शामिल रहे। ट्रस्ट के भीतर उन्हें मंदिर में आने वाले चढ़ावे की कैश की गिनती, उसके सुरक्षित भंडारण और बैंक में जमा कराने की व्यवस्था की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। सूत्रों के अनुसार, मंदिर परिसर की साफ-सफाई और कुछ अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी भी उनके कार्यक्षेत्र में शामिल थी।

देश में फिलहाल नहीं घटेगी पेट्रोल-डीजल की कीमत!

सस्ता हुआ कच्चा तेल...सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां पहले करेंगी नुकसान की भरपाई

नई दिल्ली। हाल के दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में काफी कमी आई है। उसके बाद भी आम लोगों को इस फायदा होने की उम्मीद नहीं है। इंडस्ट्री के सूत्रों के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बावजूद सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों के जल्द ही फ्यूल की रिटेल कीमतें कम करने की संभावना नहीं है। रिफाइनर वेस्ट एशिया में हुए संघर्ष के दौरान हुए भारी नुकसान की भरपाई करना चाहते हैं और साथ ही शांति समझौते के लागू होने पर भी नजर रखे हुए हैं।

एक एनालिस्ट ने नाम न बताने की शर्त एमसी की रिपोर्ट में कहा कि सरकारी तेल कंपनियों के तुरंत कीमतें बदलने की संभावना नहीं है। वे शांति समझौते के नतीजों का इंतजार करेंगे और देखेंगे। उन्हें होने वाला नुकसान (अंडर-रिकवरी) बहुत ज्यादा था - पहले यह रोजाना 1,000 करोड़ रुपए था, जो बाद में घटकर 500-600 करोड़ रुपए रोजाना हो गया। चूंकि उनका नुकसान बहुत ज्यादा है, इसलिए सरकार सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों को नुकसान की भरपाई के लिए कुछ समय दे सकती है।

मई में कंपनियों को हुआ 1000 करोड़ का नुकसान

मई में, सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बिक्री पर रोजाना कुल 1,000 करोड़ रुपए तक का नुकसान हो रहा था। बाद में, सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद यह नुकसान घटकर 500-600 करोड़ रुपए रोजाना रह गया। मार्च-मई 2026 के दौरान पेट्रोल, डीजल और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस पर कुल अंडर-रिकवरी का अनुमान लगभग 1 लाख करोड़ रुपये है। क्रिसिल इंटेलिजेंस में कच्चे तेल के मामलों के जानकार सेहुल भट्ट ने कहा कि अगर भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहती है, तो मौजूदा स्तर से अंडर-रिकवरी में कोई खास बढ़ोतरी होने की संभावना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति समझौते को लागू करने को लेकर अनिश्चितताओं के कारण एनर्जी मार्केट में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

एलपीजी की कीमतों में भी तेजी

इस संघर्ष के कारण इंटरनेशनल एलपीजी की कीमतों में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। क्रिसिल इंटेलिजेंस के अनुसार, भारत में एलपीजी इम्पोर्ट के लिए बेंचमार्क माने जाने वाले सऊदी अरामको कॉन्ट्रैक्ट प्राइस में फरवरी-जून 2026 के दौरान 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। मार्केट ने सप्लाई में रुकावट के जोखिम और ज्यादा फ्रेट कॉस्ट (ढुलाई लागत) को कीमतों में शामिल कर लिया था। दिल्ली के मामले में, मई 2026 में घरेलू सिलेंडर पर अंडर-रिकवरी बढ़कर 651 रुपये हो गई। जहां कमर्शियल एलपीजी की कीमतें मार्केट की स्थितियों के हिसाब से तेजी से बदलीं, वहीं घरेलू ग्राहकों पर इसका असर सीमित रहा।

एनसीईआरटी ने 9वीं की किताब से संविधान प्रस्तावना हटी, आपातकाल पर अलग सेक्शन जोड़ा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अपनी नौवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक से भारतीय संविधान की प्रस्तावना को हटाया है। जानकारी के अनुसार, इस नए संस्करण में समाजवादी और पंथनिरपेक्ष जैसे शब्दों का भी विशेष उल्लेख नहीं है, जबकि आपातकाल (इमरजेंसी) पर एक विस्तृत और अलग खंड जोड़ा गया है। पुस्तक के अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी- इंडिया एंड बियॉन्ड शीर्षक वाले अध्याय में, संविधान के निर्माण, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मौलिक अधिकारों पर चर्चा की गई है, लेकिन संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणराज्य जैसे महत्वपूर्ण शब्दों के अर्थ या उनकी व्याख्या नहीं हुई है। आपातकाल को लोकतंत्र के सामने आई सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक के रूप में दिखाया गया है। किताब में लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा छात्रों और लोगों को संगठित कर बिहार और गुजरात में बड़े जन आंदोलनों को खड़ा करने की भूमिका पर भी विस्तार से बताया गया है। इसमें बताया गया है कि 1977 में आपातकाल समाप्त होने के बाद हुए आम चुनावों में जनता ने अपने मताधिकार के माध्यम से सत्तारूढ़ सरकार को हरा दिया, इस भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का एक उदाहरण माना गया है। यह उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान 1976 में किए गए 42वें संविधान संशोधन के जरिए ही संविधान की प्रस्तावना में पंथनिरपेक्ष, समाजवादी और अखंडता शब्द जोड़े थे, हालांकि ये शब्द अभी भी भारतीय संविधान का हिस्सा हैं। एनसीईआरटी की पुस्तक में 1970 के दशक की शुरुआत में इंदिरा सरकार के खिलाफ बढ़ती जन नाराजगी, बेरोजगारी, महंगाई और कुप्रबंधन के आरोपों के कारण हुए विरोध प्रदर्शनों का जिक्र है, जिसके बाद जून 1975 में आंतरिक अशांति के आधार पर राष्ट्रीय आपातकाल लागू किया गया था। किताब के अनुसार, आपातकाल के दौरान अधिकांश मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई और कई राजनीतिक नेताओं व कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। इस अवधि को लोकतांत्रिक संस्थाओं पर बढ़े दबाव और लोगों की स्वतंत्रता के सीमित होने के दौर के रूप में वर्णित किया गया है।

रतलाम में हाई-टेंशन लाइन से टकराया ताजिया, 3 की मौत

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में मुहर्रम जुलूस के दौरान ताजिया के हाई-टेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से बड़ा हादसा हुआ। घटना में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कम से कम सात अन्य घायल हुए हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हतनारा गांव में तब हुई, जब सैकड़ों की संख्या में लोग ताजिया के साथ जुलूस निकाल रहे थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जुलूस में करीब 200 लोग शामिल थे। तभी ताजिया का ढांचा ऊपर से गुजर रही हाई-टेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे कई लोगों को बिजली का जोरदार झटका लगा और वे झुलस गए। अचानक हुई घटना से जुलूस में अफरातफरी मच गई। मृतकों की पहचान राशिद खान, सद्दू हुसैन और अरबाज खान के रूप में हुई है। घायलों को तुरंत रतलाम मेडिकल कॉलेज और आसपास के अस्पतालों में भर्ती किया गया है, जहाँ पाँच लोगों की हालत गंभीर है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। एएसपी राकेश पांड्रो ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और बिजली लाइन की ऊंचाई या सुरक्षा उपायों को लेकर किसी भी संभावित लापरवाही के पहलू की गहनता से जांच की जा रही है। वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि बिजली लाइन काफी नीची लटक रही थी और दुर्घटना के समय बिजली विभाग का कोई भी कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं था। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के सही कारणों का पता चल पाएगा और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सत्य, न्याय और साहस की राह दिखाती है कर्बला की कुर्बानी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका बलिदान आज भी करोड़ों लोगों को सत्य, न्याय और इंसाफ के मार्ग पर डटे रहने की प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में इमाम हुसैन की कुर्बानी को साहस, दृढ़ संकल्प और अटूट विश्वास का प्रतीक बताया।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि हजरत इमाम हुसैन का बलिदान मानवता के लिए एक अमर प्रेरणा है। उन्होंने लिखा कि उनकी शहादत आज भी अनगिनत लोगों को सच्चाई और न्याय के लिए संघर्ष करने की शक्ति प्रदान करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इमाम हुसैन की कुर्बानी साहस, संकल्प और अटूट आस्था की उस शक्ति की याद दिलाती है, जो अन्याय और अत्याचार के सामने कभी झुकती नहीं। उन्होंने कहा कि उनकी शिक्षाएं और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करते रहेंगे।

इस्लाम के इतिहास में विशेष स्थान

हजरत इमाम हुसैन पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के नवासे तथा हजरत अली और हजरत फातिमा के छोटे पुत्र थे। इस्लाम के इतिहास में उनका स्थान अत्यंत सम्माननीय माना जाता है। वर्ष 680 ईस्वी (61 हिजरी) में इराक के कर्बला में उन्होंने सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। इमाम हुसैन ने तत्कालीन शासक यजीद की सत्ता को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद कर्बला के मैदान में उन्होंने अपने परिवार और साथियों के साथ कठिन परिस्थितियों में संघर्ष किया और शहादत स्वीकार की, लेकिन अन्याय के सामने झुके नहीं।

अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक

कर्बला की घटना को आज भी अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष के सबसे बड़े प्रतीकों में माना जाता है। इमाम हुसैन की शहादत केवल मुस्लिम समुदाय के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा का संदेश देती है। उनकी कुर्बानी सदियों बाद भी दुनिया भर के लोगों को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने, नैतिक मूल्यों की रक्षा करने और सच्चाई के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देती है।

ट्रक ने बैंड वालों से भरे वाहन में टक्कर मारी, 7 की मौत, 1 गंभीर

रांची। झारखंड के रामगढ़ जिले में देर रात एक भयावह सड़क हादसे ने सात जिंदगियों को लील लिया, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। रजरप्पा थाना क्षेत्र के अंतर्गत लारी-बरलौंग के समीप रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार कोयला लदे ट्रक और सवारी गाड़ी के बीच हुई भीषण टक्कर में यह दुखद घटना घटी। इस हादसे से पूरा इलाका सदमे में है और मृतकों के परिवारों में मातम पसर गया है। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना का शिकार हुए सभी आठ लोग एक म्यूजिकल बैंड या ताशा पार्टी से जुड़े हुए थे। वे बलसगरा और मरांगमरचा गांव के निवासी थे और देर रात करीब 12 से 1:30 बजे के बीच एक कार्यक्रम से अपना काम समाप्त कर अपनी सवारी गाड़ी से घर लौट रहे थे। उनकी घर वापसी की खुशी पल भर में मातम में बदल गई, जब वे नियति के क्रूर खेल का शिकार हो गए। लारी के समीप मुख्य मार्ग पर गलत दिशा (रॉन्ग साइड) से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कोयला लदे ट्रक ने उनकी सवारी गाड़ी को सामने से जोरदार टक्कर मार दी।

कुछ ना कहना

ऑनलाइन धोखाधड़ी पर आरबीआई का नया नियम : ग्राहकों को 25,000 तक मुआवजा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब यूपीआई, नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, डेबिट या क्रेडिट कार्ड जैसे डिजिटल माध्यमों से हुए घोटालों में ग्राहकों को 25,000 रुपये तक का मुआवजा मिल सकेगा, भले ही धोखाधड़ी में आंशिक रूप से उनकी लापरवाही भी शामिल हो। यह कदम तब उठाया गया है जब ऑनलाइन फ्रॉड के पीड़ितों के लिए अपने खोए हुए पैसे की रिकवरी अक्सर जटिल प्रक्रिया होती है।

24 जून, 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार, नियम 1 जनवरी, 2027 से प्रभावी होगा और उस तारीख को या उसके बाद किए गए सभी इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन पर लागू होगा। यह प्रावधान स्मॉल फाइनेंस बैंकों, पेमेंट बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और स्थानीय क्षेत्र बैंकों को छोड़कर सभी वाणिज्यिक बैंकों पर लागू होगा। यह नए दिशानिर्देश डिजिटल भुगतान के हर पहलू को कवर करते हैं, चाहे वे कार्ड स्वाइप या टैप करके किए गए हों, या ऑनलाइन कार्ड विवरण दर्ज करके।

आरबीआई ने धोखाधड़ी के मामलों में जिम्मेदारी तय करने के लिए तीन शर्तें रखी हैं-

बैंक की गलती- यदि धोखाधड़ी बैंक की सुरक्षा में चूक, सिस्टम की गड़बड़ी, या बैंक द्वारा धोखाधड़ी की सूचना न भेजने के कारण हुई है, तब बैंक को ग्राहक को पूरी राशि का भुगतान करना होगा, भले ही ग्राहक ने इसकी जानकारी दी हो या नहीं।

तीसरे पक्ष की गलती- अगर धोखाधड़ी किसी भुगतान एप, भुगतान गेटवे या दूरसंचार प्रदाता जैसे तीसरे पक्ष के कारण हुई है,तब ग्राहक को घटना की तारीख से पांच कैलेंडर दिनों के भीतर बैंक को सूचित करने पर पूरा पैसा वापस मिल जाएगा। पांच दिनों के बाद रिपोर्ट करने पर देनदारी बैंक की आंतरिक नीति के अनुसार तय होगी।

ग्राहक की लापरवाही- यह अधिसूचना का सबसे नया और महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि धोखाधड़ी में ग्राहक की लापरवाही भी शामिल थी, जैसे कि ओटीपी साझा करना, फिशिंग लिंक पर क्लिक करना, या संदिग्ध एप डाउनलोड करना, तब भी उन्हें मुआवजा मिल सकता है। यह लाभ तभी मिलेगा जब नुकसान कम हो और ग्राहक ने तुरंत कार्रवाई की हो।

नए नियमों के तहत, मुआवजे की अधिकतम राशि 25,000 रुपये या धोखाधड़ी की राशि का 85 प्रतिशत होगी, जो भी कम हो। यह मुआवजा किसी भी एक व्यक्ति को उसके जीवनकाल में केवल एक बार दिया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति के साथ 50,000 रुपये की धोखाधड़ी होती है और वह शिकायत दर्ज कराता है, तब उस अधिकतम 25,000 रुपये का ही मुआवजा दिया जाएगा।

मुआवजे का भुगतान रिजर्व बैंक, ग्राहक का बैंक और लाभार्थी बैंक मिलकर करने वाले हैं। 29,412 रुपये से कम के नुकसान वाले मामलों में, आरबीआई 65 प्रतिशत, ग्राहक का बैंक 10 प्रतिशत और लाभार्थी बैंक 10 प्रतिशत का योगदान करने वाले हैं। वहीं, 29,412 रुपये से 50,000 रुपये तक के नुकसान के मामलों में, जहां मुआवजा 25,000 रुपये है, आरबीआई 19,118 रुपये, ग्राहक का बैंक 2,941 रुपये और लाभार्थी बैंक 2,941 रुपये का योगदान करेगा। यह पहल डिजिटल लेनदेन में ग्राहकों के विश्वास को मजबूत करने और उन्हें वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष के तौर पर दो साल पूरे

-वीडियो जारी कर गिनाई उपलब्धियां, बोले- हर भारतीय की आवाज संसद तक पहुंचाता रहूंगा

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में दो वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर अपने कार्यकाल के प्रमुख मुद्दों और गतिविधियों को देश के सामने रखा है। उन्होंने कहा, पिछले दो वर्षों में उनका उद्देश्य देश के हर नागरिक की आवाज को संसद तक पहुंचाना रहा है और आगे भी वह जनता से जुड़े मुद्दों को संसद से सड़क तक उठाते रहेंगे। करीब 3 मिनट 29 सेकंड की इस वीडियो क्लिप को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उनका संघर्ष संविधान की रक्षा, युवाओं, किसानों, छात्रों और आम नागरिकों के अधिकारों के लिए लगातार जारी रहेगा। राहुल गांधी ने अपने संदेश में लिखा कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में बीते दो वर्षों का हर दिन जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचाने में बीता है। उन्होंने कहा कि चाहे नीट परीक्षा से जुड़े छात्रों का मुद्दा हो, चुनावी प्रक्रियाओं से जुड़े सवाल हों या संविधान की रक्षा का विषय, उन्होंने हर मोर्चे पर अपनी भूमिका निभाने का प्रयास किया है।

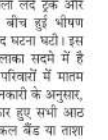

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन को 500 दिन पूर्ण, बौद्ध अनुयायियों ने दिया एकदिवसीय धरना

रैली निकालकर, की जमकर नारेबाजी, सौपा ज्ञापन, बीटीएमसी एक्ट 1949 को समाप्त करने की लगाई गुहार, कहा -बौद्ध समाज को सौंपा जाए महाबोधि मंदिर का प्रबंधन, कमेटी से गैर बौद्धो को भी हटाने की करी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिहार राज्य स्थित बोधगया महाविहार वह स्थल है जिस स्थल में भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।जिसकी वजह से बोधगया महाविहार बौद्ध समुदाय का पवित्र स्थल है और इस स्थल पर नतमस्तक होने के लिए केवल प्रदेश या देश के ही नहीं बल्कि विदेशों तक के लोग व श्रद्धालु यहां आते हैं, लेकिन बौध्यो के इस पवित्र स्थल पर गैर बौध्यो ने अपना कब्जा कर लिया है।जहां महाबोधि मंदिर अधिनियम की आड़ में बोधगया पर अपना कब्जा जमाए लोग बोधगया का गलत इतिहास प्रस्तुत कर रहे हैं और पूजा अर्चना की अलग विधि व पद्धति बता रहे हैं।ऐसा आरोप लगाते हुए पवित्र धार्मिक स्थल बोधगया से गैर बौध्दों का अतिक्रमण हटाने और उक्त पवित्र स्थल को बौद्धों के सुपुर्द किए जाने की मांग, बौद्ध अनुयायियों द्वारा देश भर में पिछले कई वर्षों से की जा रही है।जिसको लेकर शुरू हुए महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन को 500 दिन पूर्ण हो गए है।लेकिन अब तक इसका कोई समाधान नही निकल पाया है जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए बौद्ध अनुयायियों ने कोसमी स्थित त्रिरत्न बौध्द विहार में एकदिवसीय धरना कर जमकर नारेबाजी की।वही एक वाहन रैली निकालकर अंबेडकर चौक में एक ज्ञापन सौपा गया है। जहां सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने बौध्दगया को गैर बौद्धों से मुक्त कर वर्षों से लंबीत उनकी विभिन्न सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।तो वही मांग पूरी न होने पर सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

वर्षों से जारी है महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन

बताया गया कि अपनी इसी मांग को लेकर बोधगया में पिछले कई वर्षों से बौद्ध धर्मगुरुओं द्वारा धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।वही महाविहार मुक्ति आंदोलन को भी 500 दिन पूरे हो चुके हैं जहां बोधगया के धार्मिक स्थल के आधिपत्य को लेकर बौध्य अनुयायियों द्वारा आए दिनों ज्ञापन आंदोलन किए जा रहे है।जिसकी समय समय पर झलक बालाघाट में भी देखने को मिल रही हैं।इसी कड़ी में शुक्रवार को बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने कोसमी स्थित त्रिरत्न बौद्ध विहार में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की, तो वहीं नगर के आम्बेडकर चौक पहुचकर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा है। इसमें उन्होंने उनकी उक्त मांग को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है। बताया गया कि बोधगया को मुक्त करने के लिए आंदोलन, कई वर्षों से चल रहा है जो अभी जारी है।

बौद्धो को सौंपा जाएं अधिपत्य

बिहार राज्य के बौद्ध गया स्थित महाबोधि मंदिर के प्रबंधन को लेकर बौद्ध समुदाय, 1949 में बने बीटीएमसी (बिहार टेंपल मैनेजमेंट कमेटी) को खत्म करने की मांग कर रहा है। बौद्ध अनुयायी मांग कर रहे है, इसके प्रबंधन और कमेटी का सारा दायित्व, बौद्धो को सौंपा जाएं, ताकि यहां बौद्धो के रितिरिवाज और बौद्ध उपदेशो की तरह मंदिर का संचालन हो। बौद्ध अनुयायियो का आरोप है कि गैर बौद्धो के हाथो में मंदिर प्रबंधन होने से, यहां से पाखंड और अंधविश्वास फैलाया जा रहा हैं।उक्त पवित्र स्थल को बौद्धों के सुपुर्द किए जाने की मांग देश भर में लगभग 136 वर्षों से की जा रही है।जो अब तक अधूरी है।सामाजिक लोगों ने इस विषय पर प्रकाश डालते हुए, हर हाल में अपना अधिकार वापस लेकर रहने की बात कही है।

बौध्य् अनुयायियों पर फर्जी मुकदमे दर्ज करती है बिहार सरकार

कोसमी स्थित त्रिरत्न बौद्ध विहार में आयोजित इस एक दिवसीय धरना प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बिहार राज्य की सरकार पर भी कई गम्भीर आरोप लगाए है।जिन्होंने सरकार पर बोधगया स्थित माहबोधी महाविहार मुक्ति आंदोलन को लेकर आवाज बुलंद करने वाले बौद्ध अनुयायियों पर फर्जी मुकदमे दर्ज कराने का भी आरोप लगाया है।जिन्होंने स्पष्ट किया कि वहां की राज्य सरकार बौद्ध धर्म के विरोध में काम कर रही है।महाबोधि महाविहार कि प्रबंधन कमेटी बीटीएमसी एक्ट को समाप्त नहीं किया जा रहा है तो वही इसी एक्ट की आड़ में पवित्र स्थल महाबोधि महाविहार के स्वरूप व वहां की पूजा पद्धति को बदलने का भी प्रयास किया जा रहा है।जिसका विरोध करने वालों के खिलाफ वहां की सरकार फर्जी में मुकदमे दर्ज कर उन्हें परेशान करने का काम कर रही है।प्रदर्शनकारियों ने बौध्य् अनुयायियों पर दर्ज किए गए फर्जी मुकदमों को भी वापस लिए जाने की गुहार लगाई है।

बीटीएमसी एक्ट को समाप्त करे सरकार

बौद्ध अनुयायियो का आरोप है कि गैर बौद्ध, महाबोधी महाविहार प्रबंधन कमेटी है, जबकि अन्य धर्मों के लोगो के धार्मिक स्थल का प्रबंधन, उन्हीं धर्म के लोगो के हाथो में है।इसलिए महाबोधी महाविहार मंदिर का प्रबंधन बौद्धो को सौंपा जाना चाहिए।जिसको लेकर प्रदर्शनकारियों ने बिहार के बौद्ध गया स्थित महाबोधि महाविहार के प्रबंधन को लेकर 1949 में बने बीटीएमसी (बिहार टेंपल मैनेजमेंट कमेटी) को खत्म करने की मांग की है।

इन मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन के बैनर तले आयोजित इस धरना प्रदर्शन, रैली व ज्ञापन में महाबोधि महाविहार को गैर बौद्धो के कब्जे से मुक्त करने, बीटीएमसी एक्ट 1949 को रद्द कर, महाविहार का प्रबधन बौद्धो के हाथों में सौंपे जाने ,महाबोधि आंदोलन के दौरान गिरफ्तार कर, जेल भेजे गए भदंतो व अन्य अनुयायियों पर लगाए गए फर्जी मुकदमों को वापस लेने, बिहार सरकार का इस मामले में हस्तक्षेप समाप्त करने, बौद्धो को स्वतंत्र रूप से अपने धर्म का पालन करने में बाधा उत्पन्न न करने और बिहार राज्य सरकार एवं गयाजी पुलिस द्वारा आंदोलन के दौरान कि जाने वाली द्वेषपूर्ण कार्यवाही को समाप्त करने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई है।

रैली निकालकर सौपा ज्ञापन, बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

उधर धरना प्रदर्शन के बाद शाम को धरना स्थल से एक रैली का आयोजन किया गया, यह रैली अंबेडकर चौक पहुची जहा उन्होंने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, व बिहार सरकार के नाम ज्ञापन सौपते हुए उनकी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।तो वही मांग पूरी न होने पर आगे भी बड़े आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

जिले के समस्त बौद्ध विहारों में आयोजित किया गया धरना प्रदर्शन-विकास खांडेकर

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति अध्यक्ष विकास खांडेकर ने बताया कि महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन के समर्थन में एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन त्रिरत्न बुद्ध विहार कोसमी बालाघाट में आयोजित किया गया है।क्योंकि यह आंदोलन 500 दिनों से लगातार भिक्षु संघ द्वारा बोधगया मे किया जा रहा है।केवल यही नही महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के आह्वान पर विभिन्न बुद्ध विहारों में एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना प्रदर्शन का उद्देश्य महाबोधि महाविहार, बोधगया को पूर्ण रूप से बौद्ध समाज के प्रबंधन एवं नियंत्रण में सौंपने की मांग को लेकर जनजागरण करना तथा देशभर में चल रहे महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन को समर्थन देना रहा। उन्होंने बताया कि बौद्ध विहार में गैर बौध्दों ने अपना कब्जा कर रखा है, पूजा पद्धति विधि सब कुछ बदल के रख दिए हैं, वही उनसे प्रबंधन भी ठीक से नहीं संभाल जा रहा है यहां तक की बोधगया की साफ सफाई तक थाईलैंड सरकार द्वारा कराई जा रही है। वही बौद्ध विहार हमारा पवित्र स्थल है उसका आधिपत्य बौध्दों के हाथों में होना चाहिए,उसी को लेकर पिछले कई वर्षों से लगातार संघर्ष किया जा रहा है,जो अब भी जारी है और आगे भी जारी रहेगा।

तो सड़क पर उतरकर करेंगे बड़ा आंदोलन- रवि पटले

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति संरक्षक रवि पटले ने बताया कि बिहार सरकार हमारी लगातार उपेक्षा कर रही है ,पिछले कई वर्षों के संघर्ष आंदोलन करने के बाद भी हमारी मांगों को सरकार द्वारा अनदेखा किया जा रहा है।आंदोलन करने वालों को तरह-तरह से परेशान करने और फर्जी मुकदमे दायर करने का काम किया जा रहा है।हमारी मांग है कि बोधगया का आधिपत्य गैर बौध्दों को हाथों से लेकर बौध्दों को सौंपा जाए। यहां हमारी विरासत है, हमारा सबसे पवित्र स्थान है और उसपर ही कब्जा जमा कर रखा गया है। बिहार सरकार हमारी सुनवाई नहीं कर रही है। इसीलिए आज यहां एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया, इसके बाद भी यदि सरकार नहीं मानती और बोधगया का आधिपत्य बौध्दों के हाथों में नहीं सौंपा जाता, तो फिर सामाजिक बन्धुओ द्वारा सड़क पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

यौमे आशुरा पर याद किये गए शहीदाने कर्बला, मस्जिदों और घर मे अदा की गई विशेष नमाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हसन हुसैन की शहादत का पर्व मोहर्रम 26 जून शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित देश व पूरी दुनिया में मनाया गया ।जहा पूरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। यौमे आशूरा के नाम से जाने जाने वाले इस खास दिन में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा आशूरा की विशेष नमाज मस्जिदों व घरों में अदा की गईं। इसके अलावा जगह जगह ताजिए निकालकर अखाड़े का आयोजन कर, जगह जगह लंगर ए आम, खिचड़ा, शरबत आदि तक्सीम कर शहीदाने कर्बला को याद किया गया।

जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमो के हुए आयोजन

इस विशेष दिन पर प्रति वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी यौमे आशूरा की पूर्व सन्ध्या पर विभिन्न कार्यक्रमों के जगह जगह आयोजन किए गए।जिसके उपरांत रात्रि में मुस्लिमो ने शहरी कर रोजा रखा।शुक्रवार को मुस्लिम समाज के लोगो ने आज के इस खास दिन में यौमे आशूरा का रोजा रख विशेष इबादत की।नगर की तमाम मस्जिदों में यौमे आशूरा की विशेष नमाज अदा कराई गई।वही सामुहिक दुवाओ का आयोजन किया गया।वही लोगो ने कब्रिस्तान पहुंचकर अपने मरहुमीन और बुजुर्गो को याद किया। वही जगह-जगह लंगर खिचड़ा शरबत वितरण सहित अन्य कार्यक्रम संपन्न कराए गए,इसके अलावा घर घर-शरबद खिचड़ा का वितरण कर शहीदाने करबला को याद किया गया।बताया गया कि,इसी दिन हजरत ईमाम हुसैन की कर्बला में शहादत हुई थी।

इंसानियत को बचाने पेश की थी कुर्बानी

इस्लामिक साल के पहले माह मोहर्रम उर्दू की 10 तारीख को, पूरी दुनिया में यौमे अशुरा के रूप में मनाया जाता है। जिसमें विशेषकर हजरत इमाम हुसैन, उनका परिवार और उनके साथियों, जिन्होंने कर्बला के मैदान में धर्म और इंसानियत को बचाने के लिए अपनी कुर्बानी पेश की थी। जिनकी याद में यौमे अशुरा के दिन खिचड़ा लंगर और शरबत बांटा जाता है वही यतिमो व बेहसहारों की मदद की जाती है।ज्ञात हो कि माहे मोहर्रम की पहली तारीख से शहीदाने कर्बला की याद में मस्जिदों में मिलादो की महफिल, नात ख्वानी, लंगर आदि का आयोजन हजरत ईमाम हुसैन के चाहने वालों द्वारा किया जाता है।इसके अलावा यही आयोजन नगर के विभिन्न चौक चौराहो व मार्गो में देखने को मिला।

मस्जिदों मे बताई गईं दास्ताने कर्बला

मोहर्रम माह की एक तारीख से लेकर 10 तारीख तक शहर की जामा मस्जिद में ईमाम द्वारा धर्मावलंबियों को शहीदाने कर्बला और हजरत ईमाम हुसैन की जीवनी से जुड़ी तकरीर दी गई।जहां आज यौमे आशुरा पर विशेष तौर पर शहीदाने कर्बला पर विशेष तकरीर, विशेष नमाजे आदि की जानकरिया दीं गईं। नगर की विभिन्न मस्जिदो में इमाम हुसैन की शहादत पढ़ी गई। देश में अमन-चैन व खुशहाली की कामना करते हुए पीड़ित लोगों की सेवा का संदेश दिया। जहां इमाम द्वारा शहीदाने करबला की जीवनी से प्रेरणा लेने, उनके बताए मार्ग पर चलने,झूठ फरेब से बचने, ज्यादा से ज्यादा गरीबों की मदद करने, सदका खैरात करने और ईमान की राह पर चलने की नसीहते दीं गईं।

बनाए गए ताजिए

देखा जाये तो मोहर्रम पर्व पर जिले भर में ताजिया बनाने की वर्षो पुरानी परंपरा चली आ रही है। मोहर्रम पर्व पर ताजिया के रूप में हिन्दू-मुस्लिम कौमी एकता की अनूठी मिसाल भी पेश होती हैं, जो आज भी कायम है।मोहर्रम पर्व पर मन्नती ताजिया बनाने का क्रम इस बार भी जारी रहा जहाँ अकीदतों के ताजिये को तैयार कर उन्हें ठंडा किया गया।

त्यौहारो को लेकर पुलिस ने बढाई सुरक्षा व्यवस्था

यौमे आशूरा पर्व व पर्व विशेष पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लेकर नगर में सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम देखने को मिले।जहां मुस्लिम बाहुल्य इलाकों सहित विभिन्न चौक चौराहो व मार्गो में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस कर्मचारी मुस्तेद रहे।जहा शांति पूर्ण तरिके से हर साल की तरह इस साल भी यह पर्व सम्पन्न किया गया।

वारासिवनी सीएमआर चावल घोटाले में एसआईटी का बड़ा एक्शन

सौरभ संचेती के बाद अब पिता गंभीर संचेती पर भी तय हुए आरोप, दोनों फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। बालाघाट के एफसीआई गोदाम से छिंदवाड़ा के बोरगांव स्थित एथेनॉल प्लांट भेजे जाने वाले करोड़ों रुपये के सीएमआर कस्टम मिल्ड राइस चावल घोटाले में विशेष जांच टीम ने एक और बड़ा खुलासा किया है। पुलिस और एसआईटी की जांच जैसे जैसे आगे बढ़ रही है, इस सिंडिकेट से जुड़े मुख्य किरदारों के नाम सामने आने लगे हैं। इस मामले में संचेती राईस मिल के संचालक व मुख्य आरोपी सौरभ संचेती के बाद अब एसआईटी ने उसके पिता गंभीर संचेती को भी इस घोटाले में कथित रूप से बराबर का हिस्सेदार पाते हुए आरोपी बना दिया है। फिलहाल पिता-पुत्र दोनों ही पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहे हैं जिनकी तलाश में पुलिस जगह जगह दबिश दे रही है।

२७ जून तक पुलिस रिमांड पर प्लांट के अधिकारी पूछताछ जारी

इस घोटाले की परतें खोलने के लिए एसआईटी ने एव्हीजे एग्रीको प्रायवेट लिमिटेड एथेनाल प्लांट बोरगांव छिंदवाड़ा के अधिकृत प्रतिनिधि राहुल प्रताप और प्लांट के सुपरवाइजर राकेश श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया था। न्यायालय ने दोनों आरोपियों को २७ जून तक पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। रिमांड अवधि के दौरान पुलिस इन दोनों से बेहद कड़ाई से पूछताछ कर रही है जिससे इस बात का पता लगाया जा सके कि सरकारी चावल को एथेनॉल प्लांट ना भेजकर बीच रास्ते में ही खपाने के इस खेल में और कौन.कौन से बड़े नाम व राइस मिलर्स शामिल हैं।

अब तक ११ ट्रक जब्त चावल रीसाईक्लिंग का बड़ा खेल

पुलिस इस सनसनीखेज मामले में अब तक कुल ११ ट्रकों को जब्त कर चुकी है। इन सभी ट्रकों के मालिकों और चालकों से सघन पूछताछ की जा रही है। जांच अधिकारियों को अंदेशा है कि बालाघाट एफसीआई गोदाम से सरकारी चावल को एथेनॉल प्लांट के नाम पर कागजों में निकाला गया। लेकिन प्लांट पहुंचने से पहले ही इसे संचेती राइस मिल और अन्य ठिकानों पर डंप कर रीसाईक्लिंग यानि पुन: मिलिंग के लिए भेज दिया गया।

यह है पूरा मामला

यह पूरा घोटाला ३ जून की रात को उजागर हुआ था जब छिंदवाड़ा के बोरगांव प्लांट के लिए बालाघाट एफसीआई गोदाम से तीन ट्रक सीएमआर चावल लेकर रवाना हुए थे। मुखबिर की सूचना पर कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने वारासिवनी स्थित संचेती राईस मिल पर औचक कार्यवाही की। वहां टीम ने एक ट्रक को रंगे हाथों पकड़ा जिसमें २४२ क्विंटल सीएमआर चावल लोड था। जब मामले की गहराई से तफ्तीश की गई तो पता चला कि इसके साथ निकले दो अन्य ट्रक एथेनॉल प्लांट पहुंचे ही नहीं थे। लापत्ता हुए दोनों ट्रकों की खोजबीन के दौरान वे सिवनी के भोरकल खापा की एक इंडस्ट्री में खड़े मिले लेकिन उनमें से सरकारी चावल पूरी तरह गायब था। वारासिवनी पुलिस ने उन्हें जब्त किया इसके बाद कड़ाई से की गई जांच में ७ और ऐसे संदिग्ध ट्रकों की पहचान की गई। जिनमें भरा चावल कभी एथेनॉल प्लांट के गेट तक पहुंचा ही नहीं था।

बीएनएस की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज पिता-पुत्र की तलाश तेज

इस संगठित धोखाधड़ी को लेकर वारासिवनी पुलिस ने पूर्व में भारतीय न्याय संहिता की धारा ३१६,३ और ३/५ के तहत अपराध दर्ज किया था। मामले में ट्रक चालक दुर्गेश शेन्द्रे की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी है। अब इस मामले में संचेती राइस मिल के संचालक सौरभ संचेती के साथ साथ उनके पिता गंभीर संचेती पर भी आरोप तय कर उन्हें सह.आरोपी बनाया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार पिता-पुत्र गंभीर संचेती और सौरभ संचेती की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। २७ जून तक मिली रिमांड के दौरान होने वाली पूछताछ में इस मामले में कुछ और चौंकाने वाले खुलासे होने की उम्मीद है।

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 94251 38670

ललित बाघरेचा 9424765679

विशेष पिछड़ी जनजातियों के वनरक्षक पद भर्ती प्रक्रिया का पैदल चाल परीक्षण सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए वनरक्षक पदों पर सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत वन वृत्त बालाघाट के नोडल कार्यालय दक्षिण सामान्य वनमण्डल, बालाघाट द्वारा भर्ती की निर्धारित कार्यवाही संपन्न की गई।

भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 4314 ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे। आवेदन पत्रों के परीक्षण के उपरांत पात्र पाए गए 175 अभ्यर्थियों को अभिलेख परीक्षण, शारीरिक माप एवं पैदल चाल परीक्षा के लिए कॉल लेटर जारी किए गए।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 जून 2026 को वन क्षेत्रपाल महाविद्यालय परिसर, बालाघाट में अभिलेख परीक्षण एवं शारीरिक माप का आयोजन किया गया, जिसमें 51 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। इसके बाद 23 जून 2026 को प्रात: 5:30 बजे से 9:30 बजे तक वन क्षेत्रपाल महाविद्यालय परिसर में पैदल चाल परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में कुल 47 अभ्यर्थियों ने भाग लिया और सभी ने सफलतापूर्वक निर्धारित पैदल चाल पूरी की। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया शासन के निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं पारदर्शी व्यवस्था के अनुरूप संपन्न कराई जा रही है। आगामी चरणों की कार्यवाही भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पूरी की जाएगी।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

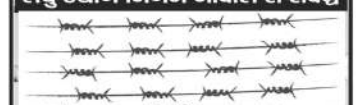

—निर्माता—

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

सेवन ए साइड हॉकी टूर्नामेंट का हुआ समापन, वीशू स्ट्राइकर बनी विजेता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय स्थित चंद्रशेखर आजाद एस्टोटर्फ मैदान में जिला हॉकी संघ द्वारा आयोजित सेवन ए साइड हॉकी टूर्नामेंट का समापन 26 जून दिन शुक्रवार को फाइनल मैच के साथ किया

गया।टूर्नामेंट का फाइनल मैच चाहत टाइगर बनाम वीशू स्ट्राइकर के बीच खेला गया। इसमें वीशू स्ट्राइकर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 7-2 गोल से विजयी होकर टूर्नामेंट की विजेता बनी। टूर्नामेंट के समापन पर विजेता व उपविजेता टीम को उपस्थित अतिथियों के हाथों ट्राफी व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।फाइनल मैच के दौरान प्रमुख रूप से नेहरू स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, हॉकी बालाघाट के सचिव विजय वर्मा, संरक्षक पूरनसिंह भाटिया, राधेलाल दवने, सुशील वर्मा, मौलिक त्रिवेदी ,उपाध्यक्ष सुशील वर्मा, सहसचिव मकरंद अंधारे, कोषाध्यक्ष तुषार मानकर, राजेश सेवईवार, रमेश उके, गोपाल धुर्वे, रमेश इंगले, सत्यम वर्मा, हॉकी प्रशिक्षक दिव्या मोहारे, छाया सौलखे, सोनल बर्डे सहित हॉकी संघ के अन्य पदाधिकारी सदस्य व खिलाड़ी प्रमुख रूप अन्य उपस्थित रहे।

खेल में सुधार एवं हॉकी के प्रति रूचि बढ़ाना ही प्रतियोगिता का उद्देश्य- किरण भाई

इस दौरान नेहरू स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरणभाई त्रिवेदी ने कहा कि सेवन ए साइड प्रतियोगिता का आयोजन 14 जून से किया गया था। इसमें स्थानीय स्तर की 8 टीमों ने हिस्सा लेकर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया।उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट का उद्देश्य बच्चों के खेलों में सुधार करना व उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना है। जिले में हॉकी के प्रति लोगों की रूचि बढ़ते जा रही है। हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि जिले के खिलाड़ी बेहतर खेल का प्रदर्शन कर स्टेट व राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचकर अपना व जिले का नाम रोशन करें।

आगे भी हॉकी के टूर्नामेंट कराए जाएंगे -वर्मा

इस संबंध में हॉकी बालाघाट के सचिव विजय वर्मा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सेवन ए साइड टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। भविष्य में बच्चे अच्छा खेल का प्रदर्शन करें इस मंशा से इस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। आगामी दिनों में भी हॉकी के टूर्नामेंट कराए जाएगे। उन्होंने सभी खिलाडियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नाला निर्माण में टूटी पाइपलाइन, तीन दिन से पेयजल संकट में फंसे दो वार्ड

वार्ड 22 और 27 के कई घरों में नहीं पहुंचा पानी, पार्षद बोले- ठेकेदारों की लापरवाही से हर बार बिगड़ती है व्यवस्था

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर में विकास कार्यों के बीच एक बार फिर निर्माण कार्य की लापरवाही का खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। नगर पालिका द्वारा गोंदिया रोड स्थित कृष्णा डेयरी के समीप कराए जा रहे नाला निर्माण कार्य के दौरान जेसीबी मशीन से खुदाई करते समय नगर पालिका की मुख्य पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। पाइपलाइन टूटने के कारण वार्ड क्रमांक 22 और वार्ड क्रमांक 27 के कई मोहल्लों में पिछले तीन दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बंद है। भीषण गर्मी और उमस के बीच लोगों के घरों के नल सूख चुके हैं और कई परिवार पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। नगर पालिका द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में टैंकर भेजे जा रहे हैं, लेकिन वह भी लोगों की आवश्यकता पूरी करने में पर्याप्त साबित नहीं हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि नगर पालिका द्वारा शहर में बारिश के पानी की बेहतर निकासी के लिए विभिन्न स्थानों पर नाला निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसी क्रम में कृष्णा डेयरी के पास नाले की खुदाई का काम चल रहा था। निर्माण एजेंसी द्वारा जेसीबी मशीन से खुदाई के दौरान भूमिगत पेयजल पाइपलाइन का सही आकलन नहीं किया गया और मशीन की चपेट में आने से मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। पाइपलाइन टूटते ही संबंधित क्षेत्र की जलापूर्ति बंद करनी पड़ी, जिसके बाद वार्ड क्रमांक 22 और 27 के कई मोहल्लों में पानी पहुंचना पूरी तरह बंद हो गया।

तीन दिन बीत जाने के बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हो सकी है। लोगों का कहना है कि सुबह निर्धारित समय पर नलों में पानी आने की उम्मीद रहती है, लेकिन लगातार तीसरे दिन भी पानी नहीं आने से उनकी परेशानी बढ़ गई है। कई परिवारों को पीने के पानी के लिए दूसरे मोहल्लों से पानी लाना पड़ रहा है, जबकि कुछ लोगों को निजी टैंकरों का सहारा लेना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को हो रही है, जिन्हें दैनिक जरूरतों के लिए भी पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद आशुतोष ने बताया कि पाइपलाइन टूटने के बाद से लगातार वार्डवासियों के फोन उनके पास आ रहे हैं। लोग पेयजल संकट को लेकर नाराजगी जता रहे हैं और जल्द समाधान की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब नगर पालिका के निर्माण कार्य के दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हुई हो। इससे पहले भी नाला निर्माण के दौरान इसी प्रकार की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन उनसे कोई सबक नहीं लिया गया। हर बार निर्माण एजेंसी की लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब भी जेसीबी मशीन से खुदाई की जाती है, तब नगर पालिका के जलप्रदाय विभाग के तकनीकी कर्मचारियों की मौके पर उपस्थिति अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि भूमिगत पाइपलाइन की सही स्थिति की जानकारी रहते हुए खुदाई का कार्य किया जा सके। यदि ऐसा किया जाए तो इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सकता है। उन्होंने यह भी मांग की कि निर्माण कार्य के दौरान यदि किसी ठेकेदार की लापरवाही से पाइपलाइन या अन्य शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचता है तो उसकी भरपाई संबंधित ठेकेदार से कराई जानी चाहिए। इससे भविष्य में निर्माण एजेंसियां अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगी।वार्ड क्रमांक 22 के पार्षद मनीष नेमा ने भी स्वीकार किया कि पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से वार्ड के कई क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बाधित हुई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में नगर पालिका अधिकारियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है। विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य तेजी से कराया जा रहा है और संभावना है कि 26 जून की देर शाम तक मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। यदि कोई नई तकनीकी समस्या नहीं आती है तो 27 जून से प्रभावित क्षेत्रों में नियमित जलापूर्ति फिर से शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जब तक पाइपलाइन पूरी तरह दुरुस्त नहीं हो जाती, तब तक नगर पालिका द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में पानी के टैंकर भेजे जा रहे हैं, ताकि लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। हालांकि उन्होंने माना कि टैंकरों से सभी लोगों की आवश्यकता पूरी करना आसान नहीं है, लेकिन फिलहाल यही वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर में विकास कार्य होना आवश्यक है, लेकिन यदि निर्माण कार्यों के दौरान मूलभूत सुविधाएं ही प्रभावित हो जाएं तो विकास का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। लोगों का कहना है कि किसी भी निर्माण कार्य को शुरू करने से पहले संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर भूमिगत पाइपलाइन, बिजली केबल और अन्य आवश्यक सेवाओं का तकनीकी सर्वे कराया जाना चाहिए, ताकि इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में भी नगर पालिका के निर्माण कार्यों के दौरान कई स्थानों पर पाइपलाइन और अन्य सुविधाओं को नुकसान पहुंचने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद निर्माण कार्यों की निगरानी और तकनीकी समन्वय में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है। इस कारण हर बार आम नागरिकों को ही परेशानी का सामना करना पड़ता है।

लखनऊ अग्निकांड के बाद शहर में सुरक्षा अलर्ट, कोचिंग संस्थानों की जांच हुई शुरू

तीन कोचिंग सेंटरों का किया गया निरीक्षण, कई जगह मिली सुरक्षा संबंधी खामियां, एक सप्ताह में सुधार के निर्देश, शहर में संचालित कोचिंग संस्थानों का रिकॉर्ड नहीं होना भी बना गंभीर सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे देश में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना के बाद बालाघाट जिला प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। जिले में संचालित निजी कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा मानकों की वास्तविक स्थिति जानने और संभावित हादसों की रोकथाम के उद्देश्य से प्रशासन ने विशेष जांच अभियान शुरू कर दिया है। शुक्रवार को एसडीएम गोपाल सोनी के नेतृत्व में तहसीलदार एवं राजस्व अधिकारियों की टीम ने शहर के तीन प्रमुख कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया। जांच के दौरान कुछ संस्थानों में सुरक्षा इंतजाम संतोषजनक पाए गए, जबकि कई स्थानों पर गंभीर खामियां सामने आईं। प्रशासन ने संबंधित संचालकों को एक सप्ताह के भीतर सभी कमियां दूर करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कोचिंग संस्थानों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, आपातकालीन निकासी मार्ग, भवन की संरचना, विद्युत सुरक्षा, विद्यार्थियों की क्षमता के अनुरूप व्यवस्थाएं तथा किसी भी आपदा की स्थिति में सुरक्षित निकासी के इंतजामों की विस्तार से जांच की। प्रशासन का कहना है कि कोचिंग संस्थानों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन के लिए पहुंचते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा मानकों से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

निरीक्षण दल में शामिल नायब तहसीलदार मंजुलता महोबिया ने बताया कि जांच के दौरान एक कोचिंग संस्थान में सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं पूरी तरह संतोषजनक मिलीं। वहां अग्निशमन यंत्र कार्यशील स्थिति में थे, भवन में पर्याप्त निकासी मार्ग मौजूद था तथा आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी उपलब्ध थीं। वहीं दूसरे संस्थान में अग्निशमन यंत्र तो लगाए गए थे, लेकिन वैकल्पिक निकासी द्वार बंद रखा गया था। अधिकारियों ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए संचालक को तत्काल निकासी मार्ग खोलने और उसे हमेशा उपयोग योग्य रखने के निर्देश दिए। इसी प्रकार तीसरे कोचिंग संस्थान में भी अग्निशमन यंत्र उपलब्ध पाए गए, जिन्हें हाल ही में रिफिल कराया गया था। हालांकि यहां वैकल्पिक निकासी मार्ग जर्जर स्थिति में मिला और उसके

सामने कूलर रखकर रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में ऐसा अवरोध बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। इसलिए संचालक को तत्काल निकासी मार्ग साफ कर उसे सुरक्षित एवं उपयोग योग्य बनाने के निर्देश दिए गए। प्रशासन द्वारा संकल्प ऑक्सीजन, भोपाल एकेडमी और लक्ष्य एकेडमी सहित तीन कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिन संस्थानों में कमियां पाई गई हैं, उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं दुरुस्त करनी होंगी। इसके बाद पुन: निरीक्षण किया जाएगा और यदि निर्देशों का पालन नहीं पाया गया तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई भी की जा सकती है। हालांकि इस जांच अभियान के दौरान एक और गंभीर तथ्य सामने आया है, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार न तो जिला प्रशासन और न ही नगर पालिका के पास शहर में संचालित निजी कोचिंग संस्थानों का कोई समग्र एवं प्रमाणिक रिकॉर्ड उपलब्ध है। शहर में कितने कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं, कितने पंजीकृत हैं, कितनों के पास अग्निशमन विभाग की स्वीकृति है और कितने संस्थानों ने सुरक्षा मानकों का पालन किया है, इसकी स्पष्ट जानकारी किसी भी विभाग के पास उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब प्रशासन के पास संस्थानों की पूरी सूची ही नहीं है तो व्यापक स्तर पर निरीक्षण अभियान कैसे संचालित किया जाएगा। शहर में बड़ी संख्या में ऐसे निजी कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं जो पुराने और जर्जर भवनों में चल रहे हैं। कई संस्थानों में छोटे-छोटे कमरों में क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को बैठाकर पढ़ाई कराई जाती है। कुछ भवनों में पर्याप्त वेंटिलेशन तक उपलब्ध नहीं है, जबकि कई स्थानों पर बाहर निकलने के लिए केवल संकरी सीढ़ियां या संकरी गलियां ही हैं। यदि ऐसी स्थिति में आग लगने जैसी कोई दुर्घटना हो जाए तो विद्यार्थियों के सुरक्षित बाहर निकलना बेहद कठिन हो सकता है। यही कारण है कि लखनऊ जैसी घटनाओं के बाद अब ऐसे भवनों की सुरक्षा को लेकर चिंता और अधिक बढ़ गई है। केवल अग्निशमन यंत्र लगा देना ही सुरक्षा का पर्याप्त उपाय नहीं है। नियमित मॉक ड्रिल, आपातकालीन निकासी योजना, प्रशिक्षित स्टाफ, भवन की संरचनात्मक मजबूती, विद्युत सुरक्षा और विद्यार्थियों को आपदा के समय सुरक्षित बाहर निकलने का प्रशिक्षण भी उतना ही आवश्यक है। यदि इन पहलुओं की अनदेखी की गई तो भविष्य में कोई भी छोटी लापरवाही बड़े हादसे का रूप ले सकती है।

कोचिंग संस्थानों का समुचित रिकॉर्ड नहीं हैं

नगर पालिका और जिला प्रशासन के पास कोचिंग संस्थानों का समुचित रिकॉर्ड नहीं होना भी प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था की बड़ी कमजोरी मानी जा रही है। यदि संबंधित विभागों के पास यह जानकारी ही उपलब्ध नहीं होगी कि शहर में कितने कोचिंग सेंटर संचालित हैं, तो उनकी नियमित मॉनिटरिंग और सुरक्षा ऑडिट भी प्रभावी ढंग से नहीं हो सकेगा। जिला प्रशासन ने निरीक्षण अभियान की शुरुआत कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीरता दिखाई है, लेकिन आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह अभियान केवल औपचारिकता तक सीमित रहता है या फिर जिले के प्रत्येक कोचिंग संस्थान में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कर विद्यार्थियों की सुरक्षा को वास्तव में प्राथमिकता दी जाती है। लखनऊ की दर्दनाक घटना के बाद बालाघाट में शुरू हुई यह कार्रवाई निश्चित रूप से समय की मांग है, लेकिन इसकी सफलता व्यापक, पारदर्शी और निरंतर निगरानी पर ही निर्भर करेगी।

व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूर्ववत सुचारु रूप से जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में व्यावसायिक (कमर्शियल) गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अब पूर्ववत एवं सुचारु रूप से जारी रहेगी। जिला आपूर्ति अधिकारी संत कुमार भलावी ने बताया कि 25 जून 2026 को मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन की समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के उपयोग एवं आपूर्ति के संबंध में पूर्व में जारी आदेश को विलोपित (निरस्त) कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि आदेश निरस्त होने के बाद जिले की सभी अधिकृत गैस एजेंसियां नियमानुसार व्यावसायिक उपभोक्ताओं को कमर्शियल गैस सिलेंडरों का वितरण पूर्व की भांति करती रहेंगी। इससे होटल, रेस्टोरेंट, भोजनालय, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य व्यावसायिक उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री भलावी ने जिले के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, होटल, रेस्टोरेंट एवं अन्य कमर्शियल गैस उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे केवल अधिकृत गैस एजेंसियों से ही गैस सिलेंडर प्राप्त करें। यदि किसी उपभोक्ता को गैस आपूर्ति संबंधी कोई असुविधा होती है तो वे संबंधित गैस एजेंसी अथवा जिला आपूर्ति कार्यालय, बालाघाट से संपर्क कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुरूप जिले में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की निर्बाध एवं नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, जिससे व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित न हों और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके।

अमनो अमान के पैगाम के साथ निकला गया शाही संदल, दरगाह मे पेश की गई चादर

पूर्ण अकीदतो के साथ मनाया जा रहा हजरत हक्कू शाह बाबा का 222वा सालाना उर्स

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हर साल की तरह इस साल भी सैय्यद अलहाज अब्दुल हकीम उर्फ हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती का सालाना उर्स पूर्ण अकीदतो, हर्षोल्लास और विधि विधान के साथ मनाया जा रहा हैं ।बाबा के इस सालाना उर्स मुबारक पर उर्स कमेटी द्वारा मेन रोड स्थित

आस्ताना ए औलिया दरबार को दुल्हन की तरह सजाकर रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं. जहां हर साल की तरह इस साल भी रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर 29 जुलाई की रात कव्वाली व कुल शरीफ की फातिहा के बाद उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा ।इसी क ?ी मे हजरत हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती के 222 वे सालाना उर्स मुबारक पर हर साल की तरह इस साल भी अमनो अमान के पैगाम के साथ दरगाह शरीफ से शाही संदल निकला गया ।जो काली पुतली चौक से- बस स्टैंड, रानी अवंती बाई चौक, वहा से बैहर रोड रजा नगर, वार्ड नंबर 10 इमामबाड़ा पहुंचा, जहाँ से अलम और चादर के साथ शाही संदल अंजुमन शादी हॉल से बैहर चौकी, वहां से देवी तालाब रोड सहित नगर के विभिन्न मार्गों का गस्त करता हुआ वापस मेन रोड से दरबार शरीफ पहुंचा ।जहां बाबा को अलम व चादर पेश की गई ।जिसमे उपस्थितजनो ने बाबा के आस्ताने मे अकीदतों के फूल चादर पेश कर देश व पूरी दुनिया मे अमन चैन शांति, आपसी भाईचारे, मुल्क की तरक्की और अमनो अमान की मन्नते मांगी।

शाही संदल में पेश किया गया अखाड़े के हुनर

आपको बताएं कि हजरत हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती के 222 वे सालाना उर्स मुबारक पर हर साल की तरह इस साल भी रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे है ।21 से 29 जून तक चलने वाले इस सालाना उर्स मुबारक की शुरुवात 21 जून की सुबह मजार शरीफ का गुसल व परचम कुशाई के साथ की गई ।वहीं 23जून को हजरत इमाम हुसैन रजी. के मुए मुबारक का दीदार कराया गया ।इसी क्रम मे 25 जून को सुबह 10 बजे कुरान ख्वानी व मिलाद शरीफ का आयोजन हुआ, तो वही शुक्रवार 26 जून की सुबहा यादे हुसैना मनाया गया। वही दोपहर में उर्स मुबारक पर शाही संदल नगर का गस्त करता हुआ दरगाह शरीफ पहुँचा ।जहा अमनो आमान की सामुहिक दुवाओ के अलावा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कराए गए। उधर इस शाही संदल में उपस्थित बच्चे से लेकर युवा वर्ग संदल के सामने अखाड़े का हुनर पेश करते हुए नजर आए।

लंगर ए आम व कव्वाली के आयोजन के साथ उर्स का होगा समापन

सैय्यद अलहाज अब्दुल हकीम उर्फ हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती के 222 वे सालाना उर्स मुबारक पर मेन रोड स्थित आस्ताना ए औलिया दरबार को रंग रोगन कर, रंग बिरंगी लाइट, आकर्षक डेकोरेशन लगाकर दरगाह शरीफ को फूलों से सजाया गया हैं.जहाँ उर्स कमेटी व दरबार कमेटी द्वारा उर्स मुबारक पर रोजाना विभिन्न कार्यक्रमो के आयोजन किए जा रहे हैं.जो 29 जून तक किए जाएंगे.जहां 29 जून की रात कव्वाली, तो उसके बाद कुल शरीफ की फातिहा का आयोजन कर उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा ।इसी तरह 28 जून रविवार की शाम को फूलों का नजराना पेश कर दरगाह शरीफ में चादर चढ़ाई जाएगी ।वही शाम को लंगर ए आम का आयोजन होगा ।29 जून को कुल शरीफ की फातिहा, रंग महफिल कार्यक्रम होगा ।जहा उर्स ए मुबारक पर अजीमो शान कव्वाली का आयोजन होगा.जिसमें देश व दुनिया के मशहूर कव्वाल सब्बू शादब साबरी करियर शरीफ उत्तराखंड / और शफ़ीज़ शावेज वारसी देवा शरीफ यू पी से तशरीफ़ ला रहे है ।अपने फन में माहिर ये दोनों कव्वाल देर रात तक अपने चुनिंदा शेर और कव्वाली पेश करते नजर आएंगे ।जिसके बाद देश में अमन चैन शांति और अमनो अमान की सामूहिक दुवाओ के साथ उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा ।बाबा के इस सालाना उर्स मुबारक पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियां उर्स व दरबार कमेटी द्वारा पूर्ण कर ली गई है ।हज़रत हक्कू शाह बाबा दरबार ए खुद्दाम एवम् कमेटी ने तामाम अक़ीदतमंदो व बाबा के चाहने वालों से उर्स ए मुबारक व तमाम आयोजनों में शामिल होने की गुज़ारिश की है।

आस-पास की खबरें

6 वर्षीय मासूम बच्ची के लिए युवक ने निःस्वार्थ भाव से किया रक्तदान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र में निःस्वार्थ सेवा भाव की एक अनूठी मिसाल सामने आई है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) बजरंग दल प्रखंड लालबर्रा के संयोजक दिशु तिवारी के मार्गदर्शन में जनपद

पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोपे निवासी नारायण/कमलेश ठाकरे ने एक 6 वर्षीय गंभीर मासूम बच्ची के लिए रक्तदान कर उसे नया जीवनदान दिया है। युवक के इस सेवा कार्य की क्षेत्र में हर कोई सराहना कर रहा है। चर्चा में विहिप बजरंग दल प्रखंड संयोजक दिशु तिवारी ने बताया कि उन्हें टेकाड़ी (लो.) निवासी जागेश्वर/अन्जू बिसेने के माध्यम से एक अत्यंत संवेदनशील जानकारी प्राप्त हुई थी। जिसमें उन्होने बताया कि शासकीय अस्पताल बालाघाट में वारासिवनी निवासी रवि कनोजे की 6 वर्षीय पुत्री प्रीत कनोजे भर्ती है, जिसके शरीर में महज 3 ग्राम रक्त बचा है और रक्त की भारी कमी के कारण मासूम बच्ची की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है और उसे तत्काल रक्त की आवश्यकता है। जिसके बाद बच्ची की नाजुक स्थिति को देखते हुए दिशु तिवारी ने बिना समय गंवाये तुरंत रक्तदाताओं से संपर्क साधना शुरू किया। इस पुनीत और जीवन रक्षक कार्य के लिए ग्राम कोपे निवासी नारायण/कमलेश ठाकरे ने तत्काल तत्परता दिखाई और वे तत्काल शासकीय अस्पताल बालाघाट पहुंचे और मासूम बच्ची के लिए रक्तदान किया। वहीं नारायण ठाकरे द्वारा समय पर किये गये इस रक्तदान से मासूम बच्ची के शरीर में रक्त की कमी दूर होगी और वह जल्द स्वस्थ होकर अपने घर लौटेगी। संकट की इस घड़ी में आगे आकर उन्होंने मानवता का सच्चा धर्म निभाया है, जिसके लिए विहिप बजरंग दल लालबर्रा उनका आभार व्यक्त करता है। वहीं युवक के इस त्वरित और निःस्वार्थ कदम ने न केवल एक मासूम की जान बचाई है, बल्कि समाज में रक्तदान के महत्व और इंसानियत का एक बड़ा संदेश भी दिया है।

पनबिहरी से चिचगांव पहुंच मार्ग का खस्ताहाल, आवागमन में हो रही परेशानी

ग्रामीण एवं राहगीरों ने डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग, अनदेखी से आक्रोश

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी से चिचगांव पहुंच मार्ग के अत्यंत खराब होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण आये दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। सबसे बदतर स्थिति बरसात के दिनों में होती है, क्योंकि यह मार्ग कच्चा है। इसके बावजूद लालबर्रा मुख्यालय तक कम दुरी और सीधा मार्ग होने के कारण चिचगांव, खैरगोंदी सहित आधा दर्जन गांवों के ग्रामीणजन, राहगीर और स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राएं इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा सड़क की इस बदहाली की ओर ध्यान नही दिये जाने से ग्रामीणों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

बारिश में कीचड़ से बदतर होते हैं हालात, जिम्मेदार मौन

आपको बता दें कि ग्राम पंचायत पनबिहरी से चिचगांव पहुंचने के लिए यह सीधा मार्ग है और इस मार्ग से स्कूल, कालेज के छात्र-छात्राओं के साथ ही ग्रामीणजन भी इसी मार्ग से लालबर्रा मुख्यालय आना-जाना करते है परन्तु मार्ग का खस्ताहाल होने के कारण आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कच्चा मार्ग होने के कारण बरसात के दिनों में यह मार्ग कीचड़नुमा हो जाने से आने-जाने वाले ग्रामीण एवं स्कूल-कालेज के छात्र-छात्राओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और मार्ग में बने गड्ढों में पानी जमा होने से स्कूल-कालेज के छात्र-छात्राओं की यूनिफार्म गंदी होने के साथ ही साइकिल के पार्टस भी खराब हो जाते है जिससे वे समय पर स्कूल-कालेज नही पहुंचने पर उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होती है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस क'चा मार्ग का पक्का निर्माण के लिए कोई प्रयास नही किये जा रहे है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि पनबिहरी से चिचगांव पहुंचने का यह मुख्य और सीधा रास्ता है। कच्चा मार्ग होने के कारण बारिश के दिनों में यह पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाता है। गड्ढों में पानी भरे होने से साइकिल और दुपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल होते है। साथ ही मार्ग के दोनों ओर घनी झाड़ियां होने से वन्यप्राणियों के छुपे रहने का भी डर बना रहता है और सबसे अधिक परेशानी स्कूल व कालेज में पढ़ाई करने आने वाले विद्यार्थियों को उठानी पड़ती है। कीचड़ और गंदे पानी के छींटों से बच्चों की यूनिफॉर्म खराब हो जाती है, साथ ही समय पर स्कूल-कॉलेज न पहुंच पाने के कारण उनकी पढ़ाई पर भी इसका सीधा असर पड़ रहा है।

नेताओं और अधिकारियों को कई बार दी सूचना, सिर्फ मिला आश्वासन

क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि इस सड़क की समस्या को लेकर कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करवा चुके हैं तथा डामरीकरण सड़क निर्माण की मांग भी कर चुके हैं। इसके बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों एवं राहगीरों ने एक बार फिर शासन-प्रशासन से गुहार लगाई है कि जनहित को देखते हुए पनबिहरी से चिचगांव पहुंच मार्ग का जल्द से जल्द डामरीकरण (पक्की सड़क) निर्माण करवाये। ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

मार्ग में बने गड्ढे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण - पटले

उरकुड पटले ने बताया कि पनबिहरी से चिचगांव, टेकाड़ी, साल्हे ला. सहित अन्य ग्रामों में पहुंचने का यह सीधा मार्ग है परन्तु कच्चा मार्ग है और लंबे समय से इस मार्ग का मरम्मत कार्य भी नही करवाया गया है और बारिश होने के बाद मार्ग में बने गड्ढों में पानी जमा होने एवं कीचड़ के कारण आने-जाने वाले ग्रामीण व कालेज एवं स्कूल पढ़ाई करने छात्र-छात्राओं को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही यह भी बताया कि लालबर्रा मुख्यालय आने का सीधा एवं कम दुरी वाला मार्ग है इसलिए इस मार्ग का आवागमन अधिक होता है परन्तु मार्ग में बने गड्ढे दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे है एवं छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं भी घटित होती है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि मार्ग का जल्द डामरीकरण निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

रमपुरी के होनहार युवा मनीष हल्लोमारे का भारतीय सेना में चयन, क्षेत्र में हर्ष का माहौल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों से प्रतिभाएं निकलकर लगातार देश और प्रदेश में नाम रोशन कर रहा हैं। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम रमपुरी के एक साधारण परिवार के होनहार युवा मनीष हल्लोमारे ने अपनी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की बदौलत भारतीय सेना को प्रतिष्ठित 'अग्निवीर' योजना में चयन पाकर पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। मनीष के सेना में चुने जाने की खबर मिलते ही उनके गृह ग्राम रमपुरी सहित आसपास के क्षेत्रों में हर्ष की लहर व्याप्त हो गई है। वहीं शारीरिक दक्षता और लिखित परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मनीष हल्लोमारे शुरू से ही अनुशासित और देश सेवा के प्रति समर्पित रहे हैं। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता पर उनके दादाजी हरिचंद हल्लोमारे, पिताश्री देवराम हल्लोमारे, माता श्रीमती रेखा हल्लोमारे और भाई राहुल हल्लोमारे सहित समस्त परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ईश्वर का आभार माना है। परिजनों का कहना है कि यह मनीष के कठिन परिश्रम, लगन और देशभक्ति की भावना का ही प्रतिफल है कि आज उनका चयन देश की अग्निम रक्षा पंक्ति के लिए हुआ है। मनीष की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार का सिर ऊंचा हुआ है, बल्कि गांव के अन्य युवाओं को भी देश सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिली है। मनीष हल्लोमारे का सेना में चयन पर गणमान्य नागरिकों, रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों ने उनके निवास पहुंचकर परिजनों को मिठाई खिलाई और बधाई संदेश प्रेषित कर सभी ने मनीष के उज्जवल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और सफल सैन्य जीवन की कामना करते हुए उम्मीद जताई है कि वे भारतीय सेना में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर क्षेत्र व राष्ट्र का नाम रोशन करेंगे।

यौमे आशूरा पर अमोली और लालबर्रा में इमाम हुसैन की कुर्बानी को किया गया याद

देश में अमन-चैन और भाईचारे की दुआओं के साथ लंगर, शरबत का हुआ वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। इस्लामिक नववर्ष की शुरूआत के बाद शुक्रवार को 10 मोहर्रम (यौमे आशूरा) के अवसर पर लालबर्रा से लगे ग्राम अमोली एवं लालबर्रा-सिवनी हाईवे मार्ग स्थित हजरत सैयद सफीक अली शाह रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह शरीफ में ब्रम्हा, अकीदत और धार्मिक वातावरण के बीच विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर पूरे दिन इमाम-ए-आली मकाम हजरत इमाम हुसैन रजयिल्लाहु तआला अन्हु और शहीदाने कर्बला की याद में इबादत, दुआ, सलाती-सलाम, लंगर और शरबत वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज सहित अन्य धर्मों के लोग उपस्थित रहे और सामाजिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

मोहर्रम पर हुए विभिन्न कार्यक्रम

मोहर्रम (यौमे आशूरा) पर्व के अवसर पर नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित रजा मस्जिद में प्रात: 9 बजे मुस्लिम समाज के लोगों ने दो-दो रकअत नफ्ल नमाज़ अदा की। जिसके पश्चात मस्जिद के इमाम हाजी हाफिज वकारी इशाद अहमद खान ने दुआ-ए-आशूरा पढ़ाई तथा देश की खुशहाली, अमन-चैन, आपसी सौहार्द, भाईचारे और समस्त मानवता की सलामती के लिए विशेष दुआ करवाई। वहीं उपस्थित अकीदतमंदों ने सलाती-सलाम पेश कर हजरत इमाम हुसैन और शहीदाने कर्बला को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी लोगों को शरबत वितरित किया गया। जिसके बाद दोपहर 3 बजे लालबर्रा से सिवनी हाईवे मार्ग स्थित मजार के समीप हजरत सैयद सफीक अली शाह रमतुल्लाह अलैह की दरगाह शरीफ में राहगीरों एवं आमजन के लिए लंगर और ठंडे शरबत की व्यवस्था की गई। तेज गर्मी के बीच सैकड़ों राहगीरों ने शरबत ग्रहण किया तथा लंगर में शामिल होकर इंसानियत और सेवा की इस परंपरा की सराहना की। इस दौरान उपस्थित लोगों को हजरत इमाम हुसैन रजयिल्लाहु तआला अन्हु की शहादत, कर्बला की ऐतिहासिक घटना तथा सत्य, न्याय, सब्र, त्याग और इंसानियत की रक्षा के लिए दी गई, उनकी महान कुर्बानी के बारे में विस्तार से बताया गया। वहीं वक्ताओं ने कहा कि इमाम हुसैन का संदेश आज भी पूरी दुनिया को अन्याय के विरूध्द डटकर खड़े होने तथा सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। यह आयोजन सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति, रजा मस्जिद अमोली से जुड़े नौजवान साथियों एवं विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कमेटियों के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ। आयोजन समिति के अध्यक्ष सलमान कुरैशी ने कहा कि यौमे आशूरा हमें सत्य, इंसाफ, सब्र, त्याग, मानव सेवा और भाईचारे का संदेश देता है। हजरत इमाम हुसैन की शहादत पूरी इंसानियत के लिए एक ऐसी मिसाल है, जो हर दौर में जुल्म के खिलाफ आवाज़ उठाने और हक का साथ देने की प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति आगे भी समाज सेवा, मानवता की भलाई और सामाजिक सद्भाव के ऐसे कार्य निरंतर करती रहेगी। मोहम्मद जीशान हन्फी ने बताया कि माहे मोहर्रम (यौमे आशूरा) के अवसर पर लंगर शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया और इस अवसर पर सुबह से विभिन्न कार्यक्रम संपन्न हुए। साथ ही मस्जिद में दुआ पढ़ी गई उसके बाद तमाम नीजवानों की मदद से लंगर का आयोजन हुआ। साथ ही यह भी बताया कि इमाम हुसैन ने इस्लाम को बचाने के लिए अपना सर झुका दिया परंतु इस्लाम को झुकने नहीं दिया उसके बाद से इस्लाम का प्रचार हुआ और वह तेजी से आगे बढ़ा। उन्हीं की याद में यह मोहर्रम का त्यौहार हम सभी के द्वारा बेहद ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस आयोजन के दौरान स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन का भी सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति के सचिव वासित खान के नेतृत्व में नावेद खान, जुनैद चिश्ती, आमिर कुरैशी, तस्लीम कुरैशी, कामिल कुरैशी, जुबैर खान, अहफाज खान, मतीन रजा, जैनुल हक, मोबीन कादरी, सिराज खान, आशिक बाबा, आदिल इक्का, रियाज अली, नफीस सिद्दीकी, तस्लीम (टस्सू) खान, फैजान यासिनी, अस्लीम कुरैशी, आरिफ रंगरेज़, मोहसिन कुरैशी, अनस खान, असद खान, सरफराज खान, जिसान अशरफी, फैजान खान, अशफाक कुरैशी, तौफीक रंगरेज़, छोटू, सलमान राजा खान सहित अन्य मुस्लिम समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एफआईआर, लेकिन कई सवाल अब भी बरकरार? - मनोहर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। वरिष्ठ कांग्रेसी मनोहर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में कहा कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में ट्रस्ट द्वारा एफआईआर दर्ज कराये जाने के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। एफआईआर में आठ नामों का उल्लेख होने के बावजूद स्थानीय स्तर पर यह सवाल जोर पकड़ रहा है कि क्या पूरे मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच होगी या फिर कुछ प्रभावशाली लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है?। श्री अग्रवाल ने कहा कि सबसे पहले मंदिर ट्रस्ट को ही भंग करना चाहिए और तमाम पदाधिकारो के खिलाफ एफआईआर दर्ज होना चाहिए, चाहे मंदिर के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा हो, चाहे महासचिव चंपत राय हो या अन्य सदस्य हो, केवल छोटे कर्मचारी पर एफआईआर दर्ज करना और बड़ों को बचा लेना यह स्वीकार नहीं होगा। साथ ही यह भी कहा कि क्योंकि ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री की देखरेख में हुआ है इसीलिए इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज या सीटिंग जज की देखरेख में पारदर्शी तरीके से हो तथा जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाये। ताकि श्रध्दालुओं और आम जनता के मन में किसी प्रकार का संदेह न रहे। श्री अग्रवाल ने कहा कि मंदिर की आस्था करोड़ों लोगों से जुड़ी है और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लीपापोती जनता स्वीकार नहीं करेगी। आस्था से जुड़े मामले में सच सामने आना चाहिए, दोषी कोई भी हो, उसे कानून के अनुसार सजा मिले और यदि किसी को बचाने का प्रयास हुआ है तो उसकी भी जांच होनी चाहिए।

कई कोचिंग व संस्थानों के पास न संसाधन, न फायर एनओसी

भोपाल। एजेंसी। राजधानी में नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से कोचिंग सेंटर, अकादमियां और लाइब्रेरियां चल रही हैं। यह खुलासा नगर निगम के फायर ऑडिट के दौरान हुआ। हैरानी की बात है कि अधिकांश कोचिंग के पास एनओसी तक नहीं है, यानी आग लगने के कोई भी इंतजाम नहीं हैं। कई कोचिंग में तो एक ही गेट से आना-जाना है। नगर निगम अब तक 42 कोचिंग और संस्थानों को नोटिस थमा चुका है, जबकि गुरुवार रात तक यह संख्या 60 तक पहुंच चुकी थी। इन सेंटरों में सुरक्षा के नाम पर जीरो इंतजाम हैं। जांच के दौरान सबसे चौकाने वाली तस्वीर यह सामने आई कि अधिकांश कोचिंग संस्थानों के पास आग से निपटने का कोई रास्ता ही नहीं है। सूची में शामिल लगभग सभी प्रमुख संस्थानों के पास फायर एनओसी और आग बुझाने के बुनियादी संसाधन तक उपलब्ध नहीं मिले। लालघाटी और गुफा मंदिर रोड स्थित रेस एकेडमी, संस्कार कॉमर्स एकेडमी, सबधानी कोचिंग और अचीवर कोचिंग के पास न तो एनओसी मिली और न ही संसाधन। कुछ संस्थान ऐसे भी मिले जिन्होंने कागजी खानापूर्ति के लिए फायर एनओसी तो ले रखी थी, लेकिन मौके पर सुरक्षा के इंतजाम कबाड़ पाए गए। एलीन कैरियर इंस्टीट्यूट (लालघाटी) के पास फायर एनओसी तो उपलब्ध थी, लेकिन सुरक्षा ऑडिट की रिपोर्ट ही नहीं थी। मिथेश राठी क्लासेस (एमपी नगर) में फायर एनओसी तो पाई गई, लेकिन मौके पर जब जांच की गई तो गैस डिटेक्शन सिस्टम पूरी तरह बंद (डिफंक्ट) मिला। यानी गैस लीक होने पर अलर्ट करने वाला कोई सिस्टम काम नहीं कर रहा था। स्टेपअप कोचिंग क्लासेस (एमपी नगर) में एनओसी तो थी, लेकिन किसी भी आपात स्थिति में बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए फायर एग्जिट (आपातकालीन निकास द्वार) ही नहीं पाया गया। वहीं इंद्रपुरी, एमपी नगर, न्यू मार्केट और कोलार रोड क्षेत्र में संचालित कई कोचिंग संस्थान, स्कूल, कॉलेज और लाइब्रेरी बिना फायर एनओसी के चल रहे हैं। जांच में कीर्तिमान अकादमी, विजय पाटिल क्लासेस, फिजिक्स वाला, नीट मेंटोर, यूनिक आईएएस स्टडी सर्कल, ग्रीन वैली स्कूल सहित कई संस्थानों में फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम नहीं मिले। वहीं एमपी नगर स्थित संजीवनी गर्ल्स हॉस्टल में भी संसाधन और एनओसी नहीं पाई गई।

वारासिवनी में खंड स्तरीय अधिकारियों की कलेक्टर ने बैठक लेकर की योजनाओं की समीक्षा

वारासिवनी की आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक को निलंबित करने निर्देश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कलेक्टर मृणाल मीना ने शुक्रवार को सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में विकासखंड के सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ ,अपर कलेक्टर जी एस धुवे,डी पी बर्मन, एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल सहित सभी विभागों के जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा से हुई। कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं के अनमोल पोर्टल पर पंजीयन एवं चार एएनसी जांच की प्रगति का परीक्षण किया। ग्राम वारा, उमरवाड़ा, थानेगांव, सिंगोड़ी एवं मंगेझरी की एएनएम एवं सीएचओ से खराब प्रगति का कारण पूछा गया तथा तत्काल सुधार के निर्देश देते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी। नगर क्षेत्र वारासिवनी के वार्ड क्रमांक ५ एवं १४ की आशा कार्यकर्ताओं को भी चेतावनी दी गई कि उनके क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं का प्रसव निजी अस्पतालों में होने पर उनकी जवाबदेही तय की जाएगी। कलेक्टर श्री मीना ने सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन नियमित एएनसी जांच एवं सुरक्षित संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकासखंड के सभी पांच प्रसव केंद्रों का व्यवस्थित संचालन तथा प्रसूति सहायता योजना एवं जननी सुरक्षा योजना की राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए कहा। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान मेंढकी,रामपायली एवं झालीवाड़ा सेक्टर में पोषण ट्रैकर एप पर बच्चों के पंजीयन, कुपोषित बच्चों की पहचान एवं उपचार की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई। नगर क्षेत्र वारासिवनी में अत्यंत खराब प्रगति पाए जाने पर संबंधित आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक को निलंबित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के हितग्राहियों को शीघ्र भुगतान करने तथा स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के सभी कर्मचारियों को सार्थक एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वेतन का आहरण सार्थक एप की उपस्थिति के आधार पर ही किया जाएगा। शिक्षा विभाग की समीक्षा में शालाओं में विद्यार्थियों का शत प्रतिशत नामांकन एवं पाठ्यपुस्तकों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के गणितीय एवं बौद्धिक स्तर पर असंतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने संबंधित जनशिक्षकों को तत्काल सुधार लाने की चेतावनी दी। राजस्व विभाग की समीक्षा में फार्मर रजिस्ट्री में कम प्रगति वाले पटवारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। नगर क्षेत्र में कृषि भूमि पर बने आवासीय भवनों से डायवर्सन शुल्क की वसूली नहीं होने पर वारासिवनी तहसीलदार को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उद्यानिकी फसलों को गिरदावरी में दर्ज कराने के लिए तहसीलदार एवं उद्यानिकी विभाग के बीच समन्वय स्थापित करने को कहा गया। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान अमानक खाद एवं बीज विक्रय करने वालों के विरुद्ध जांच कर एफ आईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। ड्रिप, स्प्रिंकलर, सुपर सीडर एवं हैप्पी सीडर के लक्ष्यों की शत प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने तथा पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए किसानों को जागरूक करने एवं नियमों के अनुसार जुर्माना वसूलने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग के मैदानी कर्मचारियों को भी सार्थक एप से उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। पशुपालन विभाग की समीक्षा में क्षीरधारा योजना के अंतर्गत वारा, बुदबुदा एवं रमरमा क्षेत्र की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई। बैठक में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अधिक से अधिक घरों में सोलर पैनल स्थापित कराने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि वारासिवनी क्षेत्र में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैंए जिनका लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए। इसके अलावा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नगरपालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को संबल योजना में पात्र हितग्राहियों का पंजीयन एवं अनुग्रह सहायता के प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत सचिवों को जलकर संपत्ति कर एवं अन्य स्थानीय करों की प्रभावी वसूली कर पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए भी निर्देशित किया गया।

क्षेत्र की महिला रसोईयों ने विधायक विवेक पटेल को सौंपा ज्ञापन

महिलाओं के सम्मान की बात करने वाली भाजपा ने बहनों का छीन लिया रोजगार.विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के स्व सहायता समूहो की स्कूलों में कार्यरत रसोईयों को बिना सूचना काम से निकालने का बालाघाट जिला सीईओ अभिषेक सर्राफ द्वारा आदेश जारी किया है। रसोईयों को काम से बंद करवाने को लेकर शुक्रवार को क्षेत्र के दर्जनों रसोईयों के द्वारा विधायक विवेक पटेल के जनसंपर्क कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने विधायक

विवेक पटेल से मुलाकात कर काम में बंद होने वाली रसोईयों को वापस स्कूल में कार्य पर रखने की माँग को लेकर विधायक विवेक पटेल को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान ज्योतिकला पटले, राजेश्वरी बोपचे,माधुरी अवधिया,जसवंता पटले,महमूद मिसा अली, जुलेखा खान, पूर्णिमा सोनवाने,आवेदा बी,पुष्पा भोयर, नीला शेन्दे,कला कुंजाम, श्यामवती पजराहे, माधुरी बघाड़े,कमलाबाई राहंगडाले,बारुला बाई परते,नीलावती भैरम,खेलनबाई नागोसे, श्यामा देशमुख सहित दर्जनों महिलाएं मौजूद रही।

बंद किए गये रसोईयों को नहीं लिया वापस तो स्कूल में खाना बनाने नहीं जाएंगे-शोभा पटले

समूह की सचिव शोभा पटले ने बताया कि माध्यमिक शाला में कार्यरत रसोईयों को काम से बंद करने का नोटिस जारी हुआ है। जहा कार्यरत है वहां से एक एक रसोईयों को बंद कर रहे है। जब बंद ही करना है तो सभी जगहों से सभी रसोईयों को बंद करे। किसी एक को बंद करके उसका रोजगार छीना जा रहा है। बंद करने का कारण बच्चों की संख्या कम होना बता रहे है और नोटिस भी हमे लिखित में नहीं मिला है। मोबाइल के माध्यम से व्हाट्सएप में स्कूल के प्रधान पाठक के पास भेजा जा रहा है। हमने जब प्रधान पाठक से पूछे तो ये कहते है कि जिला सीईओ के द्वारा नोटिस भेजा गया है। जिन रसोईयों को बंद किया गया है अगर उन्हें वापस नहीं लिया जाता तो वर्तमान में जो रसोईया कार्यरत है कोई भी स्कूल में खाना बनाने नहीं जायेगा।

बेवजह निकाला जा रहा समूह की महिलाओं को-विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि हमारी माता बहने मेहनत करके स्कूलों में समूह के माध्यम से भोजन बनाने का कार्य करती है। महिलाओं ने बताया कि बच्चों की कम संख्या का बहाना बताकर उन्हें बिना नोटिस मिले ही निकाला जा रहा है। भाजपा महिलाओं के सम्मान की बात करती है ये सिर्फ उनके भाषणों में ही दिखाई देता है। धरातल पर महिलाओं से रोजगार छीना जा रहा है गरीब घरों की महिलाएं दो पैसे कमाने अपने बच्चों का भरण पोषण और उन्हें अच्छी शिक्षा मिले इसलिए वे स्कूलों में खाना बनाने जाती है। मगर शासन ने अब उनका रोजगार ही खत्म कर दिया है। मैने अधिकारियों से चर्चा की है समूह की महिलाओं को बेवजह ना निकाले उन्हें पुनः काम में रखा जाए।

खापा से खंडवा तक जर्जर नहर बनी किसानों के लिए मुसीबत

नहर की साफ सफाई एवं सुधार ना होने से किसान परेशान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत खापा से लेकर खंडवा तक जाने वाली नहर इस समय अपनी बदहाली पर आंसू

बहा रही है। नहर में जगह.जगह झाड़ियों का अंबार लगा हुआ है और कई स्थानों से यह टूट.फूट चुकी है। सिंचाई विभाग की इस लापरवाही के कारण आगामी खरीफ सीजन में किसानों को सिंचाई के लिए भारी किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। जिससे स्थानीय कृषकों में विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।

राजीव सागर परियोजना नहर इकलौता सहारा हैं किसान का

प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफका मौसम प्रारंभ होते ही किसानों ने अपने खेतों की जुताई कर धान की नर्सरी लगाने का कार्य धीरे.धीरे शुरू कर दिया है। ग्राम खंडवा के किसान वर्तमान में खेतों में मुस्तैदी से जुटे हुए हैं। इन किसानों की फसलों की सिंचाई का इकलौता सहारा राजीव सागर परियोजना की यह नहर है। जो खापा से खंडवा तक आती है यह नहर पूरी तरह से कच्ची है और आज तक इसका लाइनिंग कार्य नहीं हो पाया है। नहर देखरेख के अभाव में विभिन्न जीव जंतुओं और चूहों ने नहर के भीतर और किनारों पर बड़े.बड़े गड्ढे कर दिए हैं जिससे पानी रिसने और नहर के टूटने का खतरा लगातार बना हुआ है। वर्तमान में स्थिति यह है कि नहर के भीतर बेतहाशा कटीली झाड़ियां और खरपतवार उग आए हैं,जिससे पानी का प्रवाह पूरी तरह अवरुद्ध होना तय है। जगह जगह से नहर के किनारे ढह चुके हैं। ऐसे में अगर विभाग के द्वारा पानी छोड़ा भी जाता है तो वह खेतों तक पहुँचने के बजाय बीच में ही बह जाएगा या अंतिम छोर के किसानों तक पहुँचेगा ही नहीं। किसानों का आरोप है कि कुछ समय पूर्व जब सिंचाई विभाग के अधिकारी और कर्मचारी पानी के टैक्स की वसूली करने गांव आए थे तब उन्हें इस जर्जर नहर की स्थिति से रूबरू कराते हुए लिखित और मौखिक शिकायतें की गई थीं। परंतु टैक्स वसूलने के बाद विभाग ने इस ओर मुड़कर भी नहीं देखा। वर्तमान स्थिति तक विभाग के द्वारा ना तो नहर की सफाई कराई गई है और ना ही मरम्मत कार्य शुरू किया गया है। पिछले वर्ष भी सिंचाई विभाग की इसी तरह की लापरवाही के कारण उन्हें समय पर और पर्याप्त पानी नहीं मिल पाया था। पानी के अभाव में कई किसानों की फसलें सूख गईं और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान सहन करना पड़ा था। इस वर्ष भी नहर की यथावत स्थिति को देखकर किसान बेहद डरे हुए हैं कि कहीं पिछला इतिहास फिर से ना दोहराया जाए। खंडवा और खापा क्षेत्र के किसानों ने सिंचाई विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि खरीफ की बुआई और रोपाई का काम तेजी पकड़े उससे पहले युद्ध स्तर पर इस कच्ची नहर की साफ सफाई कराई जाए और टूटे हुए हिस्सों की मरम्मत की जाए।

नहर की जर्जर हालत से किसानों हो होती है परेशानी- देवीलाल कावरे

किसान देवीलाल कावरे ने बताया कि नहर पहले जैसी स्थिति में है कचरा भरा हुआ है झाडियां उग गई है पिछले कई वर्षों से यही स्थिति है। पानी आता है किंतु बहुत दिक्कत है किसानो के खेतों में पानी नहीं जाता है फोर्स नहीं होता है कचरा जो है वह पानी को रोक लेता है। बहुत ज्यादा दिक्कत होने पर दो चार किसान मिलकर नहर की सफाई करने के लिए जाते हैं और नाली बनाकर अपने खेतों में पानी लाते हैं। विभाग का कोई व्यक्ति नहीं आता है किसान लोग भी नहीं बोलते हैं क्योंकि सब थक गए हैं सुनाने वाला कोई नहीं है। स्वयं किसान साफ सफाई करते हैं पानी जो देते हैं उसमें भी सप्ताह सप्ताह पानी बंद रहता है। अभी नर्सरी लगाने की हम तैयारी कर रहे हैं।

नहर की बहुत ज्यादा परेशानी है पूरी जर्जर हो गई है-चमन सिंघनधुपे

किसान चमन सिंघनधुपे ने बताया कि खेतों में खार लगाने के लिए अभी तैयारी की जा रही है। नहर की बहुत ज्यादा परेशानी है पूरी जर्जर हो गई है पानी की समस्या हर समय बनी रहती है खेतों में पानी आता नहीं है। नहर में बहुत ज्यादा झाडियां हो गई है यह नहर जब बना था तब पहली बार सफाई हुई थी उसके बाद आज तक नहीं हुई है। साफ सफाई नहीं होने से खेतों में पानी आने में दिक्कत है पिछले साल बहुत ज्यादा समस्या हुई थी फसल को बराबर पानी नहीं मिला था। नहर बहुत जगह से टूट गई है अधिकारी हमारे यहां पर वसूली करने आते हैं तो उन्हें हमने बताया वह कहते हैं कि अधिकारी को बोलो अब उसे हम कहां ढूंढे। यहां नहर में साफसफ ई और लाइनिंग कार्य कर देना चाहिए ताकि बार बार की समस्या का समाधान हो जाए।

जनपद अध्यक्ष खुशबू बिसेन के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुये सांसद भारती पारधी, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक गौरव सिंह पारधी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत के परिसर में नवनिर्वाचित कार्यवाहक जनपद अध्यक्ष श्रीमती खुशबू बिसेन का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, जनपद सदस्यों, सरपंचों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही। सांसद भारती पारधी ने खुशबू बिसेन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल,कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी,भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे, जिला पंचायत सदस्य सुनीता बहेटवार,प्रकाश उके, खैरलांजी सरपंच ज्योति नगपुरे, पुष्पेंद्र देशमुख, राकेश बनोटे, गिरीश बिसेन, नरेन्द्र शुक्ला ,ज्ञानेश रहांगडाले, पलाश बिसेन, मानसिंह बहेटवार, द्रोन डोहरे, ललित टाकुर, दिनेश दमाहे, निरंजन बिसेन, डिलेश बिसेन, शैलेश सेट्ठी, नरेन्द्र ठकरेले सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि कार्यवाहक अध्यक्ष का चुनाव पूर्व जनपद अध्यक्ष आशु गुनाराम बघेले के निर्वाचन निरस्त होने के बाद कराया गया। न्यायालय ने महाराष्ट्र के जाति प्रमाण-पत्र से जुड़े मामले में उन्हें जनपद सदस्य एवं अध्यक्ष पद के लिए अयोग्य घोषित करते हुए दोनों निर्वाचन शून्य कर दिए थे। जनपद पंचायत में कुल २४ सदस्य हैं, लेकिन एक सदस्य का निर्वाचन भी न्यायालय द्वारा निरस्त होने से २३ सदस्यों ने मतदान किया। राजनीतिक समीकरणों के अनुसार कांग्रेस समर्थित लगभग १५ और भाजपा समर्थित ८ सदस्य माने जा रहे थे, जिससे कांग्रेस की जीत लगभग तय मानी जा रही थी। लेकिन मतदान परिणाम ने सभी को चौंका दिया। भाजपा समर्थित खुशबू बिसेन को १४ मत मिले, जबकि कांग्रेस समर्थित रीतू सुलाखिया को केवल ८ मत प्राप्त हुए। परिणाम ने कांग्रेस खेमे में हुई क्रॉस वोटिंग की चर्चाओं को भी हवा दे दी। सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि जनपद अध्यक्ष का दायित्व केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे जनपद के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि खुशबू बिसेन अकेली अध्यक्ष नहीं हैं, बल्कि जनपद के सभी सदस्य इस जिम्मेदारी में बराबर के भागीदार हैं। यदि जनपद में अच्छे कार्य होंगे तो उसका श्रेय सभी को मिलेगा और यदि कहीं कमी रह जाएगी तो उसकी जिम्मेदारी भी सभी पर समान रूप से आएगी। उन्होंने सभी जनपद सदस्यों और सरपंचों से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनपद अध्यक्ष के साथ एक अनुभवी उपाध्यक्ष भी मौजूद हैं, जिनके अनुभव का लाभ पूरे जनपद को मिलेगा। केंद्र और प्रदेश दोनों स्थानों पर सरकार होने का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि सरकार की मंशा है कि ग्राम पंचायतों को विकास कार्यों के लिए सीधे आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि योजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन हो सके। उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत की परिसंपत्तियों से प्राप्त होने वाला राजस्व भी विकास कार्यों में उपयोग किया जाएगा। उन्होंने सुझाव दिया कि जनपद स्तर पर नियमित रूप से जनता दरबार आयोजित किए जाएं, जिससे ग्रामीणों की समस्याएं सीधे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के सामने आएं तथा उनका त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सभी जनप्रतिनिधियों का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि खैरलांजी जनपद दो विधानसभा क्षेत्रों में फैला हुआ है, इसलिए विकास कार्यों के लिए सभी जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनपद अध्यक्ष खुशबू बिसेन, जनपद सीईओ, जनपद सदस्यों और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे और उनकी ओर से किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

माँ शारदा भवानी माता मंदिर का भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह जारी

मंदिर में देवी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर २ सम्राट नगर में नवनिर्मित माँ शारदा भवानी माता मंदिर में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम जारी। समारोह के पहले दिन शाम ४ बजे सोसायटी शिव मंदिर प्रांगण से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा मंदिर से निकलकर विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए मंदिर परिसर पहुंची जहां यात्रा का समापन किया गया। इसके साथ ही गणेश आह्वान पूजन, पीठ पूजा, नगर भ्रमण और जलाधिवास आदि मांगलिक क्रियाएं संपन्न की गईं। दूसरे दिन शुक्रवार को श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। दिनभर माता रानी के विग्रह को विभिन्न अधिवासों में रखने की वैदिक प्रक्रियाएं पूरी की गईं। माँ शारदा भवानी महिला मण्डल समिति वारासिवनी की देखरेख में चल रहे इस धार्मिक महोत्सव के दूसरे दिन आचार्य और पुरोहितों के मंत्रोच्चार के बीच सुबह की शुरुआत पीठ पूजा और अन्नाधिवास के साथ हुई जहाँ देवी प्रतिमा को अन्न के बीच सुरक्षित रखकर अधिवास कराया गया। दोपहर के समय फलाधिवास और पुष्पाधिवास के विधान पूरे किए गए। शाम को शैयाधिवास की प्रक्रिया संपन्न कराई गई जिसके तहत माता रानी को विश्राम की मुद्रा शयन में स्थापित कर विशेष आरती की गई। इन सभी अधिवासों का उद्देश्य नवनिर्मित प्रतिमा में दैवीय ऊर्जा का संचार करना और उसे मुख्य प्राण प्रतिष्ठा के लिए तैयार करना है। इन आयोजनों में आज भारी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं और विशेषकर महिला मंडल की सदस्यों ने हिस्सा लिया। समारोह के अंतिम दिनए यानी २७ जून को मंदिर परिसर में प्रातः काल से ही पीठ पूजा और महाअभिषेक के साथ वैदिक रीति से प्राण प्रतिष्ठा संपन्न की जाएगी। तत्पश्चात् हवन की पूर्णाहुति के बाद शाम ५ बजे से विशाल भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर समस्त वार्डवासियों और माँ शारदा भवानी महिला मण्डल समिति ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की हैं।

महिलाओं में बढ़ता तंबाकू सेवन नई पीढ़ी और समाज के लिए गंभीर चेतावनी

देश में तंबाकू सेवन को लेकर सामने आए ताजा आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। विशेष रूप से महिलाओं में तंबाकू सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश के 13 राज्यों में महिलाओं द्वारा तंबाकू सेवन में वृद्धि दर्ज की गई है। यह स्थिति केवल महिलाओं के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है बल्कि इसका प्रभाव परिवार बच्चों और आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है। जिस समाज में महिलाएं परिवार की आधारशिला मानी जाती हैं वहां उनका किसी भी प्रकार के नशे की ओर बढ़ना सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी कई नई समस्याओं को जन्म देता है। तंबाकू चाहे किसी भी रूप में लिया जाए वह शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। बीड़ी सिगरेट गुटखा खैनी जर्दा हुक्का और अन्य धूम्रपान या चबाने वाले उत्पादों में मौजूद निकोटिन व्यक्ति को धीरे धीरे इसकी लत का शिकार बना देता है। शुरुआत में यह केवल एक आदत लगती है लेकिन समय के साथ यह व्यसन का रूप ले लेती है और व्यक्ति इसके बिना सामान्य महसूस नहीं कर पाता। महिलाओं में यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि उनके शरीर की संरचना और जैविक आवश्यकताएं पुरुषों से अलग होती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि तंबाकू सेवन महिलाओं में कई प्रकार की गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। इससे मुंह का कैंसर गले का कैंसर फेफड़ों का कैंसर हृदय रोग उच्च रक्तचाप और श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। लगातार तंबाकू सेवन करने वाली महिलाओं में दांतों और मसूड़ों की समस्याएं भी तेजी से बढ़ती हैं। त्वचा समय से पहले बूढ़ी दिखाई देने लगती है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। कई शोधों में यह भी पाया गया है कि तंबाकू का सेवन महिलाओं के हार्मोन संतुलन को प्रभावित करता है जिससे अनेक स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए तंबाकू का सेवन और भी खतरनाक माना जाता है। यदि गर्भावस्था के दौरान महिला तंबाकू का सेवन करती है तो इसका सीधा असर गर्भ में पल रहे शिशु पर पड़ता है। इससे समय से पहले प्रसव कम वजन वाले बच्चों का जन्म और शिशु के शारीरिक तथा मानसिक विकास में बाधा जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कई मामलों में गर्भपात और नवजात शिशु की मृत्यु का जोखिम भी बढ़ जाता है। इसलिए महिलाओं को यह समझना होगा कि उनका स्वास्थ्य केवल उनका व्यक्तिगत विषय नहीं बल्कि पूरे परिवार और भविष्य की पीढ़ी से जुड़ा हुआ है। महिलाओं में बढ़ते तंबाकू सेवन का एक बड़ा सामाजिक प्रभाव भी दिखाई देता है। बच्चे अपने माता पिता विशेष रूप से मां के व्यवहार से सबसे अधिक सीखते हैं। यदि घर में मां तंबाकू का सेवन करती है तो बच्चों के मन में यह संदेश जाता है कि यह एक सामान्य और स्वीकार्य व्यवहार है। परिणामस्वरूप किशोरावस्था में बच्चे भी ऐसी आदतों को अपनाने लगते हैं। इस प्रकार एक व्यक्ति की बुरी आदत धीरे धीरे पूरे परिवार और समाज में फैल सकती है। आज का युवा वर्ग पहले ही अनेक प्रकार के नशों और डिजिटल प्रभावों के बीच घिरा हुआ है। ऐसे में यदि परिवार के भीतर से ही तंबाकू सेवन का उदाहरण मिलता है तो नई पीढ़ी के लिए इससे दूर रहना और कठिन हो जाता है। युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति शिक्षा रोजगार और सामाजिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालती है।

भारत में अवैध गौण खनिज उत्खनन मिलीभत

स्थानीय प्रभावशाली तत्वों, खनन माफिया और राजनीतिक संरक्षण के खिलाफ विशेष कठोर प्रावधान की आवश्यकता

वैश्विक स्तरपर भारत प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से विश्व के सबसे समृद्ध देशों में से एक रहा है। रेत, मुरुम, गिट्टी, पत्थर, मिट्टी और अन्य गौण खनिजों ने न केवल देश के निर्माण क्षेत्र को गति दी है बल्कि ग्रामीण और शहरी विकास की आधारशिला भी रखी है।किंतु पिछले कुछ दशकों में जिस तीव्र गति से इन संसाधनों का दोहन हुआ है, उसने एक गंभीर राष्ट्रीय संकट को जन्म दिया है। यह संकट केवल अवैध खनन तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरणीय विनाश, प्रशासनिक भ्रष्टाचार व राजनीतिक संरक्षण का सबसे बड़ा जीवंत उदाहरण राजस्व हानि और भविष्य की पीढ़ियों के अधिकारों से जुड़ा हुआ प्रश्न बन चुका है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र आम नागरिकों को बताना चाहूंगा f? भारत में खनन गतिविधियों का संचालन मुख्य रूप से खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम,1957 (एमएमडीआर एक्ट) के तहत होता है।मेरा सुझाव है कि इसमें प्रशासनिक तंत्र, स्थानीय प्रभावशाली तत्वों,खनन माफिया और राजनीतिक संरक्षण के खिलाफ विशेष कठोर प्रावधान के उल्लेख की आवश्यकता है,क्योंकि अवैध खनन प्राय इन्हीं लोगों के इशारों या सलंग्नता में होता है यानें शासन प्रशासन व इस वर्ग के साथ यह खेला सुचारू रूप से चलता है। यह प्राय सभी लोगों को मालूम है लेकिन सभ मूक रहते हैं। बता दूं कि इस कानून के अनुसार गौण खनिजों के नियमन और प्रबंधन की जिम्मेदारी राज्य सरकारों को सौंपी गई है। राज्यों को अधिकार दिए गए कि वे स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार नियम बनाएं,पट्टे जारी करें, रॉयल्टी निर्धारित करें तथा अवैध उत्खनन पर कार्रवाई करें।सिद्धांत रूप से यह व्यवस्था अत्यंत प्रभावी दिखाई देती है,किंतु व्यवहार में अनेक राज्यों में स्थिति चिंताजनक है। कानून मजबूत हैं,नियम पर्याप्त हैं, दिशा निर्देश मौजूद हैं,लेकिन क्रियान्वयन अक्सर कमजोर पड़ जाता है।यही वह स्थान है जहां प्रशासनिक तंत्र, स्थानीय प्रभावशाली तत्वों,खनन माफिया और राजनीतिक संरक्षण के आरोप सामने आते हैं।देश के लगभग हर राज्य में समय-समय पर अवैध रेत खनन,नदी घाटों से चोरी, पहाड़ियों की कटाई और वन क्षेत्रों में अवैध उत्खनन की खबरें सामने आती रही हैं। कई मामलों में स्थानीय नागरिकों, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ईमानदार अधिकारियों ने इसका विरोध किया, लेकिन उन्हें दबाव, धमकियों और हिंसा तक का सामना करना पड़ा अभी हाल ही में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एक नायब तहसीलदार पर हमला इसी मामले की कड़ी है,यह स्थिति दर्शाती है कि अवैध खनन केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि कानून के शासन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए भी चुनौती बन चुका है। साथियों, महाराष्ट्र विधानसभा में गुरुवार 25 जून 2026 को राजस्व मंत्री द्वारा प्रस्तुत जानकारी महाराष्ट्र विधानमंडल के पावसाळी अधिवेशन (मानसून सेशन 2026) के चौथे दिन,विधानसभा में चर्चा के दौरान उन्होंने आधिकारिक घोषणाएं कीं और सीधे विधानसभा से लाइव आकर भी इसकी जानकारी साझा की, राज्य में हो रहे अवैध गौण खनिज उत्खनन को रोकने और अपराधियों पर मकोका/ एमपीडीए जैसी सख्त कार्रवाई के लिए एक स्वतंत्र टास्क फोर्स का गठन कियाजाएगा इसी व्यापक राष्ट्रीय समस्या की ओर संकेत करती है।सरकार ने स्पष्ट कहा कि अवैध खनन में लिप्त अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन और विभागीय जांच की जाएगी। संयुक्त उड़नदस्ते बनाए जाएंगे,ड्रोन तकनीक का उपयोग होगा,अवैध परिवहन करने वाले वाहनों को जब्त किया जाएगा तथा जिलाधिकारियों को व्यापक अधिकार दिए जाएंगे। यह नीति और दृष्टिकोण निश्चित रूप से सराहनीय है। किंतु बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन आदेशों का धरातल पर कठोर और निरंतर क्रियान्वयन हो पाएगा ? क्योंकि भारत में समस्या कानूनों की कमी नहीं,बल्कि उनके निष्पक्ष और सटीकता से प्रभावी पालन की है। साथियों, अवैध खनन का सबसे पहला और सबसे गंभीर प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। जब नदियों से अनियंत्रित मात्रा में रेत निकाली जाती है, तो नदी की प्राकृतिक संरचना बिगड़ जाती है। नदी का तल गहरा होने लगता है, जलधारण क्षमता प्रभावित होती है और आसपास के भूजल स्तर में गिरावट आने लगती है। परिणामस्वरूप कुएं, हैंडपंप और बोरवेल सूखने लगते हैं। कई क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई संकट का सामना करना पड़ता है। इस प्रकार कुछ लोगों के अल्पकालिक आर्थिकह लाभ के कारण संपूर्ण क्षेत्र का जल संतुलन बिगड़ जाता है।रेत केवल निर्माण सामग्री नहीं है;यह नदियों केपारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न अंग है। रेत नदी के प्रवाह को नियंत्रित करती है, तटों को स्थिर रखती है तथा अनेक जलीय जीवों के लिए आवास का कार्य करती है। जब इसका अत्यधिक उत्खनन होता है, तो नदी किनारों का कटाव बढ़ जाता है। कई स्थानों पर पुलों की नींव कमजोर हुई है, सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं और नदी तटों पर बसे गांवों को खतरा उत्पन्न हुआ है। यह समस्या केवल वर्तमान की नहीं, बल्कि आने वाले दशकों तक प्रभाव डालने वाली बहुत गंभीर समस्या है। साथियों अवैध खनन का दूसरा बड़ा प्रभाव जैव विविधता पर पड़ता है। नदी, पहाड़, वन और मिट्टी केवल खनिजों के भंडार नहीं हैं बल्कि हजारों जीव-जंतुओं और वनस्पतियों का घर हैं। जब बड़े पैमाने पर उत्खनन होता है, तो प्राकृतिक आवास नष्ट हो जाते हैं। पक्षियों के घोंसले,मछलियों के प्रजनन क्षेत्र,वन्यजीवों के आवागमन मार्ग और वनस्पतियों की प्राकृतिक श्रृंखला प्रभावित होती है। पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेतावनी देते रहे हैं कि यदि यही स्थिति बनी रही तो कई स्थानीय प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच सकती हैं।भूमि क्षरण भी अवैध खनन की एक गंभीर समस्या है। जब पहाड़ियों और कृषि भूमि के आसपास बिना वैज्ञानिक अध्ययन के खनन किया जाता है, तो मिट्टी की उर्वरता घटती है। भूमि कटाव बढ़ता है और कई बार खेती योग्य क्षेत्र बंजर बन जाते हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जो कृषि पर आधारित है, धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है। इसका सीधा प्रभाव किसानों की आय, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण रोजगार पर पड़ता है। साथियों, अवैध खनन का संबंध जलवायु परिवर्तन से भी जुड़ता जा रहा है। बड़े पैमाने पर भूमि विनाश, वन कटाई और पारिस्थितिक असंतुलन के कारण कार्बन अवशोषण की प्राकृतिक क्षमता घटती है। नदियों और जल स्रोतों के क्षरण से सूखे और बाढ़ जैसी चरम घटनाओं का खतरा बढ़ता है। आज भारत पहले ही जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में अवैध खनन स्थिति को और अधिक जटिल बना सकता है।आर्थिक दृष्टि से भी यह एक राष्ट्रीय नुकसान है।अवैध खनन से सरकार को मिलने वाली रॉयल्टी और कर राजस्व का बड़ा हिस्सा चोरी हो जाता है।जो धन सार्वजनिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और जल परियोजनाओं में लगना चाहिए,वह कुछ लोगों की निजी संपत्ति में परिवर्तित हो जाता है।इस प्रकार अवैध खनन केवल पर्यावरण की चोरी नहीं बल्कि जनता केअधिकारों और सरकारी राजस्व की भी चोरी है।अक्सर देखा गया है कि अवैध खनन का नेटवर्क बहुत संगठित होता है। इसमें स्थानीय स्तर से लेकर बड़े आर्थिक हित जुड़े हो सकते हैं। कई बार रात के अंधेरे में नदी घाटों से रेत निकाली जाती है, नकली दस्तावेजों के माध्यम से परिवहन किया जाता है और बाजार में बेचा जाता है। यदि इस पूरी प्रक्रिया में प्रशासनिक निगरानी कमजोर हो या कुछ अधिकारी जानबूझकर आंखें मूंद लें, तो अवैध कारोबार फलता-फूलता रहता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ केवल दंडात्मक कार्रवाई ही नहीं बल्कि जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने पर भी सटीकता से जोर देते हैं। साथियों महाराष्ट्र सरकार द्वारा ड्रोन निगरानी, संयुक्त जांच दल, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और जिलाधिकारियों को विशेष अधिकार देने जैसी पहलें इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आधुनिक तकनीक भ्रष्टाचार और मानव हस्तक्षेप को कम कर सकती है। ड्रोन सर्वेक्षण से वास्तविक उत्खनन क्षेत्र की निगरानी संभव है। जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग, ई-परमिट प्रणाली और उपग्रह चित्रों का उपयोग अवैध गतिविधियों को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है। किंतु तकनीक तभी सफल होगी जब उसके साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक ईमानदारी भी सटीकता से जुड़ी हो। साथियों, इस पूरे विषय का सबसे महत्वपूर्ण पहलू अंतरपीढ़ी न्याय अर्थात इंटरजनरेशनल जस्टिस है। पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन केवल वर्तमान पीढ़ी की संपत्ति नहीं हैं। इन पर आने वाली पीढ़ियों का भी समान अधिकार है। यदि वर्तमान पीढ़ी लालच, भ्रष्टाचार और अल्पकालिक लाभ के कारण प्राकृतिक संसाधनों को समाप्त कर देगी, तो भविष्य की पीढ़ियों के पास क्या बचेगा? उन्हें स्वच्छ नदियां,उपजाऊ भूमि,स्थिर पर्यावरण और पर्याप्त प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध कराना हमारी नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। कल्पना कीजिए कि यदि अगले 20 से 30 वर्षों तक वर्तमान गति से अवैध खनन चलता रहा तो कई नदियां अपने प्राकृतिक स्वरूप को खो सकती हैं।भूजल संकट और गहरा हो सकता है। निर्माण उद्योग के लिए आवश्यक खनिजों की कमी पैदा हो सकती है। पर्यावरणीय आपदाएं बढ़ सकती हैं। किसानों, मछुआरों और ग्रामीण समुदायों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। यह केवल एक पर्यावरणीय संकट नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी होगा। साथियों, समाधान केवल सरकार के पास नहीं है। नागरिक समाज, मीडिया, न्यायपालिका, स्थानीय समुदाय और जनप्रतिनिधियों को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रत्येक खनन पट्टे की जानकारी सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध होनी चाहिए।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

देखने और सुनने में अक्षम हेलेन केलर ने पढ़ाया दुनिया को शिक्षाप्रद पुस्तके

-संजय गोस्वामी

महिला शिक्षाविद हेलेन केलर का जन्म 27 जून, 1880, को टस्कम्बिया, अलबामा, यू ए स .में हुआ था वो एक अमेरिकी लेखिका और शिक्षिका थीं, जो देख और सुन नहीं सकती थीं। उनकी शिक्षा और प्रशिक्षण, ऐसी अक्षमताओं वाले लोगों की शिक्षा के क्षेत्र में एक असाधारण उपलब्धि है।मई 1888 में, केलर ने परकिन्स इंस्टीट्यूट फॉर द ब्लाइंड में जाना शुरू किया। 1893 में, केलर और सुलिवन ने विलियम वेड हाउस एंड फिनिशिंग स्कूल में पढ़ाई की। 1894 में, केलर और सुलिवन न्यूयॉर्क चली गईं ताकि वे राइट-ह्यूमासन स्कूल फॉर द डेफ में जा सकें और होरेस मान स्कूल फॉर द डेफ में सारा फुलर से सीख सकें। 1896 में, वे मैसाचुसेट्स लौट आईं और केलर ने कैम्ब्रिज स्कूल फॉर यंग लेडीज़ में दाखिला लिया। इसके बाद 1900 में उन्हें हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के रैडक्लिफ कॉलेज में एडमिशन मिला, जहाँ वे साउथ हाउस के ब्रिग्स हॉल में रहती थीं। उनके प्रशंसक मार्क ट्वेन ने उन्हें स्टैंडर्ड ऑयल के बड़े व्यापारी हेनरी हटलस्टन रोजर्स से मिलवाया था; रोजर्स और उनकी पत्नी एबी ने केलर की पढ़ाई का खर्च उठाया। 1904 में, 24 साल की उम्र में, केलर ने फाई बीटा कप्पा की सदस्य के तौर पर रैडक्लिफ से ग्रेजुएशन पूरा किया और बैचलर ऑफ़ आर्ट्स की डिग्री पाने वाली पहली ऐसी व्यक्ति बनीं जो सुन और देख नहीं सकती थीं। उन्होंने ऑस्ट्रियाई शिक्षक और दार्शनिक विल्हेम जेरूसलम के साथ पत्र-व्यवहार बनाए रखा, जिन्होंने सबसे पहले उनकी साहित्यिक प्रतिभा को पहचाना था। दूसरों के साथ आम तरीके से बातचीत करने के पक्के इरादे के साथ, केलर ने बोलना सीखा और अपनी ज़िंदगी का ज़्यादातर समय अपने जीवन के अलग-अलग पहलुओं पर भाषण और लेक्चर देने में बिताया। उन्होंने टैडोमा तरीके से लोगों की बातचीत को सुनना सीखा; इस तरीके में वे बोलने वाले के होंठों और गले को अपनी उंगलियों से छूकर महसूस करती थीं। वे ब्रेल का इस्तेमाल करने में माहिर हो गईं और बातचीत के लिए फिंगरस्पेलिंग का भी इस्तेमाल करती थीं। पहले विश्व युद्ध से कुछ समय पहले, ज़ोएलनर चौकड़ी की मदद से उन्होंने यह पता लगाया कि अगर वे अपनी उंगलियों के पोरों को गूंजने वाली मेज़ की सतह पर रखें, तो वे पास बज रहे संगीत को महसूस कर सकती हैं। देखने और सुनने में अक्षम एक्टिविस्ट हेलेन केलर द हेलेन केलर नाम के एक प्लेन को छू रही हैं, जिस पर प्लेन और यात्रा के रास्ते का ग्राफ़िक बना हुआ है। 19 महीने की उम्र में केलर को एक बीमारी (शायद स्कारलेट फीवर) हो गई, जिससे वह देख और सुन नहीं सकती थीं। 6 साल की उम्र में अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने उनकी जाँच की। इसके बाद, उन्होंने बोस्टन में परकिन्स इंस्टीट्यूशन फ़ॉर द ब्लाइंड से 20 साल की शिक्षिका ऐनी सुलिवन (मेसी) को उनके पास भेजा; इस संस्थान का संचालन बेल के दामाद करते थे। एक बेहतरीन शिक्षिका, सुलिवन मार्च 1887 से लेकर अक्टूबर 1936 में अपनी मृत्यु तक केलर के साथ रहीं। कुछ ही महीनों में केलर ने चीज़ों को छूकर महसूस करना और उन्हें अपनी हथेली पर उंगलियों के संकेतों से बताए गए शब्दों से जोड़ना सीख लिया; साथ ही, कार्डबोर्ड पर उभरे हुए शब्दों को छूकर वाक्य पढ़ना और एक फ़्रेम में शब्दों को व्यवस्थित करके अपने वाक्य बनाना भी सीख लिया। 1888-90 के दौरान उन्होंने सर्दियाँ परकिन्स इंस्टीट्यूशन में ब्रेल लिपि सीखने में बिताईं। फिर उन्होंने बोस्टन के ही होरेस मान स्कूल फ़ॉर द डेफ की सारा फुलर के मार्गदर्शन में बोलना सीखने की धीमी प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने बोलने वाले के होंठों और गले पर उंगलियाँ रखकर होंठों की हरकत से बात समझना (लिप-रीडिंग) भी सीखा, जबकि साथ ही उनके लिए शब्द भी बताए जाते थे। 14 साल की उम्र में उन्होंने न्यूयॉर्क शहर के राइट-ह्यूमासन स्कूल फ़ॉर द डेफ में दाखिला लिया और 16 साल की उम्र में मैसाचुसेट्स के कैम्ब्रिज स्कूल फ़ॉर यंग लेडीज़ में पढ़ाई शुरू की। उन्हें 1900 में रैडक्लिफ कॉलेज में दाखिला मिला और 1904 में उन्होंने कम लॉडे (सम्मान के साथ) ग्रेजुएशन पूरा किया। ऐसी क्षमताएँ विकसित करने के बाद जो किसी भी अन्य दिव्यांग व्यक्ति में नहीं देखी गई थीं, केलर ने अंधेपन के बारे में लिखना शुरू किया। उस समय महिलाओं की पत्रिकाओं में इस विषय पर बात करना वर्जित माना जाता था क्योंकि अंधेपन के कई मामलों का संबंध यौन रोगों से होता था। एडवर्ड डब्ल्यू. बोक ने लेडीज़ होम जर्नल के लिए उनके लेख स्वीकार किए, और द सेंचुरी, मैक्लूर्स और द अटलांटिक मंथली जैसी अन्य प्रमुख पत्रिकाओं ने भी उनका अनुसरण किया। उन्होंने कई किताबों में अपने जीवन के बारे में लिखा, जिनमें द स्टोरी ऑफ़ माई लाइफ़ (1903), ऑप्टिमिज़्म (1903), द वर्ल्ड आई लिव इन (1908), लाइट इन माई डार्कनेस एंड माई रिलीजन (1927), हेलेन केलर्स जर्नल (1938) और द ओपन डोर (1957) शामिल हैं। 1913 में उन्होंने (एक दुभाषिए की मदद से) व्याख्यान देना शुरू किया, मुख्य रूप से अमेरिकन फ़ाउंडेशन फ़ॉर द ब्लाइंड की ओर से, जिसके लिए उन्होंने बाद में 2 मिलियन डॉलर का एंडोमेंट फ़ंड स्थापित किया; उनके व्याख्यान दौरों ने उन्हें कई बार दुनिया भर की यात्रा कराई। 1920 में उन्होंने अमेरिकी नागरिक अधिकार कार्यकर्ता रोजर नैश बाल्डविन और अन्य लोगों के साथ मिलकर अमेरिकन सिविल लिबर्टीज़ यूनियन की सह-स्थापना की। बहरे और अंधे लोगों के साथ व्यवहार को बेहतर बनाने के उनके प्रयासों ने दिव्यांगों को आश्रय-गृहों से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 1937 तक 30 राज्यों में अंधे लोगों के लिए आयोगों के गठन को भी बढ़ावा दिया। उनका जीवन तब बदल गया जब 1887 में उनकी शिक्षिका और जीवन भर की साथी ऐनी सुलिवन आईं। उन्होंने केलर को उनके हाथ पर शब्द लिखकर बातचीत करना सिखाया, जो बहुत मशहूर हुआ। 1904 में उन्होंने रैडक्लिफ कॉलेज से कम लाउड (सम्मान के साथ) ग्रेजुएशन किया। एक मशहूर लेखिका (खासकर द स्टोरी ऑफ़ माई लाइफ़ के लिए) होने के अलावा, वह दिव्यांगों के अधिकारों की अथक समर्थक थीं। उन्होंने 1920 में अमेरिकन सिविल लिबर्टीज़ यूनियन की सह-स्थापना की और अमेरिकन फाउंडेशन फॉर द ब्लाइंड के लिए फंड जुटाने में अहम भूमिका निभाई। हेलेन केलर का निधन 1 जून 1968 को 87 साल की उम्र में सोते समय हुआ। उनका निधन ईस्टन, कनेक्टिकट में उनके घर आर्कन रिज में हुआ। लेकिन उन्होंने वह हासिल किया जो पहले किसी भी दिव्यांग व्यक्ति ने नहीं किया था और दुनिया को अपनी पुस्तक के माध्यम से खुद अंधा होकर ज्ञान की रोशनी दि जो महिलाओ के लिए प्रेणनास्रोत रही है वो भी साहित्य के क्षेत्र में दिव्यांग के लिए एक मिशाल कायम की है।

धरती ने जब 40 सेकंड में उजाड़ दी एक पूरी दुनिया

वेनेजुएला की महात्रासदी, मलबे में जन्मी जिंदगी और मानवता के सामने खड़े सबसे बड़े सवाल

कभी-कभी प्रकृति ऐसा प्रहार करती है कि इंसान की सारी वैज्ञानिक उपलब्धियां, ऊंची-ऊंची इमारतें और आधुनिक तकनीक पलभर में बौनी नजर आने लगती हैं। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भीषण भूकंपों ने एक बार फिर पूरी दुनिया को यही संदेश दिया है कि कुदरत के सामने मनुष्य कितना असहाय है। महज 40 सेकंड के भीतर आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली झटकों ने राजधानी कराकास सहित उत्तर-मध्य क्षेत्र को मलबे के विशाल मैदान में बदल दिया। हजारों परिवार उजड़ गए, सैकड़ों इमारतें धराशायी हो गईं और लाखों लोगों का जीवन हमेशा के लिए बदल गया।

इस त्रासदी के बीच एक ऐसा दृश्य भी सामने आया जिसने पूरी दुनिया की आंखें नम कर दीं। एक गर्भवती महिला ढही हुई इमारत के मलबे के नीचे फंसी थी। वहीं उसने एक बच्ची को जन्म दिया। बचाव दल ने छत तोड़कर नवजात को सुरक्षित बाहर निकाला। मौत और जिंदगी के बीच झूलती इस बच्ची का जन्म मानव साहस और उम्मीद का प्रतीक बन गया। यह दृश्य बता गया कि सबसे भीषण अंधेरे में भी जीवन अपनी राह खोज ही लेता है।

भूकंप के बाद कराकास की तस्वीरें किसी युद्धग्रस्त शहर जैसी दिखाई दीं। बहुमंजिला इमारतें ताश के पत्तों की तरह बिखर गईं। अस्पतालों की इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और मरीजों को व्हीलचेयर तथा अस्पताल के बिस्तरों सहित सड़कों पर लाना पड़ा। खुले मैदानों, सड़कों और राहत शिविरों में हजारों लोग रात बिताने को मजबूर हैं। हर तरफ धूल, मलबा, सायरनों की आवाज और अपनों की तलाश में भटकते लोगों की चीख-पुकार सुनाई दे रही है।

राहत और बचाव अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। रेस्क्यू टीमें लगातार मलबा हटाकर लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रयास कर रही हैं। कई स्थानों पर जीवित लोगों को बाहर निकाला गया है, तो कहीं पालतू जानवरों को भी सुरक्षित बचाया गया। मलबे में दबे लोगों की तलाश के लिए अत्याधुनिक उपकरण, खोजी दल और राहतकर्मी लगातार जुटे हुए हैं। हर बीतते घंटे के साथ उम्मीद और चिंता दोनों बढ़ती जा रही हैं।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार सैकड़ों लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। हजारों लोगों के लापता होने की आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि मलबे में बड़ी संख्या में लोग दबे हो सकते हैं, इसलिए मृतकों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह वेनेजुएला के इतिहास की सबसे भयावह प्राकृतिक आपदाओं में से एक साबित होगी।

भूकंप ऐसे समय आया जब देश राष्ट्रीय अवकाश मना रहा था। अधिकांश लोग अपने घरों में मौजूद थे। यही कारण है कि इमारतें गिरते ही बड़ी संख्या में लोग उनमें फंस गए। राहत एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती मलबे के नीचे दबे लोगों तक जल्द पहुंचने की है, क्योंकि शुरुआती 72 घंटे किसी भी भूकंप राहत अभियान के लिए सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुभव रोंगटे खड़े कर देने वाले हैं। कई लोगों ने बताया कि पहले जमीन हिली, फिर दीवारों में दरारें पड़ने लगीं और कुछ ही क्षणों में पूरी इमारतें ढह गईं। धूल का इतना घना गुबार था कि सामने खड़ा व्यक्ति भी दिखाई नहीं दे रहा था। लोग अपने परिवार के सदस्यों को लेकर किसी तरह खुले मैदानों की ओर भागे। अनेक लोगों ने कहा कि उन्हें लगा जैसे वे किसी डरावनी फिल्म का हिस्सा बन गए हों।

विशेषज्ञों के अनुसार भूकंप केवल उसकी तीव्रता से नहीं, बल्कि भवन निर्माण की गुणवत्ता से भी विनाशकारी बनता है। यही कारण है कि जापान जैसे देश कई बार सात या उससे अधिक तीव्रता के भूकंप झेल लेते हैं, लेकिन वहां अपेक्षाकृत कम नुकसान होता है। दूसरी ओर जहां भवन निर्माण मानकों का पालन नहीं होता, वहां कम तीव्रता का भूकंप भी बड़ी तबाही ला सकता है। इंजीनियरों का मानना है कि भूकंपरोधी निर्माण, मजबूत नींव और आधुनिक डिजाइन हजारों लोगों की जान बचा सकते हैं।

दुनिया के इतिहास में इससे भी अधिक विनाशकारी भूकंप आए हैं। वर्ष 1960 में चिली में 9.5 तीव्रता का अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया था। इसके बाद आई सुनामी ने कई देशों में भारी तबाही मचाई। वर्ष 2004 में इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र में आए 9.1 से अधिक तीव्रता के भूकंप और सुनामी में दो लाख से अधिक लोगों की जान चली गई थी। वर्ष 2011 में जापान के तोहोकू भूकंप और सुनामी ने आधुनिक तकनीक वाले देश को भी गहरा घाव दिया। भारत ने भी 2001 के भुज भूकंप और 2015 के नेपाल भूकंप के दौरान बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान देखा है। इन सभी घटनाओं ने दुनिया को यह सिखाया कि भूकंप को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उसकी तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

वेनेजुएला की इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने रखा है। अनेक लोगों ने बताया कि उन्हें झटकों से कुछ सेकंड पहले मोबाइल फोन पर चेतावनी मिली थी। ऐसी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचने के लिए कुछ कीमती सेकंड उपलब्ध करा सकती है। भविष्य में इस प्रकार की तकनीक को और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बचाई जा सके।

भूकंप के दौरान सबसे जरूरी बात घबराने की नहीं, बल्कि संयम बनाए रखने की होती है। यदि व्यक्ति भवन के अंदर हो तो मजबूत मेज या फर्नीचर के नीचे शरण ले और खिड़कियों तथा भारी वस्तुओं से दूर रहे। लिफ्ट का उपयोग नहीं करना चाहिए। यदि खुले स्थान पर हों तो बिजली के खंभों, पेड़ों और इमारतों से दूर रहें। झटके रुकने के बाद ही सुरक्षित स्थान की ओर जाएं। परिवार के सभी सदस्यों के लिए पहले से आपातकालीन योजना बनाना, प्राथमिक उपचार सामग्री, टॉर्च, पीने का पानी, आवश्यक दवाइयां और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखना भी बेहद आवश्यक है। सरकारों को भूकंपरोधी निर्माण को अनिवार्य बनाना चाहिए और समय-समय पर आपदा प्रबंधन का अभ्यास कराना चाहिए।

वेनेजुएला की इस भीषण आपदा ने पूरी दुनिया को एक बार फिर सोचने पर मजबूर कर दिया है। ऊंची इमारतें, आधुनिक शहर और तकनीकी प्रगति तब तक सुरक्षित नहीं मानी जा सकतीं, जब तक निर्माण गुणवत्ता, आपदा प्रबंधन और समय पर चेतावनी व्यवस्था मजबूत न हो। मलबे के नीचे जन्मी वह मासूम बच्ची आज पूरी मानवता के लिए उम्मीद का प्रतीक बन गई है। उसने यह संदेश दिया है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी भयावह क्यों न हों, जीवन हार नहीं मानता। लेकिन साथ ही यह त्रासदी हमें यह भी याद दिलाती है कि प्रकृति के सामने विनम्र रहना, वैज्ञानिक तैयारी करना और सुरक्षित निर्माण को प्राथमिकता देना ही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यही सबक वेनेजुएला की इस भयावह त्रासदी दुनिया को देकर गई है।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली कमजोर रहने से शुक्रवार को अनाज मंडी में चने में मामूली लटक बनी। तुअर व उड़द में बाजार सुस्त रहे। खाद्य तेलों में व्यापार अति सामान्य रहा। किराना बाजार में मोर्हरम के उपलक्ष्य में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सुस्त लेवाली के चलते शुक्रवार को दलहनों में चना मामूली लटक दिखा गया। तुअर व उड़द में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में बाजार अति सामान्य रहे। उधर, तिलहनों में सोयाबीन बाजार 6800 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4220-4300, खोपरा गोला 370-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैंदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2800-2850, (160) 3250-3300, (200) 3750-3800, (250) 4400-4500

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2480, सोया साल्वेंट 1355-1360, सोया रिफाइंड 1425-1430, कपास्या 1465, धूलिया 1460, कड़ी 1460,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1530, मुम्बई पाम 1460, मुम्बई सोया 1455,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6800, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6050, एवरेज 6000-6050, विशाल 5900-5950, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडि?यम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9000-9100, एवरेज 8800-8900, उड़द गर्मी 8000-8400, हल्की 8500-8600,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडि?यम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु दोनों मूल्यवान धातुओं में निचले भावों पर टिकाव रहा। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 227000, चाँदी (99) 226800, टंच 226600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 144300,

ईपीएफओ से लेकर क्रेडिट कार्ड तक 5 दिन बाद बदल जाएंगे कई नियम

मुंबई। एजेंसी। 2026 की शुरुआत के साथ ही कई वित्तीय बदलाव होने जा रहे हैं। जिनका असर नौकरीपेशा लोगों, टैक्सपेयर्स, पेंशनर्स और क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने वालों पर पड़ेगा। इनमें आईटीओर फाइलिंग की डेडलाइन, ईपीएफओ की यूपीआई से पीएफ निकासी, महंगाई भत्ता और क्रेडिट कार्ड के नए नियम शामिल हैं। जुलाई में ईपीएफओ 3.0 प्लेटफॉर्म लॉन्च होने की उम्मीद है। इसका मकसद ईपीएफओ की डिजिटल सेवाओं को पहले से ज्यादा आसान बनाना है। नए सिस्टम के तहत ईपीएफ खाताधारकों को यूपीआई के जरिए तुरंत पीएफ निकालने की सुविधा मिल सकती है। अगर ऐसा होता है, तो पीएफ निकालने की प्रक्रिया पहले के मुकाबले काफी तेज और आसान हो जाएगी हर साल जनवरी और जुलाई में केंद्र सरकार महंगाई भत्ते की समीक्षा करती है। ऐसे में जुलाई 2026 में भी केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को डीए बढ़ोतरी की घोषणा का इंतजार रहेगा।

शेयर बाजार-सुस्ती का नहीं, गोल्डन चांस का दौर

मुंबई। एजेंसी। पिछले लगभग दो वर्षों से भारतीय शेयर बाजार में व्याप्त अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों को अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल पाने की स्थिति में, एडलवाइस म्युचुअल फंड की एक नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट ने एक महत्वपूर्ण संकेत दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, बाजार की मौजूदा सुस्ती भविष्य में दीर्घकालिक निवेशकों के लिए बेहतर अवसरों का एक अनुकूल आधार बन सकती है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति वर्ष 2013 के संकटग्रस्त दौर से काफी भिन्न और अपेक्षाकृत अधिक मजबूत है। रिपोर्ट बताती है कि 2013 में देश उच्च महंगाई, बढ़ते चालू खाता घाटे, बैंकों में फंसे कर्ज और कॉरपोरेट क्षेत्र पर भारी ऋण जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा था। इसके विपरीत, आज भारतीय अर्थव्यवस्था कहीं अधिक सुदृढ़ स्थिति में है; महंगाई नियंत्रण में है, बैंकिंग प्रणाली पहले से अधिक स्वस्थ है और कंपनियों की वित्तीय सेहत भी बेहतर हुई है। हालांकि सरकारी और घरेलू ऋण में वृद्धि तथा विदेशी निवेश प्रवाह में कुछ नरमी जैसी चुनौतियां अब भी मौजूद हैं, रिपोर्ट का मानना है कि इन जोखिमों की प्रकृति पहले की तुलना में कम गंभीर है। एडलवाइस के अध्ययन ने ऐतिहासिक आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि पिछले 20 वर्षों में जब भी बाजार लगभग दो वर्षों तक कमजोर या स्थिर रहा है (जैसे 2001-03, 2007-09, 2014-16, 2018-20), उसके बाद निवेशकों को उल्लेखनीय रिटर्न मिला है। रिपोर्ट का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियां भी ऐसे ही एक चक्रीय सुधार का संकेत दे रही हैं। वैल्यूएशन के स्तर पर भी बाजार आकर्षक दिख रहा है, जहां कई बड़ी कंपनियों के शेयर अपने ऐतिहासिक औसत मूल्यांकन से नीचे और कुछ तो 10 वर्षों के औसत से भी कम स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। कंपनियों की आय में सुधार के संकेत भी मिल रहे हैं। रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि शेयर बाजार अक्सर सकारात्मक आर्थिक संकेतों से पहले ही अपनी चाल बदल देता है। इसलिए, वैश्विक अनिश्चितताओं के खत्म होने का इंतजार करने के बजाय, निवेशकों को मौजूदा आकर्षक अवसरों का मूल्यांकन करते हुए दीर्घकालिक निवेश रणनीति अपनाने पर विचार करना चाहिए।

पीएनजी उपभोक्ता अब 30 दिन में सरेंडर करेंगे एलपीजी कनेक्शन

नई दिल्ली। एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच एलपीजी आपूर्ति पर असर की आशंका के बीच केंद्र सरकार ने गैस वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। जिन घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन है, उन्हें अब 30 दिनों के भीतर अपना एलपीजी (एलपीजी) कनेक्शन सरेंडर करना अनिवार्य होगा। सरकार का मानना है कि इस नियम से गैस वितरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी, डुप्लीकेट कनेक्शनों पर रोक लगेगी और जरूरतमंद परिवारों तक एलपीजी की पहुंच बेहतर हो सकेगी। इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस सहित सभी प्रमुख घरेलू एलपीजी कनेक्शनों पर यह नियम लागू होगा। निर्धारित अवधि के बाद ऐसे उपभोक्ताओं को एलपीजी रिफिल या संबंधित सुविधाएं मिलने में परेशानी आ सकती है। सरकार की प्राथमिकता वन हाउसहोल्ड, वन गैस कनेक्शन (एक परिवार, एक गैस कनेक्शन) को बढ़ावा देना है। अधिकारियों का कहना है कि कई शहरी क्षेत्रों में पीएनजी उपलब्ध होने के बावजूद लोग एलपीजी कनेक्शन बनाए रखते हैं, जिससे गैस वितरण पर अनावश्यक दबाव पड़ता है और सब्सिडी का दुरुपयोग होता है। नए नियम उन इलाकों में एलपीजी की सप्लाई बेहतर करेगा जहां अभी पीएनजी नेटवर्क नहीं पहुंचा है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए यदि कोई परिवार ऐसे क्षेत्र में स्थानांतरित होता है जहां पीएनजी उपलब्ध नहीं है, तो वे ट्रांसफर वाउचर के जरिए आसानी से एलपीजी कनेक्शन दोबारा हासिल कर सकते हैं। सरकार पहले से ही ओटीपी आधारित डिलीवरी और ई-केवाईसी जैसे कदम उठा रही है ताकि फर्जी कनेक्शनों पर रोक लगे और लाभार्थियों को सही लाभ मिल सके।

रियल एस्टेट क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी। रियल एस्टेट क्षेत्र में महिलाओं की मौजूदगी लगातार बढ़ रही है। अब महिलाएं केवल घर खरीदने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डेवलपर, आर्किटेक्ट, उद्यमी और प्रॉपटेक विशेषज्ञ के रूप में भी अपनी पहचान बना रही हैं। इसके बावजूद फैसले लेने वाले शीर्ष पदों और नेतृत्व की भूमिकाओं में उनकी भागीदारी सीमित है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि रियल एस्टेट क्षेत्र में केवल 1 से 2 फीसदी महिलाएं ही नेतृत्व पदों तक हैं। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक भारत की कुल आबादी में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 48.5 फीसदी है, लेकिन निर्माण क्षेत्र में कार्यरत 7.1 करोड़ लोगों में उनकी भागीदारी केवल 10 फीसदी के आसपास है। हालांकि रियल एस्टेट से जुड़े कई पेशों में शुरुआती स्तर पर महिलाओं की भागीदारी 40 से 45 फीसदी तक पहुंच चुकी है, लेकिन करियर के मध्य चरण में बड़ी संख्या में महिलाएं कई कारणों से क्षेत्र छोड़ देती हैं। इसका सीधा असर वरिष्ठ प्रबंधन और नेतृत्व पदों पर उनकी संख्या में दिखाई देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाओं की ज्यादा भागीदारी केवल समानता का मुद्दा नहीं है, बल्कि उद्योग के सतत विकास और देश की आर्थिक प्रगति के लिए भी जरूरी है। नारेडको माही की अध्यक्ष स्मिता पाटिल का कहना है कि भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बहुत जरूरी है। वहीं जेएलएल इंडिया में गवर्नमेंट एडवाइजरी और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस के प्रमुख ए शंकर के मुताबिक रियल एस्टेट क्षेत्र में महिलाओं की पूर्ण भागीदारी 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभा सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के नेतृत्व पदों तक पहुंचने में कई बाधाएं मौजूद हैं। इनमें वेतन असमानता सबसे बड़ी चुनौती है। अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को पुरुषों की तुलना में 30 से 40 फीसदी तक कम वेतन मिलता है। निर्माण क्षेत्र में महिला श्रमिकों की औसत दैनिक आय 412 रुपए बताई गई है, जबकि पुरुष श्रमिकों की आय इससे काफी ज्यादा है।

मेष- आज दिल की दुनिया आपके लिए मुस्कुराती हुई नजर आ रही है। प्रेम संबंधों में विश्वास और अपनापन पहले से कहीं अधिक गहरा होगा। साथी के साथ बिताए गए छोटे-छोटे पल भी आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएंगे। वहीं व्यापार में कुछ उतार-चढ़ाव मन को बेचैन कर सकते हैं, लेकिन घबराने की आवश्यकता नहीं है।

वृषभ- आज का दिन संतोष, सफलता और सुखद समाचारों की सौगात लेकर आया है। व्यापार में कोई महत्वपूर्ण डील आपके पक्ष में जा सकती है, जिससे आत्मविश्वास नई ऊंचाइयों को छुएगा। आपकी मेहनत आखिरकार रंग लाती दिखाई दे रही है। परिवार का आशीर्वाद आपको किसी बड़े निर्णय, विशेषकर घर या संपत्ति से जुड़े कार्यों में सफलता दिला सकता है।

मिथुन- आज आपकी प्रतिभा और रचनात्मकता लोगों को प्रभावित करने वाली है। कार्यक्षेत्र में आपके नए विचार चर्चा का विषय बन सकते हैं। कला, लेखन, संगीत या किसी भी रचनात्मक क्षेत्र में आपकी चमक और बढ़ेगी। घर में किसी अतिथि का आगमन खुशियों का माहौल बनाएगा। हालांकि किसी सहयोगी की कोई बात मन को ठेस पहुंचा सकती है, इसलिए प्रतिक्रिया देने से पहले थोड़ा सोच लें।

कर्क- आज मन कुछ सवालों और उलझनों में उलझा रह सकता है। ऐसे में बड़े आर्थिक फैसले जल्दबाजी में लेने से बचें। परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है, लेकिन आपकी समझदारी स्थिति को संभाल सकती है। मां से किया गया कोई वादा पूरा करने का अवसर मिलेगा। सरकारी या लंबे समय से रुके हुए कार्यों में भी प्रगति के संकेत हैं।

सिंह- आज ऊर्जा, आत्मविश्वास और जोश आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों को उनके कार्यों के लिए सराहना और सम्मान मिल सकता है। निवेश के मामलों में भी समय अनुकूल दिखाई दे रहा है। लंबे समय बाद किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके दिन को खास बना सकती है। परिवार के साथ बिताया गया समय रिश्तों में नई गर्माहट लेकर आएगा। आज आप केवल अपने ही नहीं, बल्कि अपनों के दिल की बात भी समझने की कोशिश करेंगे।

कन्या- आज समझदारी और सतर्कता आपकी ढाल साबित होगी। साझेदारी से जुड़े मामलों में आंख बंद करके भरोसा न करें। कोई पुराना अधूरा कार्य पूरा होने से मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य के मामले में छोटी सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए सावधानी रखें। महत्वपूर्ण दस्तावेजों और कागजातों का विशेष ध्यान रखें। वहीं कोई पुराना लेन-देन या विवाद भी आज समाप्त हो सकता है, जिससे मानसिक शांति मिलेगी।

तुला- आज आपके निर्णय आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेंगे। आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आ सकते हैं और आप उन्हें पहचानने में सफल रहेंगे। हालांकि धन से जुड़ा कोई मामला थोड़ी चिंता पैदा कर सकता है। कोई पुरानी गलती अचानक सामने आ सकती है, लेकिन उससे सीख लेना ही बेहतर रहेगा। विद्यार्थियों को विदेश शिक्षा के क्षेत्र में शुभ अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक- आज सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं। घर में धार्मिक या मांगलिक आयोजन का वातावरण बन सकता है, जिससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। काम की अधिकता आपको थका सकती है, लेकिन परिणाम संतोष देने वाले रहेंगे। निजी बातों को दूसरों के साथ साझा करने से बचें। यदि कोई गलती सामने आती है तो उसे स्वीकार करना ही रिश्तों को मजबूत बनाएगा। विनम्रता आज आपके लिए सबसे बड़ा हथियार साबित होगी।

धनु- आज आप उत्साह और सकारात्मकता से भरपूर रहेंगे। प्रेम जीवन में नई शुरुआत या कोई सुखद मोड़ आने की संभावना है। स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान देना जरूरी रहेगा, इसलिए योग और व्यायाम को नजरअंदाज न करें। परिवार के किसी मामले को आप समझदारी से सुलझाने में सफल होंगे।

मकर- आज जिम्मेदारियों को निभाने का दिन है। यदि कोई पुरानी स्वास्थ्य समस्या परेशान कर रही है तो उसे नजरअंदाज न करें। परिवार में सामंजस्य बनाए रखना आपके लिए प्राथमिकता रहेगा। कार्यक्षेत्र में धैर्य और संयम से आगे बढ़ना जरूरी है। जल्दबाजी में लिया गया कोई निर्णय बाद में पछतावे का कारण बन सकता है।

कुंभ- आज समाज में आपकी पहचान और सम्मान बढ़ सकता है। लोगों के बीच आपकी बातों और कार्यों की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर दिखाई दे रही है। प्रेम संबंधों में चली आ रही दूरियां कम हो सकती हैं और रिश्तों में फिर से मिठास लौट सकती है। यदि दिल में किसी के लिए भावनाएं हैं तो उन्हें व्यक्त करने का साहस भी आज मिल सकता है।

मीन- आज स्वास्थ्य आपका पूरा साथ देगा और आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक जुड़ाव और मजबूत होगा। आप दोनों एक-दूसरे की खूबियों और कमियों को समझते हुए रिश्ते को नई गहराई देंगे। कार्यक्षेत्र में किसी सहकर्मी या जूनियर की मदद से लंबे समय से अटका हुआ काम पूरा हो सकता है। भाग्य का सहयोग मिलने से कई मुश्किल कार्य भी आसानी से पूरे होते नजर आएंगे। कुल मिलाकर दिन संतोष, सहयोग और खुशियों से भरा रहने वाला है।

शब्दजाल - 8302

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'कार' लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	प	गो
न	का	क	म	इं	डे	ने	ज	ति	मा	ला
अ	दा	र	ला	मा	ग	अं	द	ह	प	का
जी	ज	ल	का	जा	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	व	अ	ला	र	मा	न	ज
र	न	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	ता	प	र	र

प्रकार, गोलाकार, अनाकार, जानकार, एकाधिकार, नकार, अंधकार, अलंकार, असहकार, कमलाकार

शब्दजाल - 8301 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7246

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३

२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३

३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पिपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४

४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३

८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन सावन झूला' गीत वाली फिल्म-३

१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका ?-३

१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३

१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३

१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म ?-२

१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३

१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३

१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२

२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४

२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४

२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४

२८. 'दिलजले' में अजय का नाम ?-२

२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२

३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२

३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३

५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२

६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२

७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३

९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३

११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३

१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२

१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी ?-३

१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२

१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३

२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२

२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२

२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३

२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२

२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२

२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२

२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था ?-२

३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो सवा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४

३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है ?-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7245

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	06.45 बजे से
सिंह	09.02 बजे से
कन्या	11.13 बजे से
तुला	13.24 बजे से
वृश्चिक	15.39 ब.से
धनु	17.55 बजे से
मकर	20.00 बजे से
कुंभ	21.46 बजे से
मीन	23.19 बजे से
मेष	00.50 बजे से
वृष	02.30 बजे से
मिथुन	04.28 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 178 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 00.44 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 22.11 बजे को समाप्त।
योग साध्य 12.33 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.33 बजे तदनन्तर तैतिल 00.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 20'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872753
जूलियन दिन 2461218.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम **तारीख** 11
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः संत की सीख

किसी गांव में एक संत रहते थे। गांव के लोग उनके पास आते और अपनी समस्याओं का समाधान पाते। एक दिन एक व्यक्ति ने संत से पूछा, 'यह कैसे हो सकता है कि जब लोग प्रभु ईसा को सूली पर तरह-तरह के कष्ट दे रहे थे तो वह अपने दुःख का अनुभव न कर उन आततायियों के कल्याण की प्रार्थना करते रहे। जब मंसूर के हाथ-पांव काट दिए गए, तब उन्होंने सारे कष्टों को हंसते-हंसते सहा। इस पर तो सहसा विश्वास नहीं होता।' संत ने उस व्यक्ति की बात ध्यान से सुनी और उसे एक कच्चा नारियल देते हुए कहा, 'जाओ इसे फोड़कर इसकी साबुत गिरी लाओ।' वह गया और उसने नारियल तोड़ा लेकिन वह गिरी साबुत न निकाल सका। वह नारियल लेकर संत के पास वापस पहुंचा और बोला कि नारियल की साबुत गिरी निकल ही नहीं सकती। संत ने अब उसे एक सूखा नारियल दिया और उसे फोड़कर देखने के लिए कहा। वह व्यक्ति गया और जैसे ही उसने नारियल फोड़ा, उसमें से साबुत गिरी निकल कर अपने आप बाहर निकल आई। वह आदमी दौड़ता हुआ संत के पास आकर बोला कि साबुत गिरी तो बाहर निकल आई। संत ने कहा, 'यही तुम्हारी शंका का समाधान है। सामान्य आदमी कच्चे नारियल की तरह होता है। आसक्ति के कारण उसमें शरीर के प्रति अपनत्व का भाव रहता है। इस कारण वह शरीर के सुख व दुःख को अनुभव करता है। ईसा और मंसूर जैसी हस्तियां सूखे नारियल की तरह होती हैं जिनमें आसक्ति का रस नहीं बचा रहता। इस कारण शरीर को कष्ट देने पर भी उन्हें पीड़ा नहीं सताती। अपने आप में मस्त रहकर वे सबके कल्याण की बात सोचते हैं।' संत की बात सुनकर उस व्यक्ति को ज्ञात हो गया कि आसक्ति के रहते आदमी परिपक्व नहीं हो पाता। शरीर और अहंकार के बंधन से परे होकर वह सुख और दुःख के द्वंद्व से पार हो जाता है।

सूडोकु नवताल- 7555

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7554 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8770

बाएँ से दाएँ

1. लाचार, बेबस-3
3. प्राण, जान-3
5. दुर्ग, फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात, मुआवजा-3
12. कंठ, गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज, कपटी-3
17. माजरा, घटना-3
19. कहासुनी, झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना, लगाना-3
25. वादा, प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1. लता, लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हूर, अप्सरा-3
4. आकाश, व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य, उपयुक्त-3
8. अदाकार, फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह, मास-3
16. जांघ, जंघा-2
18. धिक्कार, फटकार-3
19. मामूली, तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश, आभास-2

शब्द पहेली -8769 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

लगातार महंगे हो रहे खाद, बीज, कीटनाशक ने किसानों की चिंता बढ़ाई

खेती अब लाभ का नहीं कर्ज और आर्थिक संकट का सौदा

पद्मेश न्यूज। लांजी। देश में खेती-किसानी लगातार महंगी होती जा रही है। खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल-पेट्रोल, सिंचाई और मजदूरी की बढ़ती लागत ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। दूसरी ओर कृषि उपज के अपेक्षित दाम नहीं मिलने से किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में किसानों का कहना है कि खेती अब लाभ का नहीं, बल्कि कर्ज और आर्थिक संकट का सौदा बनती जा रही है। कृषि विशेषज्ञों और क्षेत्रीय किसानों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में खेती के लिए आवश्यक लगभग सभी कृषि आदानों की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खाद और बीज के दाम बढ़ने के साथ-साथ डीजल, सिंचाई तथा मजदूरी पर होने वाला खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। इसके विपरीत फसलों के समर्थन मूल्य में अपेक्षित वृद्धि नहीं होने से किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। उत्पादन लागत और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के बीच का अंतर लगातार बढ़ रहा है। खेती में लगने वाली लागत, समय और मेहनत की तुलना में मिलने वाला मूल्य पर्याप्त नहीं है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि सरकार खेती को लाभकारी बनाने और उत्पादन बढ़ाने की बात तो करती है, लेकिन बढ़ती लागत के अनुपात में राहत उपलब्ध नहीं हो पा रही है। गत इसी प्रकार बढ़ती रही और उपज का लाभकारी मूल्य नहीं मिला, तो कृषि क्षेत्र में संकट और गहरा सकता है। उनका कहना है कि सरकार को किसानों की वास्तविक समस्याओं को समझते हुए ऐसी नीतियां लागू करनी चाहिए,

जिनसे लागत, मेहनत और जोखिम के अनुरूप उचित मूल्य सुनिश्चित हो सके। कृषि क्षेत्र से जुड़े जानकारों का भी मानना है कि खेती को टिकाऊ और लाभकारी बनाने के लिए किसानों को लागत के अनुरूप मूल्य, समय पर भुगतान तथा कृषि आदानों की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। अन्यथा बढ़ती लागत और घटती आय का दबाव किसानों को लगातार आर्थिक संकट की ओर धकेलता रहेगा।

ऋषि पटेल ने उठाई किसानों की समस्या

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ऋषि पटेल ने किसानों की आय और खेती की लागत के बीच बढ़ते अंतर को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि खाद, बीज, डीजल और मजदूरी के बढ़ते खर्च के कारण किसान आर्थिक रूप से कमजोर हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के अधिकांश किसान धान की खेती पर निर्भर हैं। सरकार द्वारा धान के समर्थन मूल्य में मात्र 71 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है, जबकि इ फ क ो डीएपी सहित अन्य उर्वरकों के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। यह किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने मांग की कि सरकार किसानों की वास्तविक लागत का मूल्यांकन कर खेती को लाभकारी बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए।

राजू मेंढे ने की ठोस नीति की मांग

पूर्व जनपद सदस्य राजू मेंढे ने कहा कि खेती देश की अर्थव्यवस्था को रीढ़ है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में किसान सबसे अधिक आर्थिक दबाव झेल रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिला और कृषि लागत पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो खेती से किसानों का मोहभंग हो सकता है। सरकार को किसानों के हित में ठोस, व्यावहारिक और दीर्घकालिक नीति बनाकर उन्हें राहत प्रदान करनी चाहिए, ताकि खेती को पुनः लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सके। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती लागत और घटती आय के इस संकट से किसानों को उबारने के लिए सरकार, कृषि विभाग और नीति निर्माताओं को समन्वित प्रयास करने होंगे। तभी खेती को लाभकारी बनाकर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा सकेगा।

खण्डाफरी वन समिति चुनाव संपन्न, नरेंद्र कुमार टिकले बने अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। लांजी। वन विभाग पश्चिम लांजी अंतर्गत खण्डाफरी वन समिति का चुनाव शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। चुनाव में तीन प्रत्याशियों ने अपना भाग्य आजमाया, जिसमें नरेंद्र कुमार टिकले ने 259 मत प्राप्त कर शानदार जीत दर्ज की। प्राप्त जानकारी के अनुसार समिति में कुल 925 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 566 मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान के दौरान 6 मत अमान्य (रिजेक्ट) पाए गए। मतगणना के बाद घोषित परिणामों में नरेंद्र कुमार टिकले को 259 मत, चंद्रकुमार सरोटे को 193 मत तथा देवेंद्र कुमार किरमे को 108 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार नरेंद्र कुमार टिकले विजेता घोषित किए गए। चुनाव प्रक्रिया का सफल संचालन डिप्टी रेंजर रविन्द्र सोनवाने एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। मतदान और मतगणना की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। नरेंद्र कुमार टिकले की जीत पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। बधाई देने वालों में अजय अवसरे (उपाध्यक्ष जनपद पंचायत लांजी), दिनेश लाडे (सभापति जनपद पंचायत लांजी), राजू सोयाम (सरपंच खण्डाफरी), प्रभुदयाल किरमे (सरपंच टेकरी), गोवर्धन टिकले (पूर्व सरपंच), किशोरिलाल खरे, महेश टिकले, उत्तम टिकले, ईश्वरदास दहीकर, तिलकचंद आचरे, धियालाल टिकले, कन्हैयालाल टिकले, रूपचंद बाहे, तवारीलाल टिकले, गेन्दलाल खरे, भवकिशोर टिकले, धर्मेंद्र नेताम, भरत टिकले, पुरुषोत्तम चालक, बलराम टिकले, मोहन वरकड़े, राजेश टिकले, परमेश्वर खरे, राजेश्वर चौधरी, मनोहर खरे, गोपालदास खरे, गणेश टिकले, तेजलाल नागेश्वर, फूलदास पांचे एवं विष्णु टिकले सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल रहे। विजय की घोषणा के बाद समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया तथा नव निर्वाचित अध्यक्ष को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान अंतर्गत 28 जून को पीलाई जाएगी पल्स पोलियो दो बूँद जींदगी की

पद्मेश न्यूज। लांजी। 28 जून दिन रविवार को म.प्र. शासन के निर्देशानुसार, डॉ. परेश उपलप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट से प्राप्त निर्देशन में विकास खण्ड लांजी क्षेत्र में पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलीयो ड्रॉप्स की दो बूँद जींदगी की पीलाई जाएगी। डॉ. अक्षय कुमार उपराडे, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सिविल अस्पताल लांजी द्वारा यह बताया गया कि अभियान के प्रथम दिन 28 जून को विकासखण्ड लांजी के अंतर्गत 0 से 05 वर्ष तक के कुल 15310 बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए कुल 192 बुथ बनाए गए है, जिनमें 384 बुथवर्करों द्वारा तथा 25 सुपरवाईजरों के सुपरविजन में बच्चों के अनमोल जीवन के लिये दो बुंद पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। साथ ही 61 सी. टीम घर-घर भ्रमण कर बच्चों को पोलियो दवा पिलाएगीं व 131 वी टीम प्रथम दिवस बुथ में व आगामी दो दिनों में छुटे हुए बच्चों को घर-घर जाकर पोलियो दवा पिलाकर शतप्रतिशत लक्ष्य प्राप्ती का कार्य करेंगी। विकासखण्ड में विविध आवागमन के साधनों से प्रवेश करने वाले लोगों के बच्चों को भी पोलियो दवा के माध्यम से प्रतिरक्षित करने के लिये 05 ट्रांजीट टिम बनाई गई है जो बस स्थानकों, चैक पोस्ट व अन्य स्थानों में दवा पिलाने के कार्य करेंगी। जनता तक पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिये बैठकों का आयोजन किया गया एवं ग्रामों में आशा कार्यकर्ताओं द्वारा नारा लेखन कार्य किया गया। डॉ. अक्षय कुमार उपराडे खण्ड चिकित्सा अधिकारी द्वारा क्षेत्र की जनता को अधिक से अधिक बच्चों को दवा पिलाकर पोलियो मुक्त करने के राष्ट्रीय अभियान में योगदान देने की अपील की है।

बदहाल हुआ बकरामुंडी वनोपज नाका

बारिश में कर्मचारी कैसे करेंगे ड्यूटी

पद्मेश न्यूज। लांजी। दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के अंतर्गत परिक्षेत्र पूर्व लांजी के अधीन आने वाले बकरामुंडी वनोपज नाका के भवन की हालत बेहद खराब हो चुकी है। लंबे समय से मरम्मत की उपेक्षा के कारण नाका भवन की छत एक ओर से गिर चुकी है तो दूसरी ओर भी पूरी तरह से जर्जर हो गई है, जिससे बारिश के मौसम में यहां तैनात कर्मचारियों की मुश्किलें कई गुना बढ़ गई हैं। कर्मचारी बारिश में कैसे ड्यूटी करेंगे और कैसे रहेंगे, यह सवाल इन दिनों यहां सभी को परेशान कर रहा है। नाका भवन की छत बांस और कवेलू से बनी हुई है, जो अब पूरी तरह सड़ चुकी है एवं पानी गिरने के कारण दीवारें भी गिरने लगी हैं। भवन की स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि कर्मचारी तिरपाल या किसी अन्य अस्थायी व्यवस्था से भी छत को ढकने में असमर्थ हैं। छत की कमजोर संरचना के कारण तिरपाल चढ़ाने का प्रयास भी खतरनाक साबित हो सकता है।

लंबे समय से लापरवाही

वन विभाग के सूत्रों के मुताबिक, इस नाका की मरम्मत का प्रस्ताव कई बार भेजा जा चुका है, लेकिन प्रशासनिक प्रक्रिया और बजट की कमी के चलते काम रुका पड़ा है। स्थानीय स्तर पर छोटी-मोटी मरम्मत कराई गई, लेकिन मौसमी क्षति के आगे वे टिक नहीं पाईं।

क्यों जरूरी है तुरंत सुधार कार्य की

बकरामुंडी वनोपज नाका जंगल की सुरक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। यहां से वनोपज की नियमित निगरानी होती है। यदि कर्मचारी स्वयं असुरक्षित महसूस करेंगे तो उनकी कार्यक्षमता पर असर पड़ेगा, जिससे वन संपदा की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। कर्मचारी हमारे भरोसे की रक्षा करते हैं। उनकी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इनका कहना है

वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार से इस संबंध में जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि निश्चित ही वह कमरा पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है, एवं बारिश में वहां कर्मचारी नहीं रह पाएंगे। हम कर्मचारियों की समस्या से अवगत हैं। विभाग को भवन निर्माण कार्य के लिए प्रस्ताव भेज दिया गया है। जल्द ही ठोस कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि बारिश के मौसम के लिए, तात्कालिक व्यवस्था की जाएगी जिससे कि कर्मचारियों की ड्यूटी प्रभावित न हो।

मप्र के 15 जिलों में मानसून सक्रिय

भोपाल। मप्र में अब तक 15 जिलों- आलीराजपुर, इंदौर, हरदा, धार, बैतूल, खंडवा, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, खरगोन, सिवनी, बालाघाट, मंडला, बड़वानी, डिंडौरी में मानसून के आने की घोषणा हो चुकी है। शुक्रवार को प्रदेश के कई जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। वहीं कई जगह आकाशीय बिजली भी गिरी है। इस कारण प्रदेश में 5 लोगों की मौत हो गई।

बालाघाट के बैहर तहसील के बिरवा ग्राम पंचायत में बिजली गिरने से 2 बच्चों सहित 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग झुलस गए। मृतकों की पहचान लल्की मेरावी, झामसिंह ताराम (35) और सतीश वलके के रूप में हुई है। वहीं, देवास के खटांबा गांव में सूरज की पूजा के दौरान आंधी-बारिश से गैलरी गिर गई। हादसे में 2 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची समेत 3 लोग घायल हो गए। मृतकों की पहचान लक्ष्मीबाई और भागवंताबाई के रूप में हुई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिनों में मानसून भोपाल और उज्जैन संभाग तक पहुंच जाएगा। ग्वालियर-चंबल, सागर, रीवा और शहडोल संभाग में मानसून सबसे आखिर में दस्तक देगा। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में आंधी और बारिश हुई। सबसे ज्यादा करीब 2 इंच बारिश शाजापुर और नर्मदापुरम में दर्ज की गई, जिससे गर्मी और उमस से राहत मिली।

शुजालपुर में 2 घंटे झमाझम बारिश, जलभराव

शाजापुर जिले के शुजालपुर में शुक्रवार दोपहर करीब दो घंटे तक मूसलधार बारिश हुई। कई सड़कें और निचले इलाके जलमग्न हो गए। गणेश मंदिर मार्ग की गली नंबर-2 में पानी भरने से कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित रहा। इस मानसून में अब तक शुजालपुर में 130 मिमी बारिश हो चुकी है, जो पिछले साल की तुलना में लगभग दोगुनी है। अच्छी बारिश के बाद किसानों ने खरीफ फसलों की बुआई भी तेज कर दी है। शाजापुर शहर के हरायपुरा स्थित मंगलमूर्ति हनुमान मंदिर परिसर में तेज हवा के चलते वर्षों पुराना पीपल का पेड़ गिर गया। घटना गुरुवार को हुई थी, जिसका सीसीटीवी फुटेज शुक्रवार शाम सामने आया। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय मंदिर परिसर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

मंदसौर में भी बारिश से बदला मौसम

मंदसौर शहर सहित मल्हारगढ़, पिपलिया मंडी, नारायणगढ़, दलोदा और बही पार्श्वनाथ समेत कई इलाकों में शुक्रवार दोपहर अच्छी बारिश हुई। बारिश से मौसम सुहावना हो गया और किसानों को भी राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में जिले में बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। देवास के खटांबा गांव में सूरज पूजा कार्यक्रम के बाद भोजन का आयोजन चल रहा था। घर के सामने टेंट लगाया गया था और ऊपर नेट भी बंधी हुई थी। इसी दौरान करीब 150 से 200 लोग पंगत में बैठकर भोजन कर रहे थे। इसी बीच अचानक तेज हवा, आंधी और बारिश शुरू हो गई। मौसम बिगड़ते ही मकान की छत की गैलरी भरभराकर नीचे गिर गई। गैलरी सीधे उस पंगत पर गिरी, जहां महिलाएं बैठकर भोजन कर रही थीं। हादसे में कई लोग मलबे की चपेट में आ गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गैलरी गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि कुछ पल के लिए लगा जैसे बादल फट गया हो।

आगर मालवा में सडक़ें पानी से लबालब

आगर मालवा में शुक्रवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली और करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई। शाम करीब 4:15 बजे शुरू हुई तेज बारिश से शहर की सडक़ें पानी से लबालब हो गईं। छावनी, बड़ौद चौराहा और उज्जैन रोड समेत कई इलाकों में जलभराव होने से वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

लोकतंत्र सेनानियों के लिए सीएम यादव की बड़ी घोषणा

स्पेशल ट्रेन से तीर्थयात्रा, सर्किट हाउस में दो दिन ठहरने की सुविधा

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के लिए तीर्थयात्रा के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने, प्रदेश के रेस्ट हाउस और सर्किट हाउस में दो दिन निःशुल्क ठहरने, मुफ्त इलाज और एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने का ऐलान किया। साथ ही दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों की स्मृति में उनके गांव-कस्बों में शिलालेख स्थापित करने तथा पार्क, मार्ग और खेल मैदानों का नाम उनके नाम पर रखने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ताम्रपत्र से वंचित लोकतंत्र सेनानियों को भी जल्द सम्मानित किया जाएगा। बता दें ताम्रपत्र सरकार द्वारा दिया जाने वाला सम्मान-पत्र होता है। यह तांबे की प्लेट या विशेष प्रमाण-पत्र के रूप में प्रदान किया जाता है। लोकतंत्र सेनानियों के लिए ताम्रपत्र यह प्रमाणित करता है कि संबंधित व्यक्ति ने 1975-77 के आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया और उसे सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से लोकतंत्र सेनानी के रूप में मान्यता दी गई है।

रवींद्र भवन में आयोजित लोकतंत्र सेनानी प्रादेशिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और लोकतंत्र सेनानियों पर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर 96 वर्षीय लोकतंत्र सेनानी लक्ष्मी नारायण पाटीदार, 95 वर्षीय शांति लाल संघवी तथा पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता का विशेष रूप से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में आपातकाल पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

आपकी वजह से भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष स्वतंत्रता आंदोलन की दूसरी लड़ाई के समान था। उन्होंने कहा कि आपातकाल के कठिन दौर में लोगों की बिना अपील, बिना दलील और बिना सुनवाई जेलों में डाल दिया जाता था। ऐसे समय में लोकतंत्र की रक्षा के लिए जिन लोगों ने संघर्ष किया, उन्हीं की बदौलत आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार से निकला व्यक्ति आज देश का प्रधानमंत्री बन सकता है, यह लोकतंत्र की ताकत है।

कांग्रेस ने संविधान का सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया है

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि संविधान का सबसे अधिक दुरुपयोग कांग्रेस ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया और एक परिवार की राजनीति को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि आज देश तेजी से विकास कर रहा है, जबकि भारत के साथ आजाद हुआ पाकिस्तान लोकतांत्रिक अस्थिरता से जूझ रहा है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि संघ ने हर कठिन समय में राष्ट्रहित में अपनी भूमिका निभाई है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने तबादले को लेकर लगाई कैविएट

- 28 से 30 जून के बीच जारी होंगे आदेश, संयुक्त संचालक व प्राचार्यों के तबादले भी हुए

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्वैच्छिक तबादलों को लेकर शिक्षकों के विरोध को दरकिनार करते हुए अब संभावित कानूनी चुनौती से निपटने की तैयारी भी शुरू कर दी है। विभाग ने स्थानांतरण आदेश जारी करने से पहले हाईकोर्ट में कैविएट दायर कर दी है। इसके साथ ही संयुक्त संचालक, प्राचार्य और अन्य अधिकारियों के तबादला आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। इससे पहले सहायक संचालकों की पदस्थापना के आदेश जारी किए जा चुके हैं। अब 24 जून तक ऑनलाइन प्राप्त स्वैच्छिक तबादला आवेदनों के आधार पर भी जल्द आदेश जारी किए जाएंगे।

लोक शिक्षण संचालनालय ने विभागीय स्थानांतरण नीति-2026 के तहत संभावित कानूनी विवादों को देखते हुए कैविएट सूचना जारी की है। विभाग के अनुसार प्रशासनिक एवं स्वैच्छिक आधार पर स्थानांतरण आदेश 28 से 30 जून 2026 के बीच जारी किए जाएंगे। विभाग को आशंका है कि तबादलों के बाद कई कर्मचारी हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में न्यायालय विभाग का पक्ष सुने बिना कोई अंतरिम आदेश जारी न करे, इसके लिए पहले से ही कैविएट दायर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संचालनालय ने 25 जून को इस संबंध में अधिकारिक सूचना जारी कर कर्मचारियों और आमजन को भी अवगत कराया है।

राज्य शासन ने मध्य प्रदेश पंचायत नल जल योजना संचालन संधारण एवं प्रबंधन नियम 2026 किया जारी...

अब गांवों को देना होगा पानी का टैक्स

भोपाल। जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश के गांवों में नल जल योजना तो पहुंच गई, लेकिन अब योजना को लगातार चलाए रखने के लिए पंचायतें लोगों से इसका टैक्स भी वसूलेंगी। इसके लिए राज्य शासन ने मध्य प्रदेश पंचायत नल जल योजना संचालन संधारण एवं प्रबंधन नियम 2026 जारी कर दिए हैं। नल जल योजना के प्रबंधन के लिए पंचायतों को योजना के रखरखाव, नए कनेक्शन, बिजली बिल से लेकर इस सब के लिए टैक्स वसूलने तक के अधिकार दे दिए हैं।

राज्य सरकार ने जल कर वसूल का फॉर्मूला भी तय कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल कर के रूप में हर माह 100 रुपए प्रतिमाह राशि ली जाएगी। नल जल योजना के पानी का गलत उपयोग करने पर 500 रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जाएगा।

पंचायतों को लेकर नए नियम में कई प्रावधान

नगरीय निकायों के बाद अब पंचायतों में भी नल जल योजना के लिए जल प्रभार निर्धारण करने और इसे वसूली किया जाएगा। ग्रामीण एकज जल प्रदाय योजना के लिए, बिजली बिलों का भुगतान निकायों को हर माह करना होगा। इसका प्रबंधन संबंधित पंचायत को ही करना होगा। पंचायतों की यह भी जिम्मेदारी होगी कि वह पानी की फिजूल खर्ची को रोके और यदि कोई पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होती है, जो वह उसकी मरम्मत कराएं। नए पानी कनेक्शन कराने

की जिम्मेदारी भी पंचायत की ही होगी। नए नियमों में कई प्रावधान किए गए हैं। जल प्रभार की राशि हर माह जमा न करने और बकाया राशि की वसूली न होने पर उपभोक्ता का नल कनेक्शन खत्म किया जा सकेगा। पंचायत पानी समिति के प्रस्ताव पर समय सीमा निर्धारित कर इसके बाद 5 से 10 फीसदी तक का जुर्माना लगा सकेंगी। नल जल से सप्लाई होने वाले पीने के पानी का दुरुपयोग गाड़ी धोने, जानवरों को नहलाने, कृषि कार्य में करता है या फिर लाइन में मोटर जोड़कर पानी खींचता हुआ पाए जाने पर 100 रुपए से लेकर 500 रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। ग्राम पंचायतों नल जल योजना के संचालन और रखरखाव के लिए ऑपरेटर रख सकेंगी। इसका भुगतान लिए जाने वाले जल प्रभार की राशि में से किया जाएगा।

पानी के लिए हर माह करना होगा भुगतान

नए नियमों के तहत अब ग्रामीण उपभोक्ताओं को भी हर माह पीने के पानी के लिए निर्धारित राशि का भुगतान करना होगा। यह राशि 100 रुपए से 120 रुपए प्रतिमाह हो सकती है। आदिवासी विकासखंडों में घरेलू उपभोक्ताओं से 60 रुपए प्रतिमाह की राशि ली जाएगी। इसके घर के लिए नया कलेक्शन लेने के लिए 1 हजार रुपए से लेकर ढाई हजार रुपए तक की राशि का भुगतान करना होगा। इसमें एससी-एसटी परिवारों को नए नल कनेक्शन के लिए 1 हजार रुपए, जबकि अन्य परिवारों को इसके लिए 2500 रुपए की राशि देनी होगी। यदि पंचायतों में किसी व्यवसायिक गतिविधि के लिए नल कलेक्शन लिया जाता है, तो इसके लिए 8000 हजार रुपए का भुगतान करना होगा।

आवेदन के 30 दिन में मिलेगा कनेक्शन

पंचायत में नया पानी कनेक्शन के लिए आवेदन की तारीख से 30 दिन का समय निर्धारित किया गया है। पंचायतों की जिम्मेदारी होगी कि सप्लाई होने वाले पानी की गुणवत्ता की जांच कराए। इसके लिए फील्ड टेस्ट किट से नियमित अंतराल पर जांच कर इसकी रिपोर्ट पंचायतों को पंचायत विभाग के पोर्टल से जरिए शासन को भेजनी होगी। पानी की जांच पीएचई विभाग के जिला प्रयोगशाला में कराई जाएगी। पानी दूषित मिलने पर पानी की सप्लाई बंद करना होगी। इसमें सुधार का काम पीएचई और जल निगम द्वारा किया जाएगा।

पंचायतों में बनानी होगी पानी समिति

पंचायतों नल जल योजना के तहत पानी की सप्लाई और इसके रखरखाव के लिए सभी पंचायतों में पानी समिति का भी गठन करना होगा। इस समिति का अध्यक्ष सरपंच होगा। जबकि सचिव समिति का पदेन सचिव होगा। समिति में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, रोजगार सहायक सदस्य होंगी। इसके अलावा अधिकतम 20 लोगों को नामांकन सदस्य बनाया जा सकेगा। ग्राम पंचायत के हर वार्ड से एक व्यक्ति को पानी समिति में सदस्य बनाया जाएगा। समिति में 50 फीसदी महिलाओं को रखा जाएगा। इसके अलावा एससी-एसटी वर्ग के आरक्षण का भी ख्याल रखना होगा।

संविदा कर्मियों के ट्रांसफर अवैध - हाईकोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने संविदा कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि यदि नियुक्ति अनुबंध में तबादले का प्रावधान नहीं है, तो सेवा अवधि के दौरान उनका ट्रांसफर नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि संविदा नियुक्ति स्थायी सरकारी सेवा से अलग होती है और इसमें अनुबंध की मूल शर्तों का पालन अनिवार्य है। ऐसे में बीच कार्यकाल में तबादला करना अनुबंध की भावना के विपरीत और गैरकानूनी है। कोर्ट ने राज्य सरकार के ट्रांसफर आदेश को निरस्त करते हुए कहा कि यदि सरकार नई व्यवस्था लागू करना चाहती है तो वह वर्तमान अनुबंध समाप्त होने के बाद नए नियमों के साथ नई नियुक्तियां या अनुबंध लागू कर सकती है।

एमपी में 10.35 लाख बुजुर्ग अब भी आयुष्मान योजना से बाहर

भोपाल । मध्य प्रदेश में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़ने का अभियान अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रहा है। राज्य में इस आयु वर्ग की अनुमानित आबादी 26.01 लाख है, लेकिन अब तक केवल 15.66 लाख वरिष्ठ नागरिकों के ही आयुष्मान कार्ड बन पाए हैं। इसका मतलब है कि करीब 10.35 लाख बुजुर्ग अभी भी योजना के दायरे से बाहर हैं और उन्हें सरकार की ओर से मिलने वाली पांच लाख रुपये तक की निशुल्क उपचार सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते हैं कि कई जिलों ने आवेदन और कार्ड निर्माण में बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन राज्य की बड़ी आबादी तक योजना की पहुंच अभी भी अधूरी है। सबसे बड़ी चुनौती पात्र बुजुर्गों का पंजीकरण है। बड़ी संख्या में ऐसे वरिष्ठ नागरिक हैं, जिनका नामांकन अभी तक नहीं हो पाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अभियान की वर्तमान रफ्तार जारी रही तो सभी पात्र बुजुर्गों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य समय पर पूरा करना मुश्किल हो सकता है।

आवेदन में इंदौर अव्वल, भोपाल छठे स्थान पर

आयुष्मान कार्ड के लिए प्राप्त आवेदनों के आधार पर इंदौर प्रदेश में पहले स्थान पर है। यहां 81,489 वरिष्ठ नागरिकों ने आवेदन किया है। इसके बाद उज्जैन में 74,480, बालाघाट में 58,101, सागर में 57,700 और छिंदवाड़ा में 52,895 आवेदन दर्ज किए गए हैं। राजधानी भोपाल इस सूची में छठे स्थान पर है, जहां 52,518 वरिष्ठ नागरिकों ने आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन किया है। राजधानी होने के बावजूद भोपाल का शीर्ष पांच जिलों में शामिल न हो पाना अभियान की पहुंच और जागरूकता पर सवाल खड़े करता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जानकारी का अभाव

योजना के विस्तार में सबसे बड़ी बाधा ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में जागरूकता की कमी बन रही है। कई गांवों में बुजुर्गों को अभी तक यह जानकारी नहीं है कि वे आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज के पात्र हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों के आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और अन्य जरूरी दस्तावेज अद्यतन नहीं हैं, जिससे पंजीकरण प्रक्रिया प्रभावित हो रही है।

तकनीकी अड़चनें भी बन रहीं बाधा

ऑनलाइन आवेदन और ई-केवाईसी की प्रक्रिया भी कई बुजुर्गों के लिए चुनौती साबित हो रही है। इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी, डिजिटल साक्षरता का अभाव और कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) तक पहुंचने में आने वाली दिक्कतें अभियान की गति को धीमा कर रही हैं। कई मामलों में बायोमेट्रिक सत्यापन में तकनीकी समस्याएं आने से आवेदन लंबित हो जाते हैं। वृद्धावस्था के कारण फिंगरप्रिंट स्पष्ट न होने से भी सत्यापन प्रक्रिया प्रभावित होती है। आयुष्मान योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों को महंगे इलाज के बोझ से राहत देना है। ऐसे में 10 लाख से अधिक पात्र बुजुर्गों का अभी भी योजना से बाहर होना चिंता का विषय है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रशासन गांव-गांव विशेष शिविर लगाकर दस्तावेज सत्यापन, ई-केवाईसी और कार्ड निर्माण की प्रक्रिया को सरल बनाए, तो अभियान को गति मिल सकती है।

मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर के बेटे से मारपीट करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। अरेरा हिल्स थाना इलाके में स्थित विधायक विश्राम गृह (एमएलए रेस्ट हाउस) के बाहर मुरैना से कांग्रेस विधायक दिनेश गुर्जर के बेटे से मारपीट और अड़ीबाजी की घटना में पुलिस ने देर रात घेराबंदी करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि पुलिस पहले ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं दूसरे पक्ष ने भी विधायक पुत्र और उसके साथियों पर थाने के अंदर मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। गिरफ्तार युवकों की मां उषा यादव का आरोप है, कि विवाद के दौरान उनके बेटों के साथ मारपीट की गई। मामले में पुलिस ने विधायक के बेटे देवराज सिंह गुर्जर की शिकायत पर नौ लोगों के खिलाफ मारपीट, अड़ीबाजी समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया था। पुलिस पहले ही पांच युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जबकि चार आरोपियों को पुलिस ने बीती देर रात गिरफ्तार कर लिया। बताया गया है की आरोपियों को पुलिस शुक्रवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की तैयारी में है। थाना पुलिस का कहना है की दोनों पक्षों के आरोपों की जांच की जा रही है। घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज समेत साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बताया गया है की यादवपुरा निवासी रोहन यादव अपने ममेरे भाई हनी के साथ कार से एमएलए रेस्ट हाउस पहुंचा था। इसी दौरान उसकी कार वहां खड़ी दूसरी कार से हल्के से टकरा गई और दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी। मारपीट में विधायक पुत्र देवराज को चोट आई है। देवराज गुर्जर बिजनेस करते हैं, और परिवार के साथ रेस्ट हाउस में रहते हैं। उनका कहना है की बुधवार रात करीब साढ़े 12 बजे वह खाना खाकर एमएलए रेस्ट हाउस की बालकनी में टहल रहे थे। उसी दौरान रेस्ट हाउस के नीचे कुछ युवक शराब पीकर हंगामा करते नजर आए। देवराज ने नीचे जाकर उन्हें परिसर से जाने के लिए कहा।

पेपर लीक के बाद अब किताबें भी लीक

- कांग्रेस ने एनसीईआरटी और केंद्र सरकार को घेरा, राष्ट्रपति को पत्र लिख दी जानकारी

भोपाल। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने एनसीईआरटी द्वारा जारी उस चेतावनी पत्र को लेकर राष्ट्रपति को विस्तृत पत्र भेजा है, जिसमें अभिभावकों और विद्यार्थियों को नकली एवं पायरेटेड एनसीईआरटी पुस्तकों से सावधान रहने की सलाह दी गई है। त्रिपाठी ने कहा कि इस सर्कुलर ने देश की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस ने देश को गिरती हुई शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए की कैसे केंद्र सरकार पर शिक्षा माफिया हावी हो चुका है,इस विवाद को शुरुआत एनसीईआरटी के उस सर्कुलर से हुई जिसे जारी कर एनसीआरटी ने देश के अभिभावकाओ को नकली किताबों से सावधान रहने की नसीहत दी, पत्र को ले कर अभिभावकों में नाराजगी नजर आई उनका कहना है कि उन्होंने कहा कि एक ओर नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए महीनों बीत चुके हैं, वहीं दूसरी ओर सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराने का दावा करने वाली एनसीईआरटी मांग के अनुरूप मूल पुस्तकें उपलब्ध कराने में विफल रही है इस स्थिति ने शिक्षा माफियाओं, नकली प्रकाशकों और कालाबाजारी करने वाले गिरोहों को खुला अवसर प्रदान किया है, जिसका खामियाजा देश के करोड़ों अभिभावकों और विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है शिक्षा माफिया को अवसर मिला और माता पिता ठगे गए।

शिक्षा व्यवस्था पर माफिया हावी

विवेक त्रिपाठी ने कहा कि जब देश की सबसे बड़ी शैक्षणिक संस्था एनसीईआरटी को स्वयं अपनी पुस्तकों की पायरेसी को लेकर चेतावनी जारी करनी पड़ रही है,तो देश की शिक्षा व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है। त्रिपाठी ने कहा कि आज देश में अभिभावक निजी स्कूलों की मनमानी फीस, निर्धारित दुकानों से किताबें और ड्रेस खरीदने की मजबूरी तथा शिक्षा के बढ़ते व्यावसायीकरण का दंश झेल रहे हैं। इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस लगातार जनआंदोलन और विरोध प्रदर्शन कर रही है। अब पेपर लीक के बाद किताबों के लीक होने की घटनाएं यह साबित करती हैं कि भाजपा राज में शिक्षा व्यवस्था पर माफिया का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खिलाफ कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी अभियान छात्रो की गूंज की शुरुआत की है। विवेक त्रिपाठी ने कहा कि छात्रो की गूंज अभियान उन छात्रो और अभिभावकों के हितों की रक्षा के लिए है जिसे देश की सब से प्रतिष्ठ नीट परीक्षा सहित अनेक महत्वपूर्ण परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों ने मानसिक पीड़ा दी है जिसके चलते कई छात्रों ने अपनी जान गवाई है। कई परिवार आज भी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस विषम परिस्थितियों में जनमानस का लामबंद होना आवश्यक है वरना सरकार सिर्फ सर्कुलर निकाल कर खानापूर्ति करती रहेगी।

राज्यपाल मंगू भाई पटेल का बढ़ेगा कार्यकाल!

भोपाल। प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल का कार्यकाल 6 जुलाई को समाप्त हो रहा है। चर्चा है कि उनका कार्यकाल एक और टर्म बढ़ सकता है। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्वसनीय माना जाता है। राज्यपाल के रूप में उनका पूरा कार्यकाल बिना किसी विवाद का रहा है और उनकी ट्यूनिंग राज्य सरकार से काफी अच्छी है। इन सब स्थितियों को देखते हुए मंगू भाई पटेल का कार्यकाल बढ़ने की पूरी संभावना है। ऐसे में प्रदेश के राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में यह चर्चा तेज हो गई है कि उन्हें एक बार फिर राज्यपाल पद की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी या फिर राष्ट्रपति किसी नए चेहरे को मध्य प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त करेंगी। अंतिम निर्णय राष्ट्रपति भवन स्तर पर लिया जाएगा।

संविधान के अनुसार राज्यपाल का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है, हालांकि नए राज्यपाल की नियुक्ति होने तक वर्तमान राज्यपाल अपने पद पर बने रह सकते हैं। ऐसे में यदि तत्काल नई नियुक्ति नहीं होती है, तो मंगूभाई पटेल पद पर बने रह सकते हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि केंद्र सरकार जल्द ही कई राज्यों में राज्यपालों की नियुक्तियों और फेरबदल पर फैसला ले सकती है। ऐसे में मध्य प्रदेश भी इस सूची में शामिल हो सकता है। हालांकि अभी तक केंद्र सरकार या राष्ट्रपति भवन की ओर से कोई आधिकारिक संकेत नहीं मिला है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि राष्ट्रपति मंगूभाई पटेल को कार्यकाल विस्तार देती हैं या मध्य प्रदेश को नया राज्यपाल मिलता है।

आदिवासी क्षेत्रों पर रहा विशेष फोकस

गुजरात से आने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता मंगूभाई छगनभाई पटेल ने 7 जुलाई 2021 को मध्य प्रदेश के 19वें राज्यपाल के रूप में पदभार संभाला था। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने आदिवासी परिवारों में सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने और सरकारी प्रयासों की लगातार समीक्षा की। राज्य सरकार का दावा है कि इसी अभियान के चलते मध्य प्रदेश देश में सिकल सेल रोग की पहचान और नियंत्रण के प्रयासों में अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ। इसके अलावा राज्यपाल के रूप में उन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति की भूमिका निभाते हुए उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधार, शोध और नवाचार पर भी विशेष जोर दिया।

गुजरात की राजनीति से राजभवन तक

मंगूभाई पटेल लंबे समय तक गुजरात की राजनीति में सक्रिय रहे हैं। वे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे हैं और गुजरात सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। वर्ष 2014 में वे गुजरात विधानसभा के कार्यकारी उपाध्यक्ष भी रहे। संगठन और प्रशासनिक अनुभव के आधार पर उन्हें जुलाई 2021 में मध्य प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया था।

पिछले 15 वर्षों में दूसरा पूरा कार्यकाल

पिछले डेढ़ दशक में मंगूभाई पटेल दूसरे ऐसे राज्यपाल होंगे, जिन्होंने मध्य प्रदेश में अपना पूरा पांच वर्षीय कार्यकाल पूरा किया है। इससे पहले रामनरेश यादव को 8 सितंबर 2011 को मध्य प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। उन्होंने 7 सितंबर 2016 तक अपना कार्यकाल पूरा किया। इसके बाद राज्य में राज्यपाल पद पर कई बदलाव हुए। ओम प्रकाश कोहली ने अतिरिक्त प्रभार संभाला, फिर आनंदीबेन पटेल राज्यपाल बनीं। उनके बाद लालजी टंडन ने जुलाई 2019 से जून 2020 तक जिम्मेदारी निभाई। लालजी टंडन के निधन के बाद एक बार फिर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को मध्य प्रदेश का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। इसके बाद 7 जुलाई 2021 को मंगूभाई पटेल ने राज्यपाल का पद संभाला।

रिटायरमेंट से पहले जान सकेंगे कितनी मिलेगी लीव इनकैशमेंट राशि

भोपाल। मध्य प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों के लिए राहत की खबर है। अब सेवा निवृत्ति से पहले ही कर्मचारी यह आसानी से जान सकेंगे कि अर्जित अवकाश (ईएल) के बदले उन्हें कितनी राशि मिलेगी। वित्त विभाग ने लीव इनकैशमेंट (अवकाश नकदीकरण) की गणना को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए सभी विभागों में एक समान प्रक्रिया लागू करने के निर्देश दिए हैं।

नए आदेश के अनुसार किसी भी कर्मचारी को अधिकतम 300 दिनों के अर्जित अवकाश का ही नकद लाभ मिलेगा। यदि किसी कर्मचारी के खाते में 300 दिनों से अधिक ईएल जमा है, तब भी भुगतान केवल 300 दिनों तक ही सीमित रहेगा। वहीं यदि कर्मचारी पहले किसी अवसर पर अर्जित अवकाश का नकदीकरण करा चुका है, तो उतने दिनों को 300 दिन की अधिकतम सीमा से घटाया जाएगा।

गणना को लेकर खत्म होगा भ्रम

अब तक विभिन्न विभागों में लीव इनकैशमेंट की गणना अलग-अलग तरीके से की जाती थी। इससे कई बार भुगतान को लेकर कर्मचारियों और विभागों के बीच विवाद की स्थिति बन जाती थी। वित्त विभाग का मानना है कि नए दिशा-निर्देश लागू होने से पूरे प्रदेश में एक समान व्यवस्था लागू होगी और भुगतान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी तथा विवाद-मुक्त बनेगी। गौरतलब है कि सरकारी सेवा के दौरान कर्मचारियों के खाते में अर्जित अवकाश जमा होता रहता है। अधिकांश कर्मचारी अपनी सभी छुट्टियों का उपयोग नहीं कर पाते, जिसके कारण बड़ी संख्या में ईएल शेष रह जाती है। सेवा निवृत्ति अथवा सेवा काल में मृत्यु की स्थिति में इन बची हुई छुट्टियों के बदले सरकार नकद भुगतान करती है, जिसे लीव इनकैशमेंट कहा जाता है। कई कर्मचारियों के लिए यह राशि सेवानिवृत्ति लाभों का महत्वपूर्ण हिस्सा होती है और कई मामलों में यह लाखों रुपये तक पहुंच जाती है।

भारतीय टीम को सीधे सेमीफाइनल में पहुंचने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत की जरुरत

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ पांच विकेट से जीत हासिल कर सेमीफाइनल के लिए अपने दावेदारी मजूबत कर ली है पर उसकी राह अब भी आसान नहीं है। भारतीय टीम को महिला विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अब भी ऑस्ट्रेलिया को अंतिम मैच में हराना होगा। अगर इस मैच में भारतीय टीम जीती तो सीधे सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं हारी तो उसे अंकों पर आधारित रहना होगा। बांग्लादेश के खिलाफ जीत से टीम को अंक तालिका में दो महत्वपूर्ण अंकों का लाभ हुआ है। इस जीत के बावजूद भारत की सेमीफाइनल में

जगह अभी भी पक्की नहीं हुई है। ग्रुप में केवल दक्षिण अफ्रीका ही एक ऐसी टीम है जो अभी भी भारत को पीछे छोड़ सकती है। अफ्रीकी टीम को सेमीफाइनल की रेस में बने रहने के लिए अपने बाकी बचे दोनों मैच नीदरलैंड्स और बांग्लादेश के खिलाफ जीतने होंगे। अगर दक्षिण अफ्रीका ये दोनों मैच जीत जाती है, तो वह 8 अंकों पर पहुंच जाएगी।

ऐसी स्थिति में भारत को भी सेमीफाइनल का टिकट पक्का करने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हर हाल में हराना होगा। तब भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों के 8-8 अंक हो जाएंगे, और फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा। भारत के लिए इस टूर्नामेंट में सबसे बड़ा झटका नीदरलैंड्स के खिलाफ मिली हार थी, जिसने समीकरण बिगाड़ दिया। हालांकि, डच टीम को ऑस्ट्रेलिया से मिली करारी शिकस्त का खामियाजा भुगतना पड़ा है, जिससे उनका अपना रन रेट भी काफी पिछड़ गया है। 28 जून को भारत और ऑस्ट्रेलिया का मैच शुरू होने से पहले दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश का मैच होगा। इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम पर मैच में बड़ी जीत दर्ज करने का दबाव रहेगा। अगर दक्षिण अफ्रीका अपने दो आगामी मैचों में से एक भी मुकाबला हार जाती है, तो वह अधिकतम 6 अंकों तक ही पहुंच पाएगी, और ऐसी स्थिति में भारतीय टीम सेमीफाइनल की दावेदारी होगी। ऐसे में भारतीय टीम को अगर बिना किसी बाधा के सेमीफाइनल में पहुंचना है तो उसे ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा।

फीफा विश्वकप : इक्काडोर ने जर्मनी को हराकर सबसे बड़ा उलफर करते हुए नॉकआउट में जगह बनायी

मियामी। इक्केडोर की टीम ने फीफा विश्वकप फुटबॉल के अपने अंतिम ग्रुप मैच में पूर्व विश्व चैम्पियन जर्मनी को हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया है। इक्काडोर का ग्रुप स्तर के शुरुआती मैचों में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और वह एक भी गोल नहीं कर पायी थी पर अपने अंतिम मैच में उसने कोई गलती नहीं की। वहीं एक समय ऐसा लग रहा था कि टीम का टूर्नामेंट से बाहर होना तय है। वहीं टूर्नामेंट की प्रबल दावेदारों में से एक जर्मनी के सामने इक्काडोर की दावेदारी काफी कमजोर लग रही थी पर इक्काडोर ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए शुरुआत में एक गोल से पिछड़ने के बाद भी वापसी करते हुए 2-1 से मुकाबला जीता। ये इस विश्वकप का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर रहा। इससे उसने राउंड ऑफ 32 में जगह बनाकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। मैच शुरू होते ही दूसरे ही मिनट में जर्मनी के लेरॉय साने ने इक्काडोर की रक्षा पंक्ति को ध्वस्त करते हुए 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। तब लगा कि इक्काडोर अब बाहर हो जाएगी पिछले कुछ मैचों में मिली असफलता से उबरकर इस बार इक्काडोर की टीम ने कोई गलती नहीं करते हमले शुरु कर दिये। जॉन येबोआ ने लगातार र जर्मन डिफेंस पर दबाव बनाये रखा। वहीं मोइसेस कैइसेडो ने मिडफील्ड में अपनी रफ्तार और फुर्ती से जर्मनी की मुश्किलें बढ़ा दीं। इसी का परिणाम ये रहा कि निल्सन अंगुलो ने जोरदार शॉट के साथ इक्काडोर की ओर से पहला गोल किया।

इस गोल से मैच बराबरी पर आ गया। इससे उत्साहित इक्काडोर ने अपने खेल को और आक्रामक कर दिया। इसी का फल उसे मिला। गोंज़ालो प्लाटा ने एक गोल कर इक्काडोर को 2-1 की बढ़त दिला दी। इससे इक्काडोर के हौंसले बुलंद हो गये। टीम ने जोरदार खेल दिखाया और जर्मनी के सार हमले विफल कर दिये। वहीं अंतिम समय में

जर्मनी ने बराबरी के गोल के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी पर वह असफल रही। इक्काडोर की रक्षापंक्ति हर हमले के सामन एक दीवार बनकर खड़ी हो गयी। सात मिनट का इंजरी टाइम समाप्त होते ही जैसे ही अंतिम लंबी सीटी बजी, और इक्काडोर को जीत मिल गयी। टीम ने पूर्व विश्व चैम्पियन के सामने असंभव सा खेल दिखाया।

अभी मेरा लक्ष्य विश्व कप जीतना , व्यक्तिगत रैंकिंग पर ध्यान नहीं दे रही -श्री चरणी

लंदन। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में शानदार गेंदबाजी कर रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिनर श्री चरणी ने कहा है कि उनका लक्ष्य अभी विश्वकप जीतना है। श्री चरणी ने कहा है कि आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में नंबर 1 गेंदबाज बनने से उन्हें खुशी हुई है पर अभी उनका ध्यान इस उपलब्धि पर नहीं है। इस स्पिनर ने कहा कि व्यक्तिगत रैंकिंग अभी उनकी प्राथमिकता नहीं है, इसकी जगह पर उनका पूरा ध्यान अभी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप पर लगा हुआ है। हाल ही में वह टूर्नामेंट के एक ही संस्करण में भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज भी बनी हैं।

चरणी ने बांग्लादेश के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी। उन्होंने शोर्ना अख्तर को आउट करके टूर्नामेंट में अपना 11वां विकेट लिया। इसके साथ ही उन्होंने पूनम यादव के 2020 संस्करण में बनाए गए 10 विकेट के भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। नंबर 1 टी20आई गेंदबाज बनने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए चरणी ने कहा, अभी मेरा पूरा ध्यान विश्व कप पर लगा हुआ है। हम टूर्नामेंट के बीच में हैं, और मेरे लिए इसमें जीत ही मायने रखती है। मैं नंबर एक टी20इ गेंदबाज बनने या किसी व्यक्तिगत रैंकिंग के बारे में नहीं सोच रही हूं। उन्होंने आगे कहा, ये चीजें अच्छी तो हैं, लेकिन फिलहाल मेरी प्राथमिकता नहीं हैं। मैं बस अपनी गेंदबाजी पर ध्यान देना देते हुए टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं।

नीदरलैंड्स जापान और स्वीडन ने नॉकआउट में प्रवेश किया

कैनसस सिटी। नीदरलैंड्स की टीम ने ट्यूनीशिया को 3-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप एफ में शीर्ष पर पहुंचने के साथ ही नॉकआउट में जगह बनायी है। वहीं एक अन्य मुकाबले में जापान और स्वीडन ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर नॉकआउट में प्रवेश किया है। नीदरलैंड्स ने आसानी से ग्रुप एफ से राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की की। इसके अलावा इसी ग्रुप में जापान और स्वीडन के बीच मुकाबला भी 1-1 से बराबरी पर रहा। जिसके कारण दोनों टीमों ने भी नॉकआउट चरण में जगह बनायी।

डच टीम पूरे ग्रुप स्तर में अपने सभी मैच जीतकर 7 अंकों के साथ ही पहले स्थान पर है। अब उनका सामना सोमवार को मॉन्टेरी में राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में मोरक्को से होगा। वहीं

जापान ने 5 अंकों के साथ ग्रुप एफ में दूसरा स्थान हासिल किया है और अब उसे पांच बार की विजेता ब्राजील से मुकाबला करना है। वहीं स्वीडन की टीम भी 4 अंक लेकर तीसरे नंबर पर रही टूर्नामेंट की 8 सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल होने के साथ ही नॉकआउट में जगह बनाने में सफ रही है। दूसरी ओर ट्यूनीशियाई टीम बिना कोई अंक हासिल करे टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है।

कैनसस सिटी में खेले गए मैच में नीदरलैंड्स की टीम शुरुआत से ही ट्यूनीशिया पर हावी रही। मैच के तीसरे मिनट में ट्यूनीशिया के कप्तान एल्येस स्कीरी ने गलती से एक आत्मघाती गोल कर डच टीम को बढ़त दे दी। वहीं आठवे मिनट में ब्रायन ब्रॉबी ने एक गोल कर इस बढ़त को दोगुना कर दिया। वहीं पहले ही मैच से पहले बाहर हो चुकी ट्यूनीशियाई टीम ने दूसरे हाफ में कुछ संघर्ष किया और 54वें मिनट में एक गोल किया। यह पूरे टूर्नामेंट में ट्यूनीशिया का केवल दूसरा गोल था। इसके बाद नीदरलैंड्स की ओर से 62वें मिनट में जान पॉल वान हेके ने हेडर के जरिये गोल कर अपनी टीम को 3-1 से आगे कर दिया। वहीं दूसरी ओर, आर्लिंग्टन में खेले गए एक अन्य रोमांचक मुकाबले में जापान और स्वीडन के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा, जिसने दोनों ही टीमों के लिए नॉकआउट की राह आसान हो गयी। इस मुकाबले में ब्रेक के बाद जापान ने 56वें मिनट में एक गोल कर बढ़त हासिल की। माएदा ने ये गोल किया। इसके छह मिनट बाद ही स्वीडन ने एक गोल दागकर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। एंथनी इलांगा ने एक शानदार शॉट लगाया और स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। मैच के अंतिम मिनटों में स्वीडन ने गोल दागने के कई प्रयास किये पर वह जापानी रक्षापंक्ति को नहीं भेद पाये।

वैभव ने सोशल मीडिया पोस्ट कर लिखा, नया अध्याय

बेलफास्ट। आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के ठीक पहले भारतीय टीम में शामिल 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के एक पोस्ट से तहलका मच गया है। इसमें वैभव ने केवल दो शब्द लिखे, नया अध्याय पर इससे दुनिया भर में क्रिकेट खेलने वाली टीमों में सनसनी फैल गयी। वैभव ने 14 साल की उम्र में आईपीएल डेब्यू के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। आईपीएल में उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ केवल 35 गेंदों में ही शतक लगाया था। वहीं एक साल बाद उन्होंने आईपीएल में फिर धमाका करते हुए 778 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीती। वहीं श्रीलंका में त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज में श्रीलंका ए के खिलाफ केव 29 गेंदों में ही 94 रन बनाये। इसी असाधारण प्रदर्शन से वैभव को भारतीय टीम में जगह मिली। टीम चयन के समय मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी कहा था, असल में तो उन्होंने स्वयं को ही चुन लिया है।

भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल के लिए दावेदारी मजबूत की

लंदन । सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की आक्रामक अर्धशतकीय पारी की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला टी20 विश्वकप मुकाबले में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल के लिए अपनी संभावनाएं मजबूत की हैं। इस मैच में बांग्लादेश ने भारतीय टीम को जीत के लिए 137 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे भारतीय टीम ने केवल 16.5 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज की है। शेफाली वर्मा ने केवल 34 गेंदों में ही 8 चौकों और 1 छक्के की मदद से 53 रन बनाये। वहीं मध्यक्रम में जेमिमा रोड्रिग्स ने भी केवल 15 गेंदों में 26 रन बना दिये। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर 13 रन बनाकर नाबाद रहीं। बांग्लादेश की ओर से रितु मोनी ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए।

इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने चार मैचों में छह अंकों के साथ ही अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। अब भारतीय टीम को सीधे सेमीफाइनल में पहुंचने अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराना होगा। भारतीय टीम का ग्रुप स्तर का ये अंतिम मुकाबला रविवार को ऑस्ट्रेलिया से होगा। अगर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से हारी तो उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहन होगा।

इससे पहले, बांग्लादेश ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 136 रन बनाए थे। इस मैच में भारतीय टीम की फिल्डिंग उम्मीद के अनुसार नहीं रही।

पेपे के दो गोल से आइवरी कोस्ट ने कुरासाओ को हराकर पहली बार नॉकआउट में जगह बनायी

न्यूजर्सी । निकोला पेपे के दो शानदार गोल से आइवरी कोस्ट ने फीफा विश्वकप फुटबॉल में कुरासाओ को 2-0 से हराकर पहली बार नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है क्योंकि आइवरी कोस्ट इससे पहले तीन बार ग्रुप स्तर से ही बाहर हो गयी थी। इस बार इस टीम ने कोई गलती नहीं करते हुए ग्रुप ई में जर्मनी के बाद दूसरे स्थान पर रहते हुए कुल 6 अंक हासिल कर दूसरे दौर में जगह बनायी।

मैच के सिर्फ केवल सातवे मिनट में ही यान डियोमांडे के एक बेहतरीन पास को गोल में बदलने में पेपे ने कोई गलती नहीं की। इससे आइवरी कोस्ट ने मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। पहले हाफ में मिली इस बढ़त के बाद दूसरे हाफ में भी आइवरी कोस्ट ने हमले जारी रखे और विरोधी टीम पर दबाव बनाये रखा। मैच के 64वें मिनट में इब्राहिम संगारे ने कुरासाओ की डिफेंस को भेदकर एक बेहतरीन पास दिया जिसपर एक बार फिर पेपे ने गोल दागने में गलती नहीं की इस दूसरे गोल के साथ पेपे ने अपना ब्रेस पूरा किया और आइवरी कोस्ट की जीत तय कर दी थी।

यह डबल पेपे अपने इन दोनो गोलों से आईवरी कोस्ट के नये स्टार बनकर उभरे हैं। इस प्रदर्शन के साथ ही पेपे विश्वकप में एक से अधिक गोल करने वाले आइवरी कोस्ट के पांचवे खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले डिडिएर ड्रोग्बा, जेरविन्हो, अरुना डिंडाने और विल्फ्रेड बोनी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने दो गोल दागे थे। इस जीत से टीम को भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी।

इंग्लैंड ने पेनाल्टी शूटआउट में भारत को 4-1 से हराया

लंदन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को इंग्लैंड के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मैच में हार का सामना करना पड़ा है। ये मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और निर्धारित समय तक दोनो ही टीमें 2-2 से बराबरी पर रहीं। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

इस मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से दिलप्रीत सिंह ने 10वें और 58वें मिनट में दो गोल किये। वहीं इंग्लैंड की ओर से डेविड गुडफील्ड ने 29वें मिनट और निकोलस बांडुरक ने 56वें मिनट में गोल दागकर बराबरी पर ला दिया।

नियमित समय तक दोनो ही टीमें बराबरी पर रहीं जिससे मुकाबला शूटआउट में चला गया। इसमें इंग्लैंड का प्रदर्शन बेहतरीन रहा। थॉमस सोर्सबी, जेम्स अल्बेरी और कप्तान

जैकरी वालेस ने गोल किये। वहीं भारत की ओर से केवल हरमनप्रीत सिंह ही एकमात्र गोल कर पाए। इससे इंग्लैंड ने 4-1 से जीत हासिल कर महत्वपूर्ण बोनस अंक अर्जित किया।

इस मैच का पहला हाफ काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया और एकदूसरे पर कई हमले किये। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में अच्छी शुरुआत की और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया पर उसे गोल में बदल नहीं पायी। इंग्लैंड को भी पांचवें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर मिला पर भारतीय डिफेंस ने इस प्रयास को विफल कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में इंग्लैंड ने 29वें मिनट में डेविड गुडफील्ड के मैदानी गोल से बराबरी हासिल की, जिससे पहला हाफ 1-1 पर समाप्त हुआ। तीसरा क्वार्टर काफी रक्षात्मक रहा, जिसमें दोनों टीमों का डिफेंस मजबूत बना रहा और स्कोर 1-1 ही रहा।

चौथे क्वार्टर में खेल ने फिर तेजी पकड़ी। इंग्लैंड ने मैच खत्म होने से सिर्फ चार मिनट पहले निकोलस बांडुरक की ड्रैग फ्लिक से 2-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद भारतीय टीम ने दो मिनट बाद ही, यानी 58वें मिनट में, दिलप्रीत सिंह के गोल से स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंच गया।

पावर-हिटिंग और कौशल विकास के लिए पाकिस्तानी क्रिकेटरों को अमेरिका भेजेंगे - हेसन

लाहौर। पाकिस्तान की सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा है कि पाकिस्तान बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ियों को पावर-हिटिंग और समग्र कौशल विकास के लिए अमेरिका भेजने पर विचार कर रहा है। हेसन के अनुसार ये पहल उभरते हुए क्रिकेटरों को नये माहौल में प्रशिक्षित कर उनकी फिटनेस और खेल को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। साथ ही कहा कि यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। हैसन के अनुसार इसे पाक क्रिकेट में बड़े बदलाव का प्रयास भी माना जा सकता है। हेसन ने बताया है कि बोर्ड इस मामले में बातचीत कर रहा है। कोच के अनुसारी कई महीनों तक चलने वाली इस पहल का मकसद न सिर्फ़ खिलाड़ियों की अनजान माहौल में पावर-हिटिंग क्षमता को बेहतर बनाना है, बल्कि उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की फ़िटनेस पर भी काम करना है जिनका करियर चोटों की वजह से प्रभावित हुआ है।

हेसन ने कहा कि हम कुछ खिलाड़ियों को अमेरिका भेज रहे हैं। वहाँ पावर-हिटिंग की अच्छी विशेषज्ञता मौजूद है और हम कुछ विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो लंबे समय से चोटों से जूझ रहे हैं, और हम उन्हें पावर-हिटिंग के अलग-अलग तरीकों और सीखने के एक नए माहौल से परिचित कराना चाहते हैं, ताकि वे एक ही जगह पर चार महीने बिताकर कुछ नए और ताज़ा विचार सीख सकें हेसन ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि यह प्रोग्राम सिर्फ़ एक मकसद के लिए नहीं, बल्कि कई मकसदों के लिए है, जिसमें खिलाड़ियों की ट्रेनिंग का तरीका बदलना भी शामिल है। इससे पहले पीसीबी के स्पोर्ट्स और एक्सरसाइज़ मेडिसिन डायरेक्टर, डॉ. जावेद मुग़ल ने कहा कि पेशेवर क्रिकेट में फ़िटनेस से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और इसी को देखते हुए पीसीबी ने एक मज़बूत, भरोसेमंद और बार-बार इस्तेमाल की जा सकने वाली टेस्टिंग और स्क्रीनिंग प्रक्रिया तैयार की है, जिसे सभी खिलाड़ियों पर लागू किया जा रहा है। हेसन ने कहा कि यह निश्चित रूप से सिर्फ़ स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग तक सीमित नहीं है।

अभी विश्वकप पर ही मेरा ध्यान , संन्यास सहित अन्य बातों पर विचार नहीं कर रहा - मेसी

डलास। फीफा विश्वकप में अपने शानदार प्रदर्शन से नये रिकार्ड बना रहे। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी का कहना है कि अभी उनका ध्यान विश्वकप में अपनी टीम को जीत दिलाने पर है। इसलिए कब वह सन्यास लेंगे ओर 2030 विश्वकप खेलेंले या नहीं जैसे सवाल अभी नहीं करने चाहिये। मेसी की उम्र 39 साल की हो गयी है जिससे प्रशंसकों के मन में इस प्रकार के सवाल आते रहते हैं। वहीं मेसी का कहना है कि वह कब तक खेलने ये फिटनेस के साथ ही इसपर निर्भर करेगा कि उनका शरीर आने वाले समय में कैसा रहता है। इसलिए अभी से भविष्य में क्या होगा वह नहीं कह सकते। अपने खेलने को लेकर भी वह अभी से कोई भी वादा नहीं कर सकते। इसकी जगह पर उनका पूरा ध्यान अभी वर्तमान पर और चल रहे टूर्नामेंट में अपनी टीम को सफल बनाने में मदद करने पर है।

इस स्टार खिलाड़ी ने कहा है कि मेसी ने साफ़ किया कि फ़िलहाल उनके मन में रिटायरमेंट का कोई विचार नहीं है। मेसी ने कहा कि हाँ मैं कुछ समय और खेलता रहूँगा, जब तक मैं योगदान दे सकता हूँ, शारीरिक रूप से अच्छा महसूस करता हूँ और अपने साथियों की मदद कर सकता हूँ! मैं खेलता रहूँगा। इस बयान से साफ है कि आठ बार बैलन डीओर जीतने वाले मेसी अपना करियर जारी रखना चाहते हैं, लेकिन सिर्फ़ तब तक, जब तक उन्हें लगता है कि वह शीर्ष स्तर पर खेल सकते हैं। मेसी की ये बातें तब सामने आई हैं जब अर्जेंटीना अपने खिताब को बचाने के अभियान के तरत आगे बढ़ रहा है। अभी तक उसने अपने ग्रुप जे के दोनों मैच जीते हैं और राउंड ऑफ़ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। अर्जेंटीना ने अल्जीरिया के खिलाफ़ 3-0 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। मेसी ने ज़बरदस्त खेल दिखाते हुए हैट्रिक लगाई और तीनों गोल किए। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया और एक मैच बाकी रहते ही अगले दौर के लिए क्वालिफ़ाई कर लिया।

लंदन जैनिक सिनर विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर उतरते ही रचेंगे इतिहास

लंदन। अगले सप्ताह 29 जून को शुरु हो रही विंबलडन टेनिकस चैंपियनशिप में इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर अपना पहला मैच खेलते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम करेंगे। विंबलडन में सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलना टेनिस के सबसे बड़े सम्मानों में से एक माना जाता है और मौजूदा चैम्पियन होने के कारण इस बार सिनर को ये सम्मान मिलेगा। वह ये सम्मान हासिल करने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। उन्होंने पिछले साल एकल खिताब जीतकर यह अधिकार हासिल किया है कि वह आगामी 2026 चैंपियनशिप की शुरुआत करेंगे।

सिनर ने इस ऐतिहासिक अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, मेरे लिए सेंटर कोर्ट पर खेल की शुरुआत करना रोमांचक पल होगा। यहाँ का माहौल अनोखा है, दुनिया भर के टेनिस कोर्ट पर मिलने वाले किसी भी अनुभव से बिल्कुल अलग। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन मैं चैंपियनशिप के पहले मैच के लिए उस लॉन और उस स्टेडियम में कदम रखूंगा। यह सम्मान सिनर की करियर की एक और बड़ी उपलब्धि है, जो उन्हें इटालियन टेनिस इतिहास में एक विशेष स्थान दिलाती है।

सिनर की ही तरह पोलैंड की महिला खिलाड़ी इगा स्वियातेक भी अपनी करियर की सबसे यादगार जीतों में से एक वाली जगह पर लौटेंगी और दूसरे दिन खेल की शुरुआत करेंगी। स्वियातेक के संयम और अटूट लगन की बदौलत ही वह पिछले साल वीनस रोज़वॉटर डिश जीतने वाली पहली पोलिश खिलाड़ी बनीं। स्वियातेक अपनी इस बड़ी उपलब्धि को याद करते हुए कहती हैं, ट्रॉफी उठाना शब्दों से परे का अनुभव था, क्योंकि ग्रास कोर्ट के हिसाब से अपने खेल को ढालना एक लंबी प्रक्रिया रही है। मैंने अपने फुटवर्क को बेहतर बनाने, कोर्ट पर अपनी पोज़िशन को लेकर ज्यादा आक्रामक होने और गेंद को जल्दी हिट करने के लिए अपनी सहज समझ पर भरोसा करने पर ध्यान दिया। मुझे इस विरासत को आगे बढ़ाने पर गर्व है और मेरी यात्रा के दौरान मुझ पर दिखाए गए भरोसे और समर्थन के लिए मैं आभारी हूं।

गौरतलब है कि विंबलडन चैंपियनशिप का समृद्ध इतिहास रहा है, और यह खेल के कई दिग्गजों का घर रहा है। 1978 में विंबलडन में टेनिस के साथ रोलेक्स का रिश्ता शुरू होने के बाद से, रोलेक्स परिवार के कई सदस्यों ने टेनिस के इस आध्यात्मिक घर पर अपनी गहरी छाप छोड़ी है। ब्योर्न बोर्ग और क्रिस एवर्ट के शुरुआती बेसलाइन गेम से लेकर स्टीफन एडबर्ग और पैट राफ्टर के सटीक सर्व-एंड-वॉली स्टाइल और हाल ही में रोजर फेडरर के शानदार सिंगल-हैंडेड बैकहैंड तक, टूर्नामेंट के इन दिग्गजों ने ग्रास-कोर्ट पर अपना हुनर दिखाया है और खेल को लगातार आगे बढ़ाया है।

केंद्रीय कैबिनेट और भाजपा संगठन में बड़े बदलाव की आहट : नितिन नवीन की तैयारी

टीम नवीन में युवाओं और महिलाओं को मिल सकता हैं मौका

नई दिल्ली। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में पहली बार कैबिनेट में बड़े फेरबदल और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठनात्मक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव की अटकलें तेज हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, इन दोनों प्रक्रियाओं को एक साथ अंजाम दिया जा रहा है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपनी नई टीम के गठन को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

वहीं बीजेपी हलकों से पहले ही संकेत मिल रहे थे कि जून के अंत तक संगठन में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं, जो केंद्रीय मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल से सीधे तौर पर जुड़े हो सकते है। गुरुवार को नितिन नवीन की कुछ राज्य मंत्रियों के साथ हुई बैठकों ने इन अटकलों को पुख्ता किया है। पार्टी के भीतर माना जा रहा है कि उत्तरप्रदेश

बीजेपी की नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद अब राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन में फेरबदल की बारी है।

यूपी की नई टीम के गठन में युवाओं और विभिन्न पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जातियों के प्रतिनिधित्व पर विशेष जोर दिया गया है। इस नई टीम के गठन को समाजवादी पार्टी के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण की प्रभावी काट के तौर पर देखा जा रहा है। इसी तर्ज पर, राष्ट्रीय संगठन में भी युवाओं, महिलाओं और विभिन्न महत्वपूर्ण जाति समूहों को अधिक प्रतिनिधित्व देने की संभावना है। पार्टी का लक्ष्य इन प्रमुख सामाजिक वर्गों में अपनी पकड़ मजबूत करना है।

इधर, केंद्रीयद मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तब तेज हो गईं, जब बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ ताबड़तोड़ बैठकें कीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार में बदलाव की प्रक्रिया को आखिरी समय तक गोपनीय रखने के लिए जाने जाते हैं, इसकारण इस मुद्दे पर आधिकारिक चुप्पी साधी गई है। हालांकि, कुछ मंत्रियों को संगठन की जिम्मेदारियां सौंपने और राज्यसभा सदस्यता का कार्यकाल न बढ़ाए जाने के बाद मंत्री जॉर्ज कुरियन के इस्तीफे ने इन चर्चाओं को हवा दी है। यह विशेष रूप से तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब सरकार बिना किसी बड़े फेरबदल के अपने तीसरे साल में प्रवेश कर चुकी है।

इसके अतिरिक्त, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के करीब 20 बागी सांसदों के एनडीए में शामिल होने और शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसदों के एकनाथ शिंदे गुट में शामिल होने की खबरों ने भी राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। ये घटनाक्रम संभावित रूप से मंत्रिमंडल विस्तार के लिए नए चेहरे ला सकते हैं। हालांकि, इन सांसदों की सदस्यता और दल-बदल को लेकर अंतिम फैसला लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निर्णय के बाद ही स्पष्ट होगा।

सड़क दुर्घटना : किसी भी राज्य ने सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का नहीं किया पालन

सरकारों की लापरवाही से हर साल होती है 1.77 लाख मौतें

नई दिल्ली। देश में हर साल सडक हादसे में करीब 1.77 लाख लोगों की मौत होती है,जो एक चौंकाने वाली कहानी बयां करता है। इसके पीछे बड़ी वजह यह है कि हादसों में घायलों की जान बचाने के लिए पूरी ट्रॉमा केयर व्यवस्था की मांग सुप्रीम कोर्ट ने की थी, लेकिन अब तक किसी राज्य में यह पूरी तरह तैयार नहीं है। पिछले 9 महीनों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने सुप्रीम कोर्ट को जो आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। उनसे यह स्थिति सामने आई है। दावा किया जा रहा है कि राज्य सरकारों की लापरवाही से हर साल सडक हादसे में मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है।

शीर्ष अदालत ने सडक दुर्घटनाओं में जान बचाने के लिए राज्यों को नौ महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए कहा था। इनमें से पांच सबसे जरूरी उपाय हैं- एक समान आपातकालीन फोन नंबर, जीपीएस से लैस एंबुलेंस, गुड समैरिटन कानून, ट्रॉमा रजिस्ट्री और बचाव कार्य के लिए तय प्रोटोकॉल। ये पांच उपाय दुर्घटना के बाद के 'गोल्डन ऑवर' यानी पहले 60 मिनट के दौरान लोगों की जान बचाने में बहुत अहम मानी जानी जाती हैं। अदालत में प्रस्तुत किए गए करीब 1200 पन्नों के दस्तावेजों से पता चलता है कि देश में सडक हादसों में होने वाली हर तीन में से दो मौते जिन आठ राज्यों में होती हैं। वह राज्य हैं- उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, बिहार और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। उनमें से 7 राज्यों ने अभी तक अपने सभी इमरजेंसी नंबरों को एकीकृत कर 112 से नहीं जोड़ा है। वहीं, कर्नाटक ने इस संबंध में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है।

आपातकालीन सहायता सुविधाओं के निर्माण में ढिलाई

शीर्ष अदालत के आदेश के 10 साल बाद भी राज्य सडक पर जान गंवाने वाले लोगों की बचाने के लिए आवश्यक आपातकालीन सहायता सुविधाओं के निर्माण में ढिलाई बरत रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि 2021 की नीति आयोग-एम्स आपातकालीन एवं चोट देखभाल रिपोर्ट के अनुसार, देश में दुर्घटनाओं से होने वाली सभी मौतों में से कम से कम 30 प्रतिशत आपातकालीन देखभाल में देरी के कारण होती हैं। दस्तावेजों से यह भी पता चलता है कि जिन राज्यों में मृत्यु दर ज्यादा है, वे ट्रॉमा रजिस्ट्री बनाने में भी पिछड़े हुए हैं, और कई राज्य अभी भी मैन्युअल डेटाबेस के आधार पर काम कर रहे हैं। ट्रॉमा रजिस्ट्री एक क्लीनिकल डेटाबेस है जो किसी मरीज की चोट लगने के स्थान से लेकर एम्बुलेंस, अस्पताल में इलाज और डिस्चार्ज तक की पूरी प्रक्रिया को रिकॉर्ड करता है।

मप्र में शिकायत निवारण प्रणाली बनाने की प्रक्रिया चल रही

मध्य प्रदेश ने कहा कि गुड समैरिटन (राहगीरों द्वारा मदद करने वालों) के लिए शिकायत निवारण प्रणाली बनाने की प्रक्रिया चल रही है। राज्य ने हाल ही में एक व्यापक ट्रॉमा केयर नीति तैयार की है, जिसमें दुर्घटना पीड़ितों के बचाव के लिए पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, रोड पेट्रोल और सडक निर्माण एजेंसी जैसी विभिन्न संस्थाओं की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। महाराष्ट्र ने कहा कि उसकी आपातकालीन चिकित्सा सेवा या केवल एम्बुलेंस में जीपीएस सिस्टम लगा है। कर्नाटक ने कहा कि उसके पास ट्रॉमा केयर रजिस्ट्री नहीं है। वह केंद्र की नीति के आधार पर ऐसा करेगा। राज्य ने कहा कि केवल 108 आरोग्य कवच योजना के तहत संचालित एम्बुलेंस की ही निगरानी केंद्रीय डैशबोर्ड के माध्यम से की जाती है। राजस्थान ने कहा कि ट्रॉमा केयर रजिस्ट्री के लिए मानक संचालन प्रक्रिया पर काम चल रहा है। गुड समैरिटन शिकायत प्रणाली के संबंध में बिहार ने कहा कि उसके पास भी इसी तरह की प्रणाली है जो चिकित्सा सहायता से संबंधित शिकायतों का समाधान करती है। ट्रॉमा केयर रजिस्ट्री के बारे में बिहार ने कहा कि ट्रॉमा केयर का पंजीकरण अलग से नहीं किया जाता है। हालांकि, दुर्घटना एवं आपातकालीन विभाग में ट्रॉमा एक डेटा तत्व है। आंध्र प्रदेश ने बताया कि उसने साल 2005 में ही 108 एम्बुलेंस सेवा को हश्चक्रस् के रूप में शुरू कर दिया था। यह 112 आपातलकालीन नंबर शुरू होने से काफी पहले की बात है।

कोर्ट ने पुलिस को दी नसीहत कहा- एग्जाम पेपर और प्राइवेट पार्ट में फर्क करें

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने एक ऐसे मामले की सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत प्राइवेसी उल्लंघन के आरोपों के दायरे पर सवाल खड़े कर दिए। हाईकोर्ट ने एक कैंडिडेट पर लगे प्राइवेसी उल्लंघन के आरोप को खारिज कर दिया, जिसे गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी) की परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र की तस्वीर खींचकर व्हाट्सएप पर भेजने का दोषी ठहराया गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी परीक्षा के पेपर की फोटो खींचना और उसे साझा करना आईटी अधिनियम की उस धारा के तहत नहीं आता, जो किसी व्यक्ति के निजी अंगों से जुड़ी निजता के उल्लंघन के लिए बनाई गई है।

जस्टिस पी एम रावल की सिंगल बेंच ने 16 जून को हार्दिक पुरोहित और राहुल पुरोहित नाम के दो भाइयों की याचिका पर यह अहम आदेश सुनाया। इन दोनों भाइयों ने वर्ष 2018 में अपने खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने न केवल आईटी एक्ट की धारा हटाई, बल्कि सरकारी आदेश की अवहेलना करने वाली धारा को भी खारिज कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने पुलिस को अन्य संभावित अपराधों के लिए अपनी जांच जारी रखने की छूट दी है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि न्याय का मार्ग बाधित न हो। यह विवाद वर्ष 2018 का है। एफआईआर के अनुसार, जीपीएससी परीक्षा के दौरान कैंडिडेट हार्दिक पुरोहित ने कथित तौर पर चालाकी से एग्जाम हॉल के अंदर प्रश्नपत्र की फोटो खींच ली थी। इसके बाद, उसने ये तस्वीरें अपने भाई राहुल पुरोहित को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज दी थीं। जब यह मामला सामने आया, तो पुलिस ने दोनों भाइयों के खिलाफ आपराधिक साजिश (आईपीसी 120-बी), सरकारी कर्मचारी के कानूनी आदेश की नाफरमानी (आईपीसी 188) और आईटी एक्ट की धारा 66-ई के तहत मामला दर्ज कर लिया। इसी एफआईआर के खिलाफ दोनों भाई न्याय के लिए हाईकोर्ट पहुंचे थे। सुनवाई के दौरान, गुजरात हाईकोर्ट ने पुलिस द्वारा लगाई गई आईटी एक्ट की धारा 66-ई पर कड़ा रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण कानूनी व्याख्या की। कोर्ट ने कानून की बारीकियों को समझाते हुए कहा कि यह धारा मुख्य रूप से किसी व्यक्ति की सहमति के बिना उसके प्राइवेट पार्ट्स (निजी अंगों) की तस्वीरें खींचने, उन्हें प्रकाशित करने या ट्रांसफर करने के अपराध से निपटने के लिए बनाई गई है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि व्हाट्सएप के जरिए भाई को क्वेश्चन पेपर की फोटो भेजना, किसी व्यक्ति के प्राइवेट एरिया की फोटो खींचने या उसे वायरल करने के दायरे में नहीं आता। इसलिए इस मामले में आईटी एक्ट की धारा 66-ई लागू ही नहीं होती। इस टिप्पणी ने कानून के सही अनुप्रयोग पर जोर दिया।

पुलिस ने इस केस में आईपीसी की धारा 188 भी लगाई थी, जो किसी लोक सेवक के कानूनी आदेश का पालन न करने पर लागू होती है। पुलिस का तर्क था कि एग्जाम हॉल में मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित था, फिर भी आरोपी मोबाइल अंदर ले गया।

सरकार की छवि खराब करने वालों पर होगी कार्रवाई, आबकारी अधिकारियों को डी.के. शिवकुमार की चेतावनी

बेंगलुरु । कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आबकारी विभाग के अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि सरकार की छवि खराब करने वाली किसी भी तरह की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करने के निर्देश दिए। डी.के. शिवकुमार ने कहा कि सरकार की प्रतिष्ठा बनाए रखना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। यदि किसी अधिकारी की कार्यशैली से सरकार की छवि धूमिल होती है या भ्रष्टाचार एवं अनियमितता की शिकायत मिलती है, तो उसके खिलाफ सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों से कानून के दायरे में रहकर निष्पक्ष और ईमानदारी से काम करने को कहा। उपमुख्यमंत्री ने विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान राजस्व संग्रह, लाइसेंस प्रक्रिया और प्रशासनिक कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि आबकारी विभाग से जुड़े सभी कार्य नियमों के अनुसार होने चाहिए और किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या अनियमितता की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। साथ ही अधिकारियों को जनता की शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार सुशासन और पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध है तथा सभी विभागों से इसी भावना के अनुरूप कार्य करने की अपेक्षा करती है। सरकार की साख बनाए रखने के लिए जवाबदेही तय की जाएगी और किसी भी तरह की लापरवाही पर कठोर कदम उठाए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने 70 साल पुराना अनोखा जमीन विवाद सुलझाया

जब विवाद हुआ था तब फैसला सुनाने वाले जज भी नहीं थे

नई दिल्ली। देश के इतिहास के सबसे लंबे चलने वाले कानूनी मामलों में से एक का अंत हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में हरिद्वार के नरसीपुर कलां गांव से जुड़े एक अनोखे और 70 साल पुराने जमीन विवाद का निपटारा कर दिया है। यह विवाद इतना पुराना है कि जिसने भी इस पर अंतिम फैसला सुनाया, वे दोनों जज तो तब पैदा भी नहीं हुए थे, जब यह कानूनी दांव-पेच शुरू हुआ था। इस ऐतिहासिक फैसले ने एक परिवार की चार पीढ़ियों द्वारा लड़ी जा रही कानूनी लड़ाई को विराम दे दिया है, जो देश के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल से होकर गुजरी है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह विवाद 4 जून 1957 को हरिद्वार के नरसीपुर कलां गांव में 15.5 बीघा जमीन की खरीद से जुड़ा है। इस जमीन को अपीलकर्ता शराफत अली के पूर्वजों ने खरीदा था, जो उस समय नाबालिग थे। इसलिए जमीन की यह खरीद उनके पिता ने की थी। शुरुआत में यह मामला दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) की कार्यवाही के रूप में शुरू हुआ, जो बाद में यूपी जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार अधिनियम, 1950 और चकबंदी ढांचे (कंसोलिडेशन फ्रेमवर्क) के दायरे में चला गया और इसकी जटिलता बढ़ती गई। इस मामले का सफर इतना लंबा और घुमावदार रहा कि इस दौरान एक के बाद एक पीढ़ियां गुजर गईं। मूल खरीदार के साथ-साथ अपीलकर्ता शराफत अली का भी इस मुकदमेबाजी के दौरान निधन हो गया, जिसके बाद उनके कानूनी उत्तराधिकारियों ने इस लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाया। इस प्रकार, एक ही परिवार की चार पीढ़ियां इस 70 साल पुरानी मुकदमेबाजी में उलझी रहीं, जो अब आखिरकार एक निर्णायक मोड़ पर पहुंची है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए एक अहम फैसला सुनाया। इससे पहले निचली अदालत (ट्रायल कोर्ट) और हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अपीलकर्ता इस सेल डीड के निष्पादन को साबित करने में विफल रहे हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत और हाईकोर्ट दोनों के निष्कर्षों को खारिज कर दिया और सेल डीड को वैध माना, जिससे अपीलकर्ताओं के पक्ष में एक महत्वपूर्ण जीत हुई।

बांग्लादेश में भारत के नए उच्चायुक्त को कैबिनेट मंत्री का दर्जा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने बांग्लादेश के साथ अपने कूटनीतिक रिश्तों को नई ऊंचाई देने और उन्हें पटरी पर लाने की दिशा में एक अहम फैसला लिया है। मोदी सरकार ने बांग्लादेश में भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी को केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के बराबर का दर्जा दिया है, जो इस पद पर नियुक्त किसी भी राजनेता के लिए एक अभूतपूर्व कदम है। अपने परिचय पत्र सौंपने के तुरंत बाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेशी नागरिकों के लिए दो साल से बंद पड़ी वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने की भी घोषणा की है।

गृह मंत्रालय ने 24 जून के एक कार्यालय ज्ञापन में बताया है कि दिनेश त्रिवेदी को टेबल ऑफ प्रेसिडेंस में बिना कोई संशोधन किए व्यक्तिगत तौर पर केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के समकक्ष दर्जा दिया गया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह दर्जा केवल औपचारिक समारोहों के लिए मान्य होगा। टेबल ऑफ प्रेसिडेंस का इस्तेमाल राजकीय और औपचारिक समारोहों के दौरान संवैधानिक अधिकारियों, मंत्रियों, जजों, राजनयिकों और अधिकारियों का पदानुक्रम तय करने के लिए किया जाता है। इस दर्जे का अर्थ है कि प्रोटोकॉल के लिहाज से उन्हें एक कैबिनेट मंत्री के समान महत्व दिया जाएगा, जिससे उनके कूटनीतिक प्रभाव और देश की ओर से दिए गए सम्मान का प्रदर्शन होगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता दिनेश त्रिवेदी बांग्लादेश में इस पद पर सेवा देने वाले पहले राजनेता हैं। उन्होंने 1994 बैच के आईएफएस अधिकारी प्रणय वर्मा की जगह ली है। यह पहली बार है जब बांग्लादेश में किसी भारतीय दूत को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है, जो बांग्लादेश के साथ भारत के विशेष संबंधों को दर्शाता है। हालांकि, इससे पहले भी भारत के कुछ प्रमुख राजदूतों को विशेष परिस्थितियों में कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिल चुका है, जैसे आईके गुजराल (यूएसएसआर), डॉ. कर्ण सिंह (अमेरिका) और त्रिलोकी कौल (यूएसएसआर)।

अपने नए पदभार संभालने के साथ ही, दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेश के सभी पांच वीजा आवेदन केंद्रों - ढाका, राजशाही, चटगांव, सिलहट और खुलना से यात्रा वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने की घोषणा की है। साल 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सत्ता से बेदखली के बाद बनी मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान यह सेवा रोक दी गई थी। दोनों देशों के बीच बिगड़ते रिश्तों और सुरक्षा हालातों को देखते हुए करीब दो साल पहले वीजा सेवाओं पर रोक लगाई गई थी, जिससे आम लोगों, पर्यटकों और व्यापारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इन सेवाओं की बहाली से दोनों देशों के बीच आवाजाही और व्यापारिक संबंध फिर से मजबूत होने की उम्मीद है।

दिनेश त्रिवेदी द्वारा परिचय पत्र सौंपने के बाद, बांग्लादेश के राष्ट्रपति के प्रेस सचिव मोहम्मद सरवर आलम ने बताया कि राष्ट्रपति शहाबुद्दीन को उम्मीद है कि त्रिवेदी के कार्यकाल में दोनों देशों के बीच लोगों पर केंद्रित और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध और अधिक गहरे होंगे। इसके जवाब में दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि दो संप्रभु राष्ट्रों के बीच दोस्ताना और सौहार्दपूर्ण संबंध होना स्वाभाविक है, जो दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत बंधनों को दर्शाता है।

पंजाब से तमिलनाडु तक कांग्रेस में बड़े बदलाव की तैयारी, राहुल गांधी संगठन को देंगे नई दिशा

नई दिल्ली। कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए देशभर में बड़े संगठनात्मक बदलाव की तैयारी कर रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे विभिन्न राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों, प्रभारियों और संगठन पदाधिकारियों में व्यापक फेरबदल की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

सबसे अधिक चर्चा पंजाब कांग्रेस को लेकर है, जहां प्रदेश अध्यक्ष बदलने पर अभी अंतिम फैसला नहीं हो सका है। पार्टी की ओर से गठित समिति, जिसमें अजय माकन, मीनाक्षी नटराजन और भजनलाल जाटव शामिल थे, अपनी रिपोर्ट नेतृत्व को सौंप चुकी है। इसके बाद राहुल गांधी ने पंजाब के वरिष्ठ नेताओं से भी अलग-अलग मुलाकात की। आंतरिक सर्वे में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी सबसे लोकप्रिय नेताओं में उभरकर सामने आए हैं, जबकि मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वाडिंग के भविष्य पर भी मंथन जारी है। विजय इंदर सिंगला, प्रताप सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा के नाम भी चर्चा में हैं। पार्टी असम, तमिलनाडु, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भी नए प्रदेश अध्यक्षों और प्रभारियों की नियुक्ति पर विचार कर रही है। इसके अलावा कांग्रेस के करीब 60 सचिवों में भी बड़े स्तर पर बदलाव की तैयारी है। पार्टी का लक्ष्य अगले दो वर्षों में होने वाले 16 राज्यों के विधानसभा चुनावों से पहले संगठन को अधिक मजबूत और सक्रिय बनाना है।

ऑपरेशन सिंदूर के 6 शहीद नेशनल वॉर मेमोरियल में होंगे अमर

सरकार ने 13 महीने बाद सार्वजनिक किए नाम

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले 6 जांबाज वीर सपूतों के नाम भारत सरकार ने करीब 13 माह बाद सार्वजनिक कर दिए हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर नामक एक ऐतिहासिक सैन्य अभियान में अपनी जान न्यौछावर की थी। अब इन वीर योद्धाओं के नाम दिल्ली स्थित इंडिया गेट के पास नेशनल वॉर मेमोरियल पर गर्व के साथ अंकित किए जाएंगे, जहां वे हमेशा के लिए अमर हो जाएंगे। यह पहली बार है जब भारत सरकार ने इस गोपनीय और सफल सैन्य अभियान में शहीद हुए जवानों के नाम देश के सामने लाए हैं। इन जवानों ने 6 और 7 मई 2025 की मध्य रात्रि को भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 9 आतंकवादी शिविरों पर किए गए एक सुनियोजित और साहसिक हमले में वीरगति प्राप्त की थी।

इन सभी छह शहीदों को दिल्ली के नेशनल वॉर मेमोरियल में विशिष्ट स्थान दिया गया है, जहां उनके नाम विशेष ग्रेनाइट ईंटों पर हमेशा के लिए उत्कीर्ण किए जाएंगे। यह स्थान देशवासियों को उनकी अद्वितीय शहादत की गाथा से परिचित कराएगा और उन्हें इन वीरों के अदम्य साहस और देशभक्ति की प्रेरणा देगा। इन छह शहीदों में भारतीय सेना के पांच जांबाज जवान और भारतीय वायुसेना के एक बहादुर सार्जेंट शामिल हैं, जिन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए देश की रक्षा का संकल्प निभाया। उनके बलिदान के सम्मान में, राइफलमैन सुनील कुमार को मरणोपरांत प्रतिष्ठित वीर चक्र से सम्मानित किया गया है, जबकि सार्जेंट सुरेंद्र कुमार को वायु सेना पदक से नवाजा गया है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, इनमें से अधिकांश जवान जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में ऑपरेशन के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए थे, जहाँ वे आतंकवादियों के खिलाफ बहादुरी से लड़ रहे थे। मुख्यालय 10 इन्फैंट्री ब्रिगेड के सूबेदार मेजर पवन कुमार, जम्मू एवं कश्मीर लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट की चौथी बटालियन के राइफलमैन सुनील कुमार, 5 फील्ड रेजिमेंट के लांस नायक दिनेश कुमार, 851 लाइट रेजिमेंट के अग्निवीर मूड मुरली नायक, 237 फील्ड वर्कशॉप के हवलदार सुनील कुमार सिंह, और भारतीय वायुसेना की 39 विंग के सार्जेंट सुरेंद्र कुमार। ऑपरेशन सिंदूर की यह कार्रवाई भारतीय सेनाओं द्वारा अप्रैल-मई 2025 में पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए उस बर्बर आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें कई भारतीय नागरिकों की निर्मम हत्या कर दी गई थी और अनेक महिलाओं का सुहाग (सिंदूर) उजड़ गया था। इस अभियान का नाम पीड़ितों के भावनात्मक दर्द और आतंकवाद के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के प्रतीक के रूप में ऑपरेशन सिंदूर रखा गया था। भारतीय सेनाओं ने इस ऑपरेशन में अपनी अप्रतिम बहादुरी और जांबाजी का परिचय दिया था, जिससे पूरे देश में व्याप्त आक्रोश का सफल बदला लिया गया।

90 करोड़ के श्मशान घाट का मुफ्त संचालन ईशा फाउंडेशन को

पटना। बिहार सरकार ने पटना के बांसघाट श्मशान को 89.40 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कर दिया है। अब यह विशाल श्मशान घाट संचालन के लिए ईशा फाउंडेशन को नि:शुल्क सौंप दिया गया है। जहां एक ओर बिहार सरकार ने इस पर भारी-भरकम राशि खर्च की है, वहीं अब अंतिम संस्कार के लिए यहां 3500 से 5000 रुपये तक का शुल्क चुकाना होगा। यह शुल्क राज्य के अन्य सरकारी घाटों पर लगने वाले 300 रुपये की रसीद से कहीं अधिक है, जो एक बड़ा विरोधाभास खड़ा करता है।

करीब 4.5 एकड़ में फैले विशाल श्मशान घाट को पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने विकसित किया है। यहां एक साथ 18 शवों का अंतिम संस्कार हो सकता है। अंतिम यात्रा में आने वाले परिजनों के लिए दो वातानुकूलित (एसी) प्रतीक्षालय भी बनाए गए हैं। शवों के सुरक्षित भंडारण के लिए मोर्चरी फ्रीजर युक्त मोर्चरी रूम और बच्चों के शवों के लिए एक अलग 30×30 का क्षेत्र भी विकसित हो रहा है, ताकि उन्हें गंगा में प्रवाहित करने से रोका जा सके।

अंतिम संस्कार के लिए यहां तीन तरह की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इसमें गुजरात से मंगवाए गए चार इलेक्ट्रिक शवदाह गृह शामिल हैं, जहां 15-20 मिनट में शव राख में बदल जाता है और यह लकड़ी के मुकाबले 90 प्रतिशत कम प्रदूषण फैलाता है। इसके अलावा, बिहार की कंपनी द्वारा निर्मित छह वुड क्रीमेसन ओवन भी हैं, जो कम लकड़ी में शव को 20-25 मिनट में भस्म करते हैं, साथ ही धुएं के निकास के लिए चिमनियां लगाई गई हैं। पारंपरिक तरीके से अंतिम संस्कार के लिए आठ अंत्येष्टि स्थल भी उपलब्ध हैं।

शुल्क की बात करें तब न्यूनतम 3500 रुपये की फीस के अतिरिक्त डोम, पंडित और लकड़ी के खर्च को मिलाकर यह राशि 5000 रुपये या उससे अधिक तक पहुंच सकती है। यदि शव को लकड़ी से जलाना हो, लकड़ी अलग से खरीदनी होगी, जो श्मशान परिसर में ही उपलब्ध होगी।

बालाघाट
शनिवार 27 जून 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बैहर एवं बिरसा में नदी-नालों के उफान वाले क्षेत्रों में प्रवेश प्रतिबंधित

एसडीएम ने 1 अगस्त तक जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश, उल्लंघन पर होगी कानूनी कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षा ऋतु के दौरान आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बैहर अनुविभाग के अनुविभागीय दण्डाधिकारी श्री अर्पित गुप्ता ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश 26 जून 2026 से तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और 01 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगा।

जारी आदेश के अनुसार मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में लगातार वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। इससे बैहर एवं बिरसा तहसील क्षेत्र की नदियों, नालों, बंजर, झरनों तथा तालाबों में जलस्तर बढ़ने और बाढ़ जैसी स्थिति बनने की आशंका है। ऐसी परिस्थितियों में जनहानि की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाए हैं।

आदेश के तहत बैहर एवं बिरसा तहसील क्षेत्र में नदी, नाला, झरना, बंजर और तालाब सहित सभी जलस्रोतों के उफान वाले स्थानों पर आम लोगों के आने-जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। बाढ़ की स्थिति में किसी भी व्यक्ति को ऐसे स्थलों से 100 मीटर की परिधि के भीतर प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, जिन पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन अथवा जमीन धंसने की आशंका है, वहां भी 100 मीटर के दायरे में आमजन का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने नदी-नालों एवं अन्य जलस्रोतों में नहाने पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया है।

एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश आमजन की सुरक्षा के हित में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(2) के अंतर्गत एकपक्षीय रूप से जारी किया गया है। आदेश से प्रभावित कोई भी व्यक्ति धारा 163(5) के तहत सक्षम न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। विशेष परिस्थितियों में नियमानुसार छूट प्रदान की जा सकेगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे वर्षा के दौरान नदी-नालों और अन्य जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें तथा प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन कर अपनी एवं दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

ढाई साल बाद भी अधूरा जागपुर घाट पुल इस बारिश भी ग्रामीणों को नहीं मिलेगी राहत

करीब 19.37 करोड़ की लागत से बन रहा उच्चस्तरीय पुल समय सीमा में पूरा होना असंभव

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वैनगंगा नदी पर जागपुर घाट में बन रहा बहुप्रतीक्षित उच्चस्तरीय पुल एक बार फिर सुर्खियों में है। लगभग ढाई वर्ष पहले बड़े उत्साह के साथ शुरू किया गया यह निर्माण कार्य अब भी अधूरा पड़ा हुआ है। पुल निर्माण की निर्धारित समय-सीमा 28 जून 2026 समाप्त होने वाली है, लेकिन मौके की स्थिति यह साफ संकेत दे रही है कि इस अवधि में निर्माण पूरा होना संभव नहीं है। ऐसे में इस वर्ष भी बारिश के दौरान जागपुर सहित आसपास के दो दर्जन से अधिक गांवों के हजारों ग्रामीणों को बालाघाट आने-जाने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा।

करीब 19 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से निर्मित हो रहा लगभग 400 मीटर लंबा उच्चस्तरीय पुल क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए वर्षों से उम्मीद का केंद्र बना हुआ है। पुल का निर्माण कार्य 29 जून 2023 को शुरू किया गया था और अनुबंध के अनुसार इसे 28 जून 2026 तक पूरा किया जाना था। लेकिन निर्धारित समय सीमा समाप्त होने में अब केवल कुछ दिन शेष हैं, जबकि पुल का अधिकांश कार्य अभी भी अधूरा है। निर्माण स्थल पर काम की गति इतनी धीमी है कि समय पर परियोजना पूरी होने की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी है। सबसे अधिक परेशानी उन ग्रामीणों को होगी जो हर वर्ष बारिश के मौसम में वैनगंगा नदी के कारण आवागमन की समस्या झेलते हैं। पुल बनने के बाद जागपुर से बालाघाट की दूरी महज दो किलोमीटर रह जाएगी, लेकिन फिलहाल ग्रामीणों को रेंगाटोला और गर्रा होकर लगभग 10 से 12 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ता है। बरसात में यही लंबा रास्ता उनकी मजबूरी बन जाता है। इस पुल के बनने से जागपुर, छिंदीटोला, रेंगाटोला, एंकाटोला, ओझाटोला, उमरटोला, भांडी, पिपरिया, दौनी, हुडकोटोला, एकोड़ी, कासपुर, मदनपुर, आमाटोला सहित दो दर्जन से अधिक गांवों के लगभग 15 से 20 हजार लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। वर्तमान में इन गांवों के लोगों को नदी पार करने या लंबा चक्कर लगाकर जिला मुख्यालय पहुंचना पड़ता है। विशेष रूप से बरसात के दिनों में मरीजों, विद्यार्थियों और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति भी चिंता बढ़ाने वाली है। पुल के कई पिलर तैयार हो चुके हैं, लेकिन अभी तक सभी कैप का निर्माण पूरा नहीं हो पाया है। इसके बाद पुल पर 38 गर्डर स्थापित किए जाने हैं। मौजूदा गति को देखते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कैप निर्माण और गर्डर लॉन्चिंग दोनों कार्य पूरे होना लगभग असंभव है। मौके पर काम की रफ्तार बेहद धीमी दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार पुल निर्माण का ठेका मेसर्स अम्बा इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली को दिया गया है। निर्माण कार्य में लगातार हो रही देरी के कारण कुछ समय पहले विभाग ने ठेकेदार का अनुबंध समाप्त (टर्मिनेट) कर दिया था। हालांकि बाद में ठेकेदार द्वारा समय पर कार्य पूरा करने का भरोसा दिए जाने पर वरिष्ठ अधिकारियों ने अनुबंध फिर से बहाल कर दिया। उम्मीद थी कि इसके बाद निर्माण कार्य में तेजी आएगी, लेकिन स्थिति पहले जैसी ही बनी हुई है। काम की गति में अपेक्षित सुधार नहीं दिखाई दिया।

जून माह के अंत तक गर्डर लॉन्चिंग के निर्देश दिए थे - अर्जुन सनोडिया

सेतु संभाग के अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान परिस्थितियों में ठेकेदार का अनुबंध दोबारा समाप्त करना भी आसान नहीं है। सेतु संभाग के एसडीओ अर्जुन सनोडिया ने बताया कि यदि इस समय अनुबंध समाप्त किया जाता है तो नई निविदा प्रक्रिया में ही लगभग तीन महीने का समय लग जाएगा। इससे निर्माण कार्य पूरी तरह ठप हो जाएगा और परियोजना में और अधिक विलंब होगा। यही कारण है कि विभाग धीमी गति के बावजूद वर्तमान ठेकेदार से ही कार्य पूरा कराने की कोशिश कर रहा है। उल्लेखनीय है कि 4 जून को हुई समीक्षा बैठक में कलेक्टर मृणाल मीणा ने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को जून माह के अंत तक पुल पर गर्डर लॉन्चिंग का कार्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर ने निर्माण कार्य में तेजी लाने और नियमित निगरानी रखने के भी निर्देश दिए थे। लेकिन निर्माण स्थल की मौजूदा स्थिति यह बताती है कि इन निर्देशों का अपेक्षित असर दिखाई नहीं दे रहा है। मौके पर कार्य की गति अभी भी बेहद धीमी बनी हुई है। जागपुर घाट पुल निर्माण में लगातार हो रही देरी को लेकर पहले भी कई बार जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और ग्रामीणों ने प्रशासन तथा निर्माण एजेंसी पर सवाल उठाए हैं। कई बार विरोध प्रदर्शन भी हुए और समय पर पुल निर्माण की मांग उठाई गई, लेकिन इसके बावजूद परियोजना तय समय पर पूरी नहीं हो सकी।

भीमोड़ी में आकाशीय बिजली गिरने से तीन युवकों की मौत, छह गंभीर घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैहर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कोहका के भीमोड़ी में शुक्रवार दोपहर तेज आंधी-तूफान और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले बैहर अस्पताल ले जाया गया, जहां से कुछ की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

बारिश से बचने वन विभाग के टावर पर चढ़े थे युवक

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भीमोड़ी, बिरवा, कोहका और अतरिया के करीब 14 युवक दोपहर में भीमोड़ी तालाब में मछली पकड़ने और नहाने गए थे। इसी दौरान करीब 2 बजे अचानक मौसम बदला और तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए सभी युवक जंगल से लगे वन विभाग के वॉच टावर पर चढ़ गए। इसी दौरान टावर से लगे एक विशाल सरई के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में सभी युवक आ गए।

मृतकों व घायलों में इनका शमावेश

हादसे में सतीश बलके (19) पिता दयाल बलके निवासी बिरवा और लक्की मेरावी (18) पिता श्रीराम मेरावी निवासी बिरवा की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल झामसिंह ताराम (32) निवासी भीमोड़ी ने बैहर अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं देवसिंह सहित छह अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हैं, जबकि कुछ अन्य को मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। बैहर पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बद्ध
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक JOB SAHI
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

भारत वर्ष में नं. 1, मध्यप्रदेश में भी नं. 1
भारत वर्ष की पहली 9 इंच में डीबीटी में उपलब्ध
(भारत सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त)
रॉइडान व वॉकबिहाइड दोनो
LC09W
Kaira
तकनीक जापानी सोच हिन्दुस्तानी
बुकिंग पर सीडर ट्रे फर्मा फ्री या 20000 हजार की छूट
बगैर अनुदान के 2.40/- अनुदान होने पर 1.50/- Kaira RTP 4 Row
साई ट्रेक्टर्स/ के.के. इंटरप्राईजेस Kaira
• मोती तालाब रोड, नर्मदा नगर बालाघाट
• पटेल टोला, बरपाट (सिवनी)
8770334649
8120467192

PADMESH X FIBERNET
Unlimited Data for
Unlimited Streaming
For Information Call us at:
08045777666
Visit Our Website:
www.padmeshdigital.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट